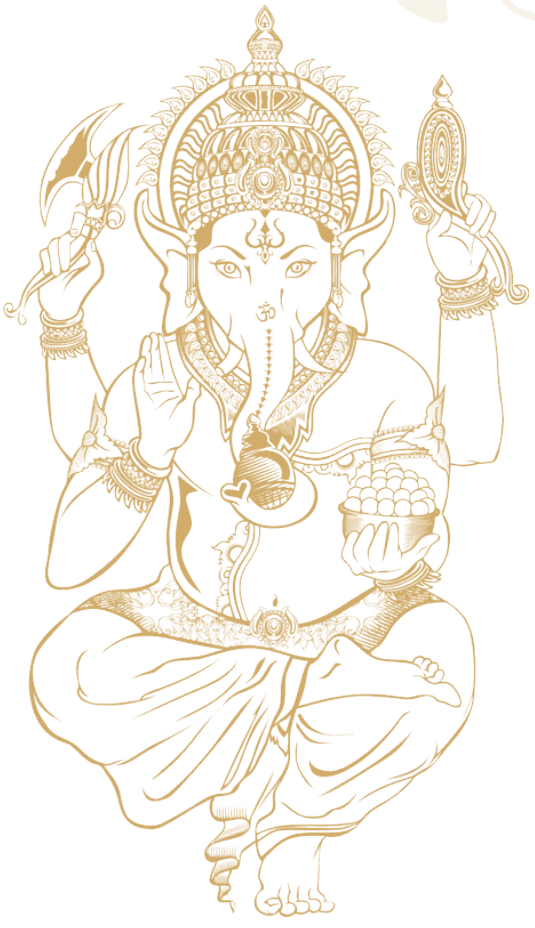

Mr.ishan Tiwari

25 Feb 2000

12:05 AM

Surat

Model: Web-JanmaKundliPlus

Order No: 120788301

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24-25/02/2000**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:05:00 घंटे**
इष्ट	42:32:48 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:26:20 घंटे
वेलान्तर	-00:13:22 घंटे
साम्पातिक काल	09:42:09 घंटे
सूर्योदय	07:03:52 घंटे
सूर्यास्त	18:40:23 घंटे
दिनमान	11:36:30 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	11:36:03 कुम्भ
लग्न के अंश	26:54:43 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 3**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	वृद्धि
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रो-रोहित
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1921	फाल्गुन	6
पंजाबी	संवत : 2056	फाल्गुन	13
बंगाली	सन् : 1406	फाल्गुन	12
तमिल	संवत : 2056	मासी	13
केरल	कोल्लम : 1175	कुंभम	13
नेपाली	संवत : 2056	फाल्गुन	13
चैत्रादि	संवत : 2056	फाल्गुन	कृष्ण 6
कार्तिकादि	संवत : 2056	माघ	कृष्ण 6

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____: 5
तिथि समाप्ति काल _____: 17:14:45
जन्म तिथि _____: 6
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: चित्रा
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 08:26:44 घंटे
जन्म योग _____: स्वाति
सूर्योदय कालीन योग _____: वृद्धि
योग समाप्ति काल _____: 24:23:22 घंटे
जन्म योग _____: वृद्धि
सूर्योदय कालीन करण _____: तैतिल
करण समाप्ति काल _____: 17:14:45 घंटे
जन्म करण _____: गर
भयात _____: 39:05:40
भभोग _____: 63:42:10
भोग्य दशा काल _____: राहु 6 वर्ष 10 मा 22 दि

घात चक्र

मास _____: माघ
तिथि _____: 4-9-14
दिन _____: गुरुवार
नक्षत्र _____: शतभिषा
योग _____: शुक्ल
करण _____: तैतिल
प्रहर _____: 4
वर्ग _____: सिंह
लग्न _____: कन्या
सूर्य _____: कन्या
चन्द्र _____: धनु
मंगल _____: तुला
बुध _____: कर्क
गुरु _____: वृश्चिक
शुक्र _____: धनु
शनि _____: सिंह
राहु _____: मकर

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

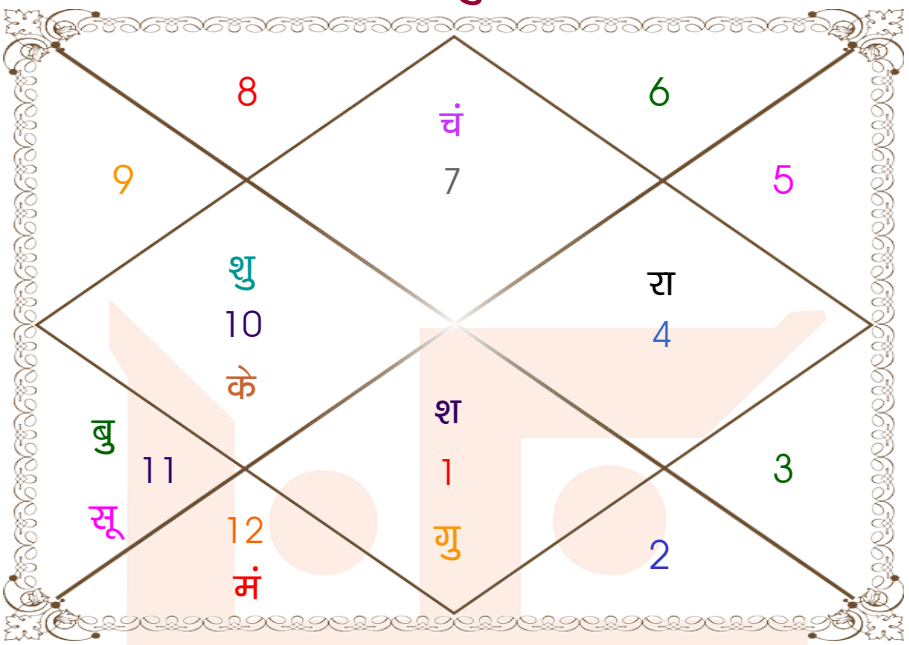

चन्द्र कुंडली

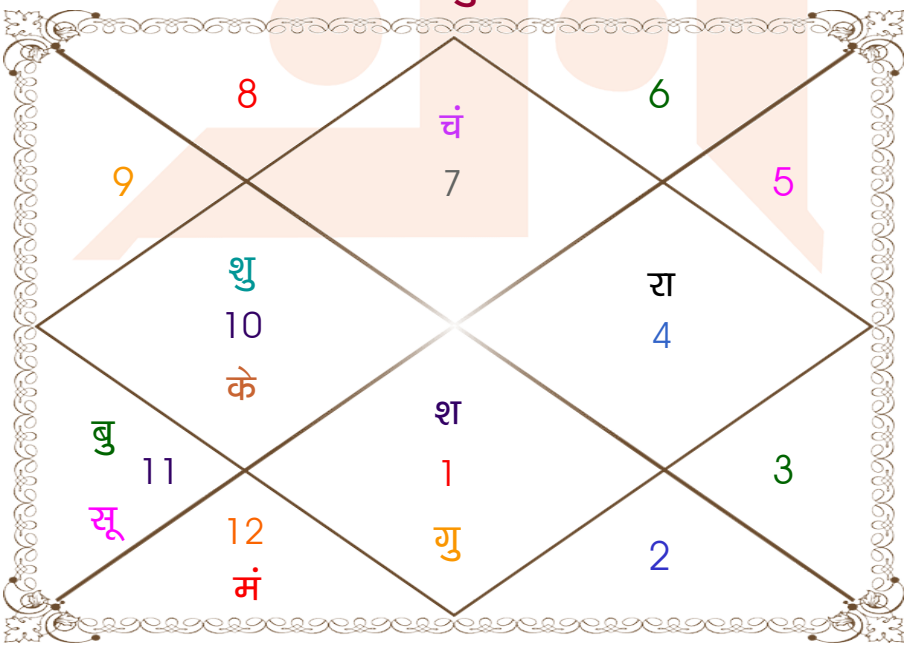

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

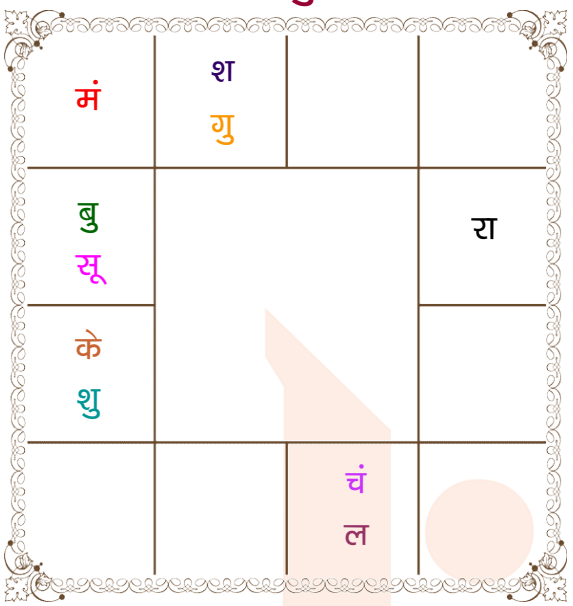

लग्न कुंडली

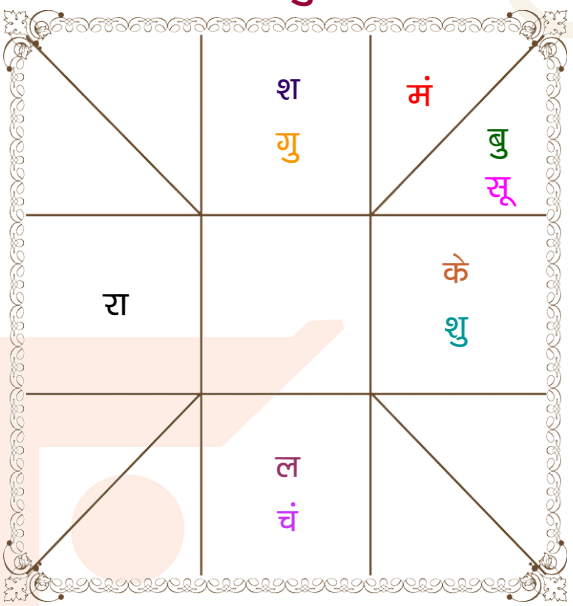

विंशोत्तरी
राहु 6वर्ष 10मा 22दि

राहु

25/02/2000

17/01/2109

राहु	17/01/2007
गुरु	17/01/2023
शनि	16/01/2042
बुध	17/01/2059
केतु	16/01/2066
शुक्र	16/01/2086
सूर्य	17/01/2092
चन्द्र	17/01/2102
मंगल	17/01/2109

योगिनी
पिंगला 0वर्ष 9मा 5दि

संकटा

01/12/2025

01/12/2033

संकटा	11/09/2027
मंगला	01/12/2027
पिंगला	11/05/2028
धान्या	10/01/2029
भ्रामरी	01/12/2029
भद्रिका	10/01/2031
उल्का	11/05/2032
सिद्धा	01/12/2033

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	26:54:43	320:02:39	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	11:36:03	01:00:22	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	14:53:36	12:30:58	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
मंगल			मीन	15:48:22	00:45:18	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	मित्र राशि
बुध	व	अ	कुंभ	22:27:14	00:31:26	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु			मेष	07:50:46	00:10:53	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
शुक्र			मक	14:15:50	01:14:06	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	मित्र राशि
शनि			मेष	18:08:27	00:04:30	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	नीच राशि
राहु	व		कर्क	09:21:40	00:03:40	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
केतु	व		मक	09:21:40	00:03:40	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			मक	24:00:19	00:03:22	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
नेप			मक	11:20:16	00:02:02	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
प्लूटो			वृश्चि	18:56:08	00:00:41	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	---
दशम भाव			कर्क	29:20:41	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:19

लग्न-चलित

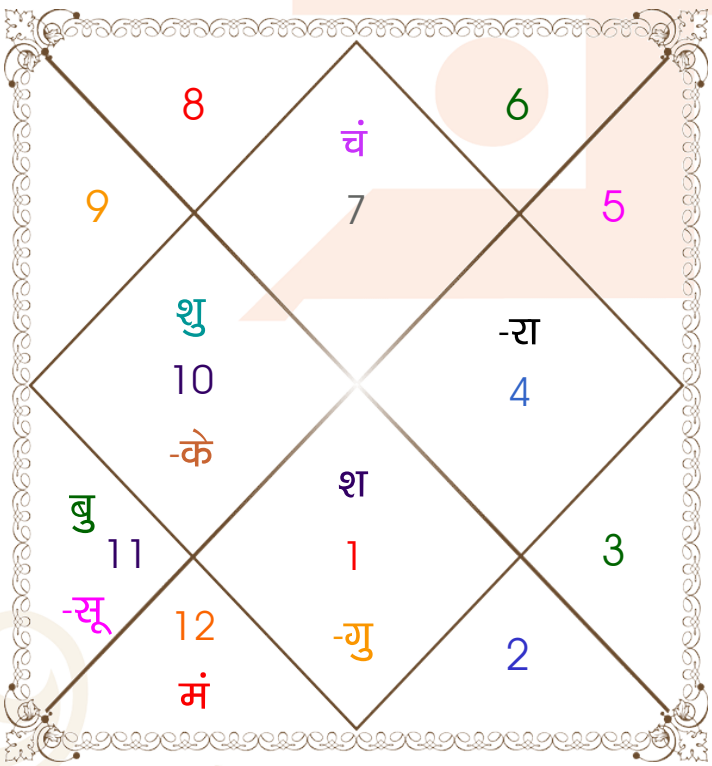

चन्द्र कुंडली

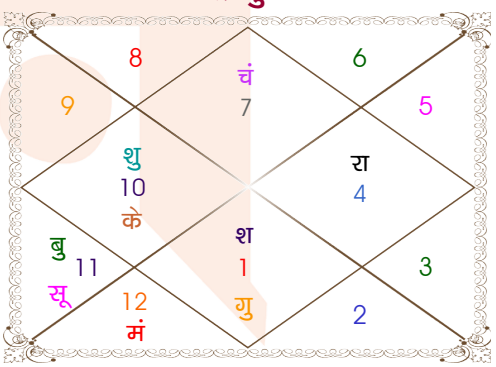

नवमांश कुंडली

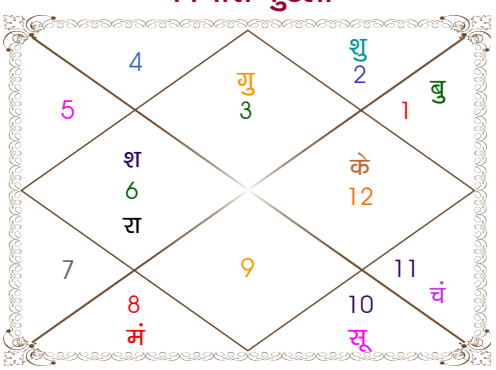

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	तुला	12:19:03	तुला	26:54:43
2	वृश्चिक	12:19:03	वृश्चिक	27:43:22
3	धनु	13:07:42	धनु	28:32:02
4	मकर	13:56:21	मकर	29:20:41
5	कुम्भ	13:56:21	कुम्भ	28:32:02
6	मीन	13:07:42	मीन	27:43:22
7	मेष	12:19:03	मेष	26:54:43
8	वृष	12:19:03	वृष	27:43:22
9	मिथुन	13:07:42	मिथुन	28:32:02
10	कर्क	13:56:21	कर्क	29:20:41
11	सिंह	13:56:21	सिंह	28:32:02
12	कन्या	13:07:42	कन्या	27:43:22

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	तुला	26:54:43
2	वृश्चिक	26:13:29
3	धनु	27:00:43
4	मकर	29:20:41
5	मीन	01:32:19
6	मेष	01:00:01
7	मेष	26:54:43
8	वृष	26:13:29
9	मिथुन	27:00:43
10	कर्क	29:20:41
11	कन्या	01:32:19
12	तुला	01:00:01

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

चलित कुंडली

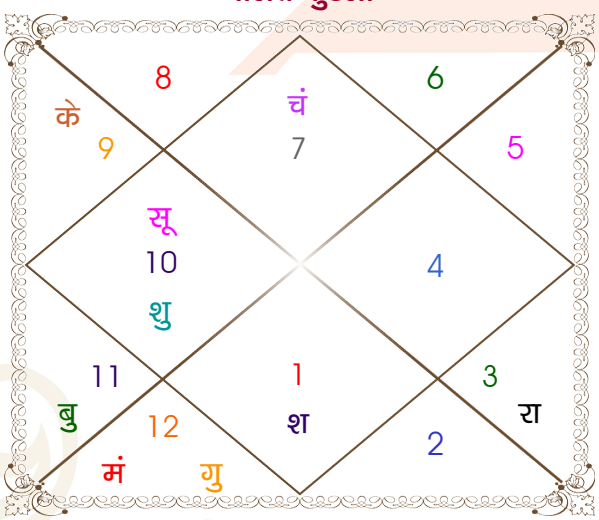

भाव कुंडली

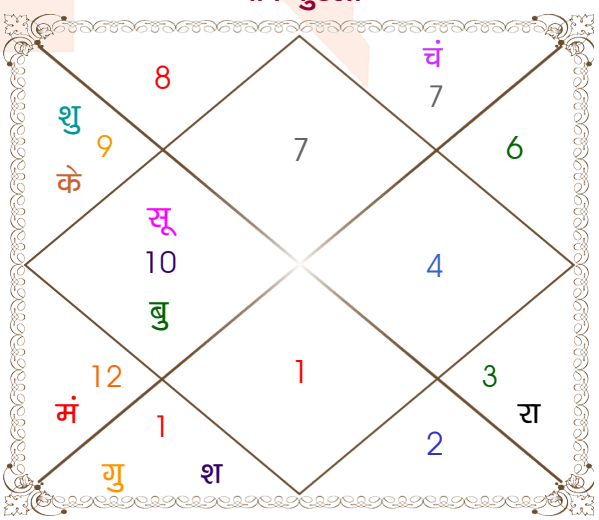

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	कुमार	खल	प्रकाश	6.76	16 %
चंद्र	मातृ	मातृ	युवा	निपीदित	नृत्यलिप्सा	1.09	55 %
मंगल	भ्रातृ	भ्रातृ	युवा	मुदित	नृत्यलिप्सा	4.90	56 %
बुध	आत्मा	ज्ञाति	वृद्ध	विकल	आगम	0.00	44 %
गुरु	कलत्र	धन	कुमार	मुदित	सभा	4.81	55 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	युवा	मुदित	प्रकाश	6.36	95 %
शनि	अमात्य	आयु	वृद्ध	भीत	प्रकाश	0.05	46 %
राहु	---	ज्ञान	वृद्ध	खल	प्रकाश	0.00	29 %
केतु	---	मोक्ष	वृद्ध	खल	सभा	0.00	29 %
कुल						23.96	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा
शतभिषा	पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा
आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा

चलित कुंडली

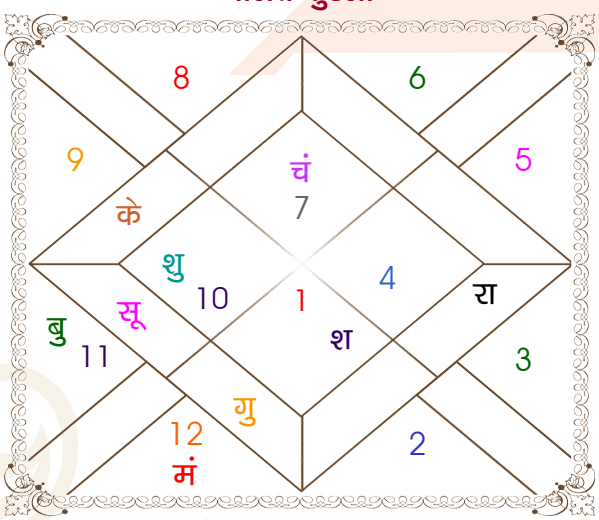

लग्न-चलित

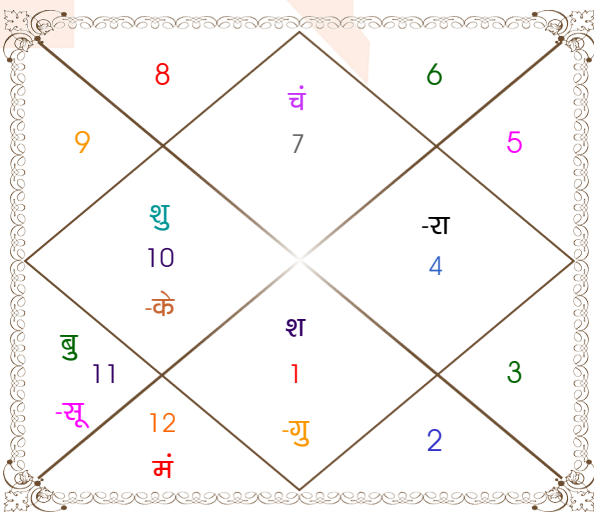

सुदर्शन चक्र

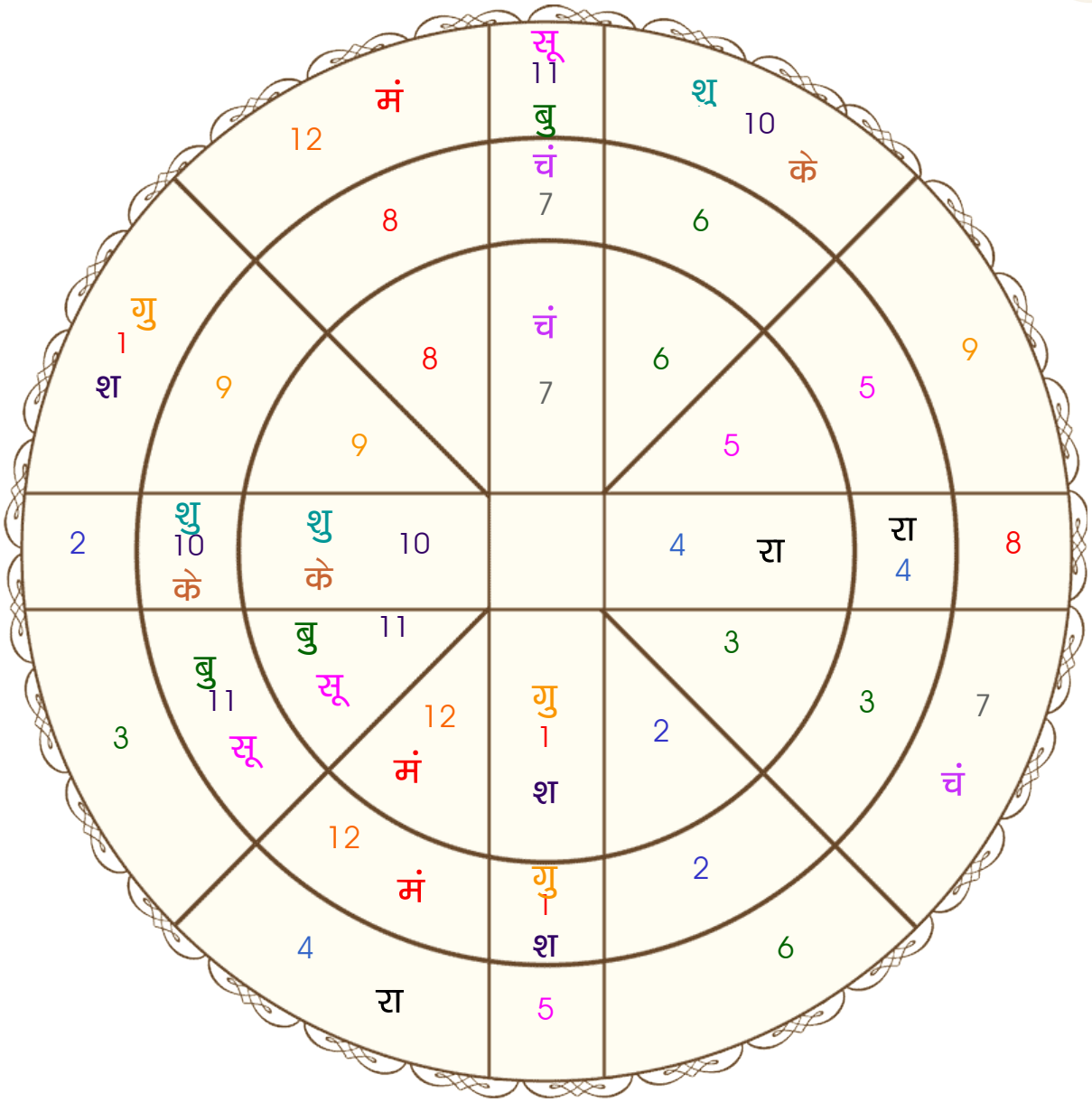

नोटः सुदर्शन चक्र कमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 9 मास 3 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		कुंभ	11:42:05	शनि	राहु	शनि	चंद्र
चंद्र		तुला	14:59:38	शुक्र	राहु	केतु	शनि
मंगल		मीन	15:54:23	गुरु	शनि	गुरु	शुक्र
बुध	व	कुंभ	22:33:15	शनि	गुरु	शनि	शुक्र
गुरु		मेष	07:56:47	मंगलकेतु		गुरु	शनि
शुक्र		मक	14:21:51	शनि	चंद्र	गुरु	शनि
शनि		मेष	18:14:28	मंगलशुक्र		राहु	राहु
राहु	व	कर्क	09:27:41	चंद्र	शनि	शुक्र	गुरु
केतु	व	मक	09:27:41	शनि	सूर्य	शुक्र	शनि
हर्ष		मक	24:06:20	शनि	मंगलमंगलचंद्र		
नेप		मक	11:26:18	शनि	चंद्र	मंगलशनि	
प्लूटो		वृश्चि	19:02:09	मंगलबुध		केतु	गुरु

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	तुला	27:00:45	शुक्र	गुरु	शुक्र	सूर्य
2	वृश्चि	26:19:30	मंगलबुध		गुरु	गुरु
3	धनु	27:06:45	गुरु	सूर्य	सूर्य	बुध
4	मक	29:26:42	शनि	मंगलशनि		राहु
5	मीन	01:38:20	गुरु	गुरु	राहु	गुरु
6	मेष	01:06:02	मंगलकेतु		शुक्र	शुक्र
7	मेष	27:00:45	मंगलसूर्य		सूर्य	शनि
8	वृष	26:19:30	शुक्र	मंगलगुरु		गुरु
9	मिथु	27:06:45	बुध	गुरु	शुक्र	चंद्र
10	कर्क	29:26:42	चंद्र	बुध	शनि	राहु
11	कन्या	01:38:20	बुध	सूर्य	गुरु	शनि
12	तुला	01:06:02	शुक्र	मंगलबुध		राहु

के.पी. अयनांश : 23:45:18

फॉरच्युना : कर्क 00:18:18

लग्न कुंडली

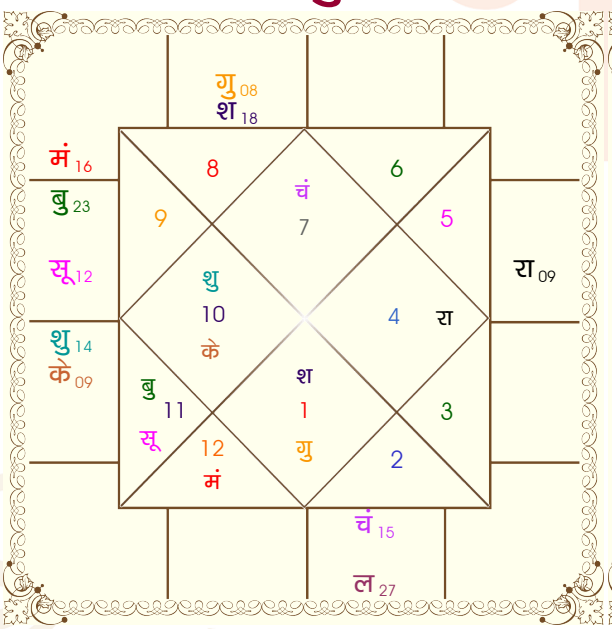

भाव कुंडली

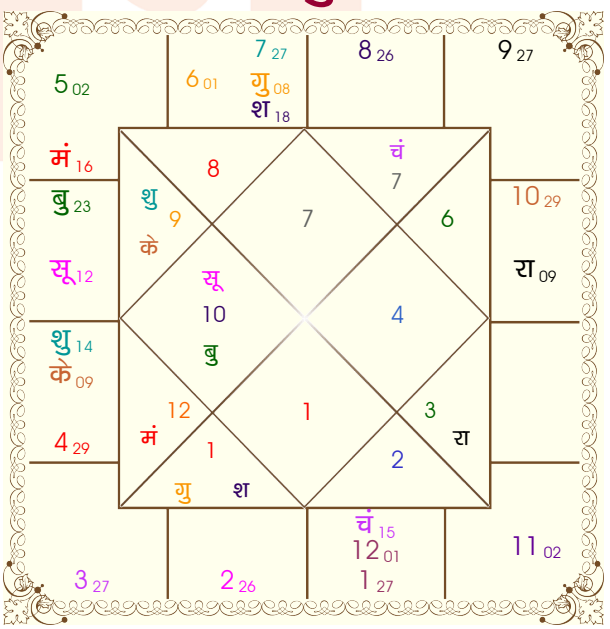

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	शुक्र- शनि-
2	मंगल-
3	बुध- गुरु+ शुक्र, शनि, केतु,
4	सूर्य, मंगल- बुध, शनि- राहु- केतु,
5	मंगल, बुध- गुरु-
6	मंगल+ बुध, गुरु, शनि, राहु,
7	मंगल-
8	शुक्र- शनि-
9	सूर्य, चंद्र, बुध- राहु,
10	चंद्र- शुक्र-
11	बुध-
12	चंद्र, शुक्र+ शनि-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	4, 9,
चंद्र	9, 10- 12,
मंगल	2- 4- 5, 6+ 7-
बुध	3- 4, 5- 6, 9- 11-
गुरु	3+ 5- 6,
शुक्र	1- 3, 8- 10- 12+
शनि	1- 3, 4- 6, 8- 12-
राहु	4- 6, 9,
केतु	3, 4,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	गुरु
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	राहु
राशि स्वामी	शुक्र
वार स्वामी	शुक्र
लग्न अन्तर स्वामी	शुक्र
राशि अन्तर स्वामी	केतु

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	--	--	श	शु
2	--	--	--	मं
3	गु श	शु के	बु	गु
4	के	सू बु	मं रा	श
5	--	मं	बु	गु
6	मं बु रा	गु श	--	मं
7	--	--	--	मं
8	--	--	श	शु
9	सू चं	रा	--	बु
10	--	--	शु	चं
11	--	--	--	बु
12	शु	चं	श	शु

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	---	3,7,11	कुम्भ	4
चंद्र	10	---	तुला	12
मंगल	2,6,7	4,8,12	मीन	5
बुध	9,11	2,10	कुम्भ	4
गुरु	3,5	1,5,9	मेष	6
शुक्र	1,8,12	---	मकर	3
शनि	4	---	मेष	6
राहु	---	---	कर्क	9
केतु	---	6	मकर	3

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	---	---	9	4	---	6
चंद्र	---	---	9	---	6	3
मंगल	4	---	6	3,5	1,5,9	6
बुध	3,5	1,5,9	6	4	---	6
गुरु	---	6	3	3,5	1,5,9	6
शुक्र	10	---	12	3,5	1,5,9	6
शनि	1,8,12	---	3	---	---	9
राहु	4	---	6	1,8,12	---	3
केतु	---	3,7,11	4	1,8,12	---	3

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	311.60	194.89	345.81	322.45	7.85	284.26	18.14	99.36	279.36	294.01	281.34	228.94
सूर्य	--	--	--	युति	तृती	--	--	--	--	--	--	--
311.60	0.00	0.00	0.00	4.21	1.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	पंच	--	षष्ठ	--	सप्त	चतु	सप्त	--	चतु	--	चतु	--
194.89	1.95	0.00	0.14	0.00	7.40	2.96	9.43	0.00	0.37	0.00	1.79	0.00
मंगल	--	8वां	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
345.81	0.00	9.95	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
बुध	युति	--	--	--	अष्ट	--	तृती	--	--	--	--	--
322.45	4.21	0.00	0.00	0.00	0.82	0.00	1.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	--	सप्त	--	--	--	--	युति	चतु	--	--	--	--
7.85	0.00	7.40	0.00	0.00	0.00	0.00	4.73	2.77	0.00	0.00	0.00	0.00
शुक्र	--	--	तृती	--	--	--	चतु	सप्त	युति	युति	युति	--
284.26	0.00	0.00	2.76	0.00	0.00	0.00	1.58	8.71	8.71	5.23	9.53	0.00
शनि	--	सप्त	--	--	युति	10वा	--	--	10वा	10वा	10वा	--
18.14	0.00	9.43	0.00	0.00	4.73	9.19	0.00	0.00	6.06	8.17	7.57	0.00
राहु	--	चतु	--	--	--	सप्त	--	--	सप्त	सप्त	सप्त	--
99.36	0.00	0.37	0.00	0.00	0.00	8.71	0.00	0.00	10.00	0.37	9.79	0.00
केतु	--	--	--	--	चतु	युति	--	सप्त	--	युति	युति	--
279.36	0.00	0.00	0.00	0.00	2.77	8.71	0.00	10.00	0.00	0.37	9.79	0.00
हर्ष	--	--	--	--	--	युति	चतु	सप्त	युति	--	युति	--
294.01	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	5.23	0.11	0.37	0.37	0.00	2.42	0.00
नेप	--	--	तृती	--	चतु	युति	--	सप्त	युति	युति	--	--
281.34	0.00	0.00	1.17	0.00	1.83	9.53	0.00	9.79	9.79	2.42	0.00	0.00
प्लूटो	--	--	पंच	चतु	--	तृती	षष्ठ	--	--	तृती	--	--
228.94	0.00	0.00	2.05	1.81	0.00	1.02	0.32	0.00	0.00	0.72	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	206.91	237.72	268.53	299.34	328.53	357.72	26.91	57.72	88.53	119.34	148.53	177.72
सूर्य	--	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--
311.60	0.00	0.00	0.00	2.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.83	0.00	0.00
चंद्र	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--	--
194.89	3.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.07	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
मंगल	8वां	--	--	--	--	युति	--	पंचा	4था	--	--	सप्त
345.81	3.97	0.00	0.00	0.00	0.00	3.17	0.00	0.99	2.36	0.00	0.00	3.17
बुध	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	--	--	सप्त	--
322.45	0.00	0.00	0.00	0.00	8.04	0.00	1.18	0.57	0.00	0.00	8.04	0.00
गुरु	--	9वां	--	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त
7.85	0.00	4.89	0.00	0.00	0.00	4.89	0.00	0.00	0.00	6.29	0.00	4.89
शुक्र	--	--	--	--	अष्ट	--	--	--	--	--	--	--
284.26	0.00	0.00	0.00	0.00	0.41	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	नवां	3रा	--	--	--
18.14	6.07	0.00	0.00	3.87	0.00	0.00	0.00	0.79	4.64	0.00	0.00	0.00
राहु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
99.36	0.00	0.00	4.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	4.23	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--
279.36	0.00	0.00	4.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	--	--	--
294.01	0.00	0.00	0.00	8.48	0.00	1.69	2.17	1.69	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--
281.34	0.00	0.00	2.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.28	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	--	युति	नवां	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--
228.94	0.00	6.06	0.81	0.00	0.00	0.00	0.00	6.06	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	206.91	236.22	267.01	299.34	331.54	1.00	26.91	56.22	87.01	119.34	151.54	181.00
सूर्य	--	--	--	युति	--	--	--	--	अष्टां	सप्त	--	--
311.60	0.00	0.00	0.00	2.83	0.00	0.00	0.00	0.00	0.80	2.83	0.00	0.00
चंद्र	युति	--	पंचा	--	--	सप्त	सप्त	--	--	--	--	युति
194.89	3.07	0.00	0.98	0.00	0.00	1.16	3.07	0.00	0.00	0.00	0.00	1.16
मंगल	8वां	--	--	--	युति	--	--	--	4था	--	सप्त	8वां
345.81	3.97	0.00	0.00	0.00	0.77	0.00	0.00	0.00	3.87	0.00	0.77	0.20
बुध	--	--	--	--	युति	--	तृती	चतु	पंच	--	सप्त	--
322.45	0.00	0.00	0.00	0.00	5.81	0.00	1.18	1.65	1.11	0.00	5.81	0.00
गुरु	--	9वां	--	--	--	युति	--	--	--	5वां	--	सप्त
7.85	0.00	3.46	0.00	0.00	0.00	7.54	0.00	0.00	0.00	6.29	0.00	7.54
शुक्र	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--
284.26	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	--	3रा	--	--	--
18.14	6.07	0.00	0.00	3.87	0.00	0.00	0.00	0.00	5.99	0.00	0.00	0.00
राहु	--	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--
99.36	0.00	0.00	2.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	2.74	0.00	0.00	0.00
केतु	--	--	युति	--	--	--	--	--	--	--	--	--
279.36	0.00	0.00	2.74	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
हर्ष	--	--	--	युति	--	--	चतु	पंच	--	--	--	--
294.01	0.00	0.00	0.00	8.48	0.00	0.00	2.17	2.51	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	--	युति	--	--	--	--	अष्टां	सप्त	--	--	--
281.34	0.00	0.00	0.71	0.00	0.00	0.00	0.00	0.98	0.71	0.00	0.00	0.00
प्लूटो	--	युति	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	--	--
228.94	0.00	7.23	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.23	0.00	0.00	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

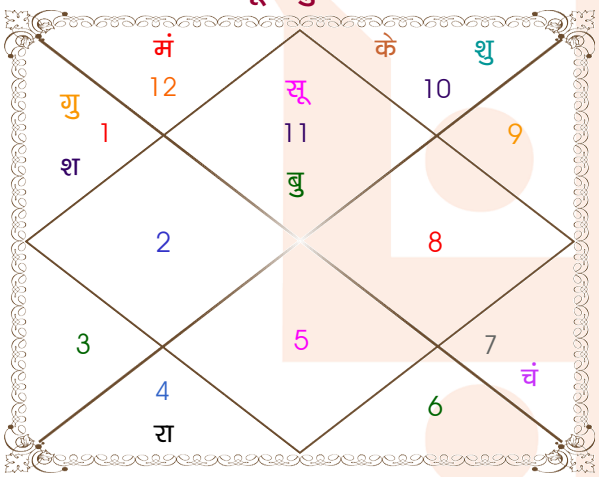

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

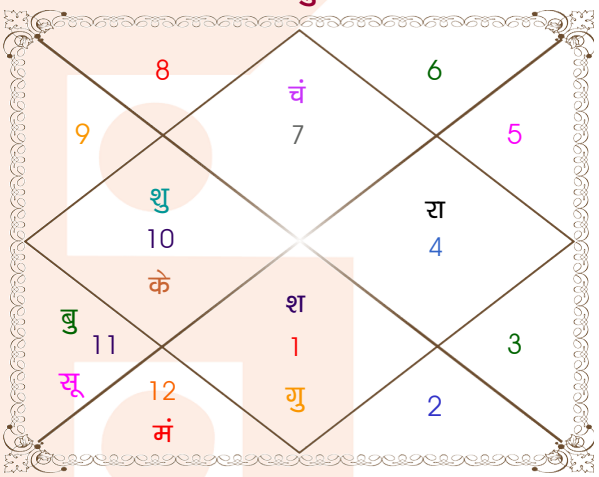

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

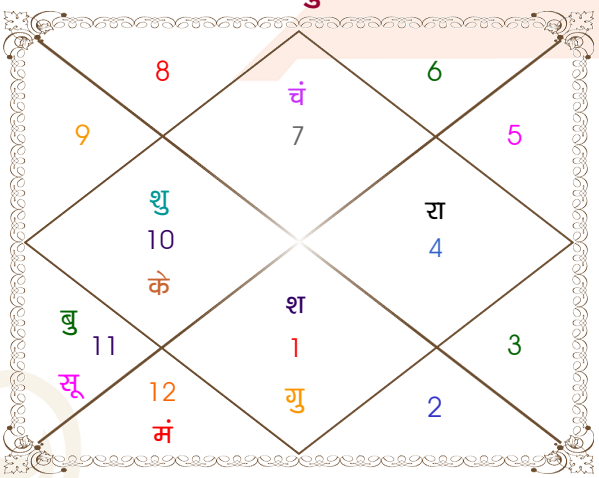

देह विचारः

होरा कुंडली

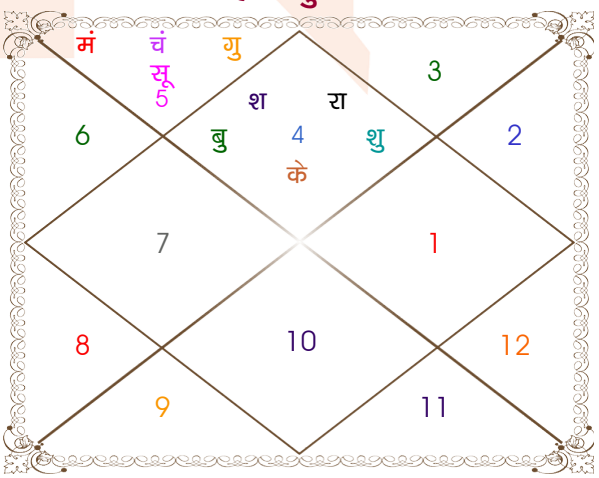

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

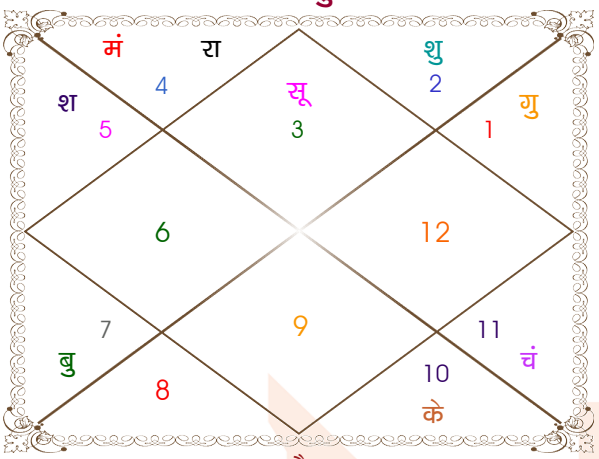

भातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

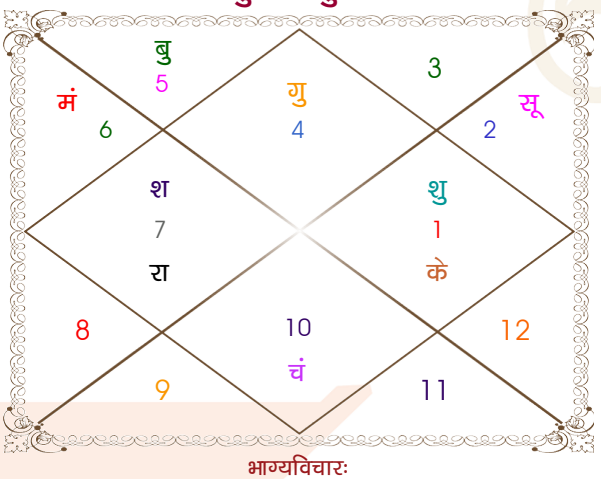

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

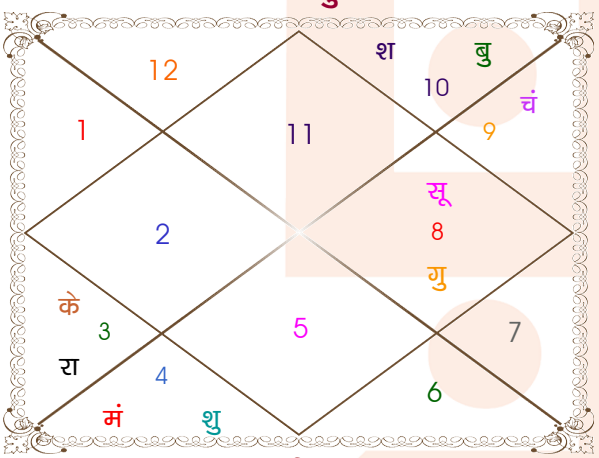

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

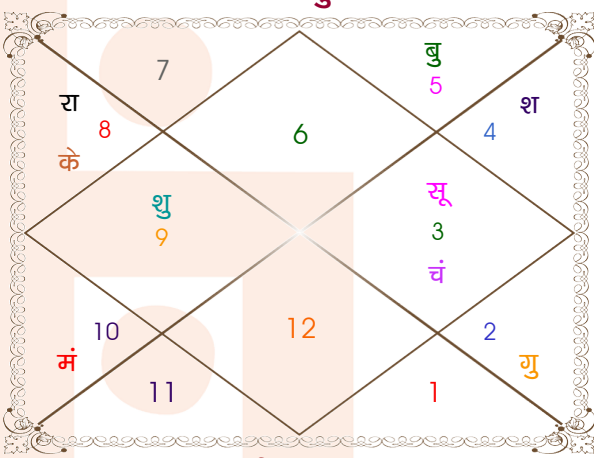

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

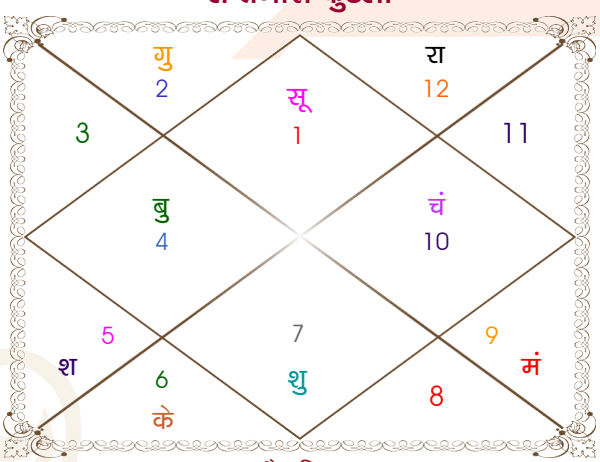

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

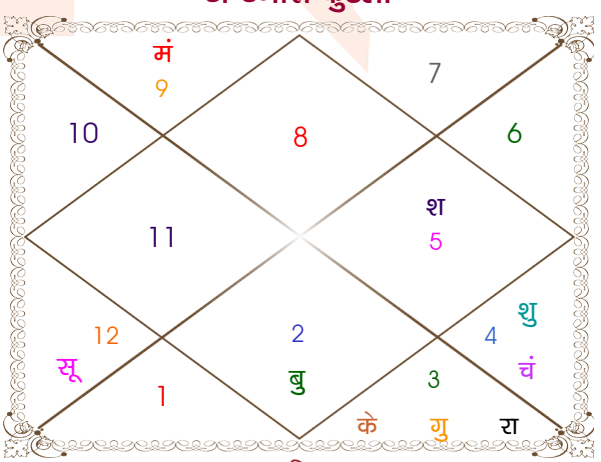

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

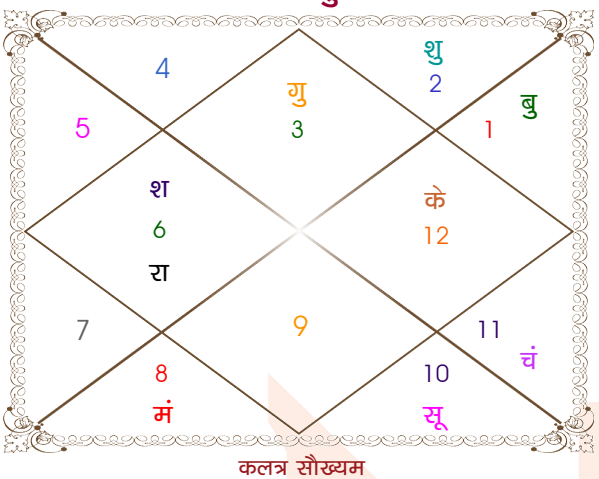

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

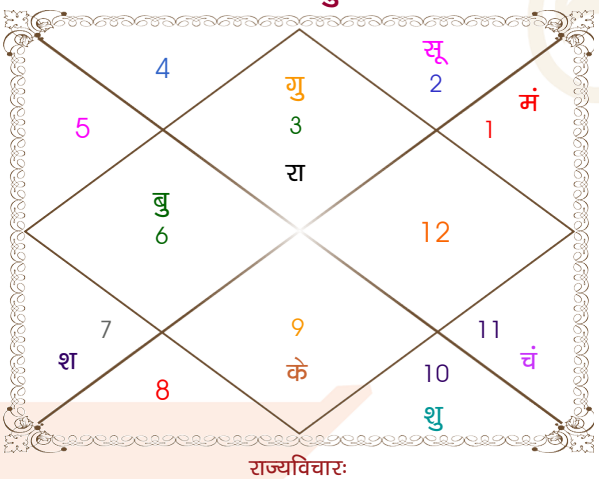

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

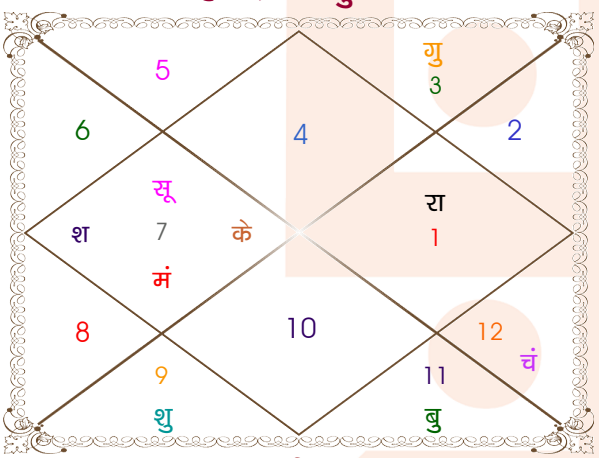

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

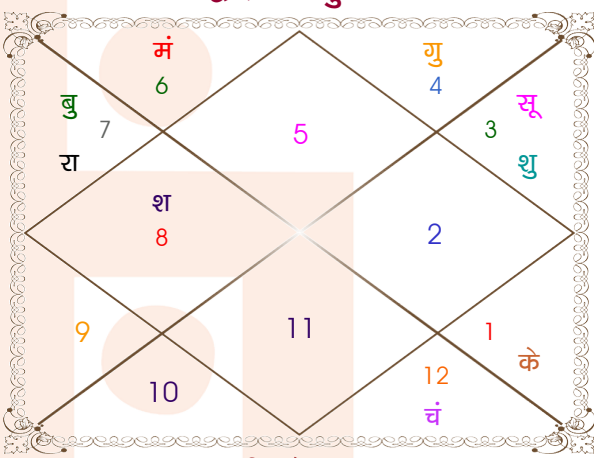

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

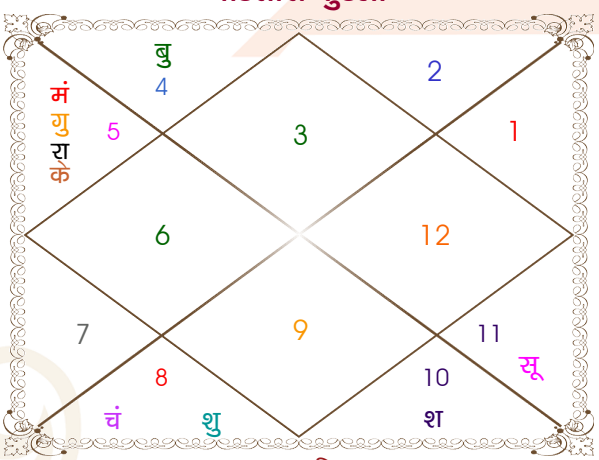

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

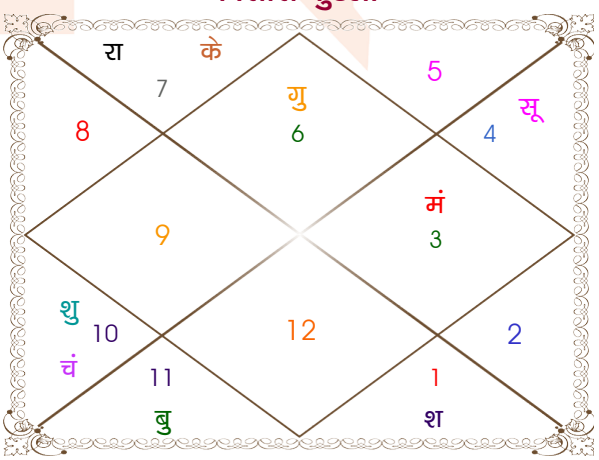

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

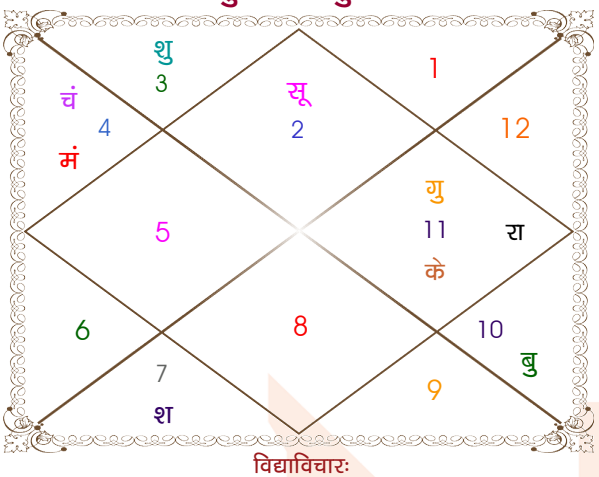

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

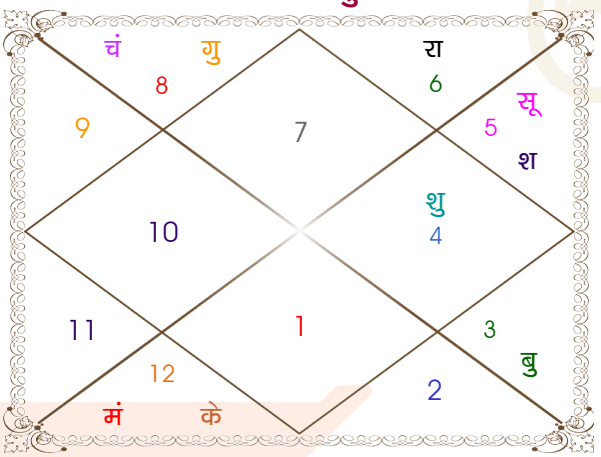

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

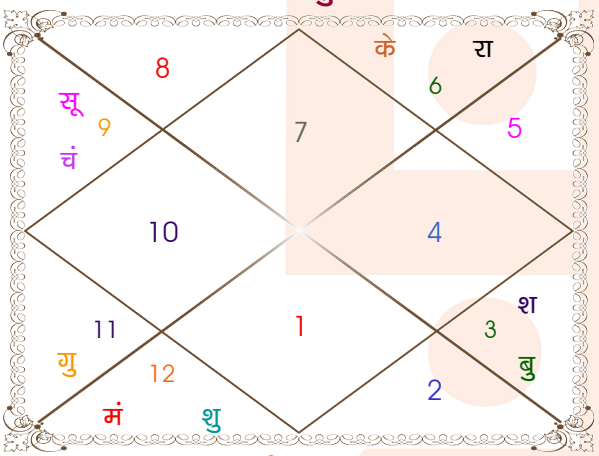

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

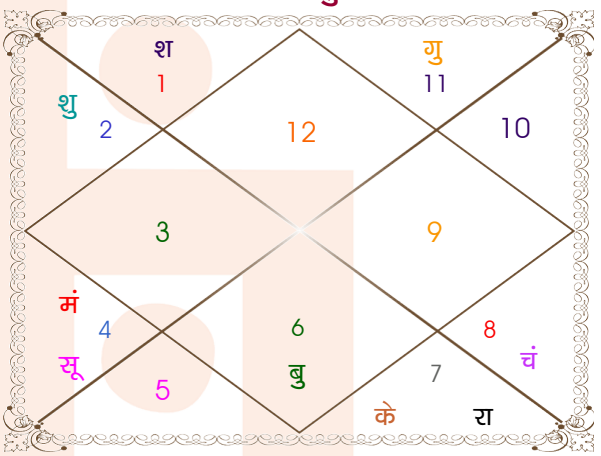

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

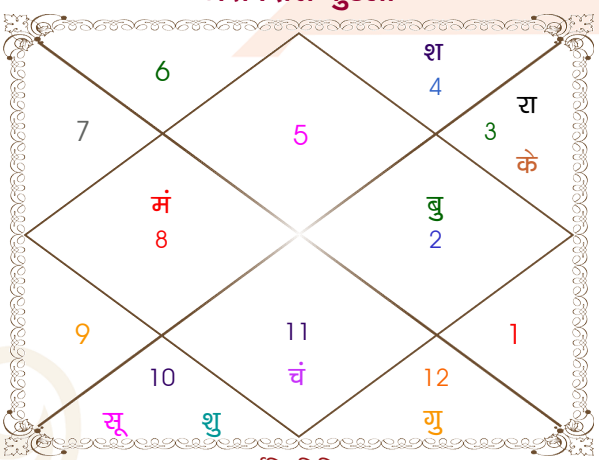

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

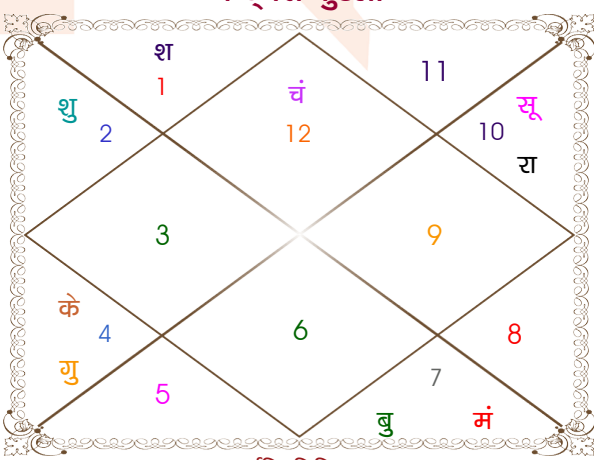

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	तुला	कुंभ	तुला	मीन	कुंभ	मेष	मक	मेष	कर्क	मक
होरा	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मिथु	मिथु	कुंभ	कर्क	तुला	मेष	वृष	सिंह	कर्क	मक
चतुर्थांश	कर्क	वृष	मक	कन्या	सिंह	कर्क	मेष	तुला	तुला	मेष
सप्तमांश	मेष	मेष	मक	धनु	कर्क	वृष	तुला	सिंह	मीन	कन्या
नवमांश	मिथु	मक	कुंभ	वृश्चि	मेष	मिथु	वृष	कन्या	कन्या	मीन
दशमांश	मिथु	वृष	कुंभ	मेष	कन्या	मिथु	मक	तुला	मिथु	धनु
द्वादशांश	सिंह	मिथु	मीन	कन्या	तुला	कर्क	मिथु	वृश्चि	तुला	मेष
षोडशांश	मिथु	कुंभ	वृश्चि	सिंह	कर्क	सिंह	वृश्चि	मक	सिंह	सिंह
विंशांश	कन्या	कर्क	मक	मिथु	कुंभ	कन्या	मक	मेष	तुला	तुला
चतुर्विंशांश	वृष	वृष	कर्क	कर्क	मक	कुंभ	मिथु	तुला	कुंभ	कुंभ
सप्तविंशांश	तुला	सिंह	वृश्चि	मीन	मिथु	वृश्चि	कर्क	सिंह	कन्या	मीन
त्रिंशांश	तुला	धनु	धनु	मीन	मिथु	कुंभ	मीन	मिथु	कन्या	कन्या
खवेदांश	मीन	कर्क	वृश्चि	कर्क	कन्या	कुंभ	वृष	मेष	तुला	तुला
अक्षवेदांश	सिंह	मक	कुंभ	वृश्चि	वृष	मीन	मक	कर्क	मिथु	मिथु
षष्ट्यंश	मीन	मक	मीन	तुला	तुला	कर्क	वृष	मेष	मक	कर्क

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	3 कुसुम
चन्द्र	0 ---	0 ---	0 ---	1 ---
मंगल	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम
बुध	1 ---	1 ---	2 पारिजात	4 नागपुष्प
गुरु	1 ---	1 ---	2 पारिजात	4 नागपुष्प
शुक्र	3 व्यंजन	4 चामर	5 सिंहान	6 केरल
शनि	0 ---	0 ---	2 पारिजात	4 नागपुष्प
राहु	2 किंसुक	2 किंसुक	3 उत्तम	5 कन्दुक
केतु	1 ---	1 ---	2 पारिजात	3 कुसुम

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	10.50	9.70	16.10	15.15	14.65	17.95	11.90	9.10	12.30
सप्तवर्ग	11.65	9.30	16.45	13.75	13.85	18.05	11.70	9.80	12.80
दशवर्ग	11.50	8.43	16.35	14.70	12.78	17.90	12.18	11.33	12.10
षोडशवर्ग	11.13	8.88	16.40	14.65	13.15	17.78	12.83	10.60	11.90

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
चंद्र	शत्रु	---	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
मंगल	मित्र	शत्रु	---	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र
शुक्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु
शनि	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	---	मित्र	मित्र
राहु	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	सम	अधिशत्रु	सम
चंद्र	सम	---	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु	सम	सम
मंगल	अतिमित्र	सम	---	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	सम	अधिशत्रु	मित्र	---	मित्र	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	सम	---	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
शुक्र	सम	सम	मित्र	अतिमित्र	मित्र	---	अतिमित्र	सम	सम
शनि	सम	अधिशत्रु	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	---	अतिमित्र	सम
राहु	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	शत्रु	मित्र	सम	अतिमित्र	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	मित्र	सम	सम	अधिशत्रु	---

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	41	6	44	8	31	36	1
सप्तवर्गज बल	98	41	135	109	94	158	77
ओजयुग्मक बल	15	0	0	30	30	30	15
केन्द्र बल	30	60	15	30	60	60	60
द्रेष्काण बल	0	0	0	0	15	0	15
कुल स्थान बल	183	107	194	176	230	283	167
कुल दिग्बल	4	25	15	21	6	55	57
नतोन्नत बल	4	56	56	60	4	4	56
पक्ष बल	21	78	21	21	39	39	21
त्रिभाग बल	0	0	0	0	60	60	0
अब्द बल	0	0	0	15	0	0	0
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	0	0	0	45	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	60	0
अयन बल	35	49	35	37	46	6	10
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	60	183	112	133	224	169	87
कुल चेष्टाबल	0	0	14	49	21	17	24
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	-4	-22	4	7	16	10	16
कुल षट्बल	303	344	357	413	530	577	361
रूप षट्बल	5.1	5.7	5.9	6.9	8.8	9.6	6.0
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.0	1.0	1.2	1.0	1.4	1.7	1.2
संबंधित पद	5	7	4	6	2	1	3

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	29.74	15.32	24.73	19.27	25.25	24.39	3.84
कष्ट फल	27.26	33.74	27.11	23.59	33.83	32.42	46.37

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	577	357	530	361	361	530	357	577	413	344	303	413
भावदिग्बल	60	10	10	60	20	40	30	40	20	0	50	50
भावदृष्टि बल	47	31	48	0	6	14	34	49	38	40	82	60
कुल भाव बल	684	398	589	421	386	585	421	665	471	384	435	523
रूप भाव बल	11.4	6.6	9.8	7.0	6.4	9.7	7.0	11.1	7.8	6.4	7.2	8.7
संबंधित पद	1	10	3	8	11	4	9	2	6	12	7	5

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

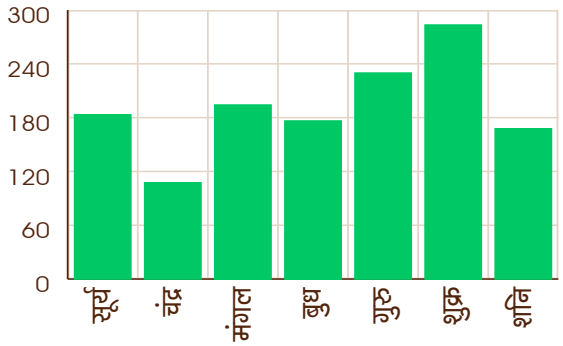

दिग्बल

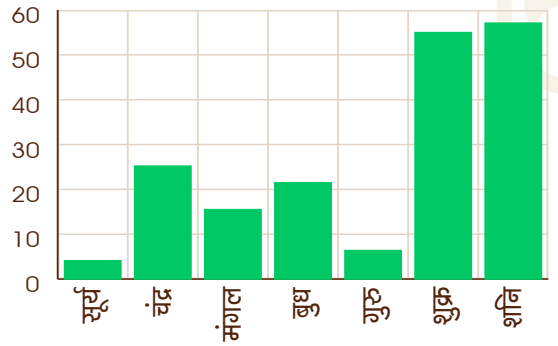

कालबल

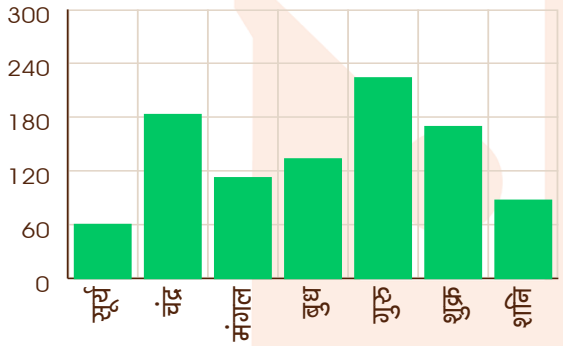

चेष्टाबल

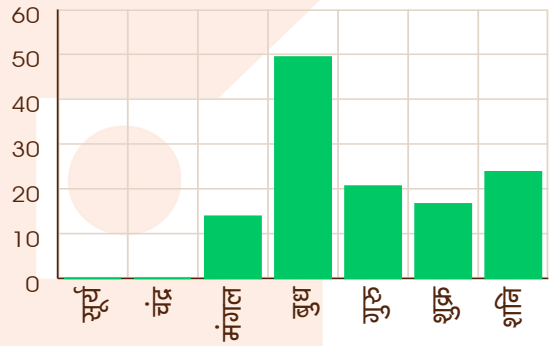

नैसर्गिक बल

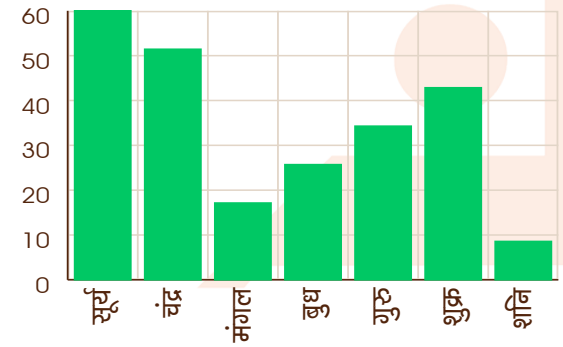

दृग्बल

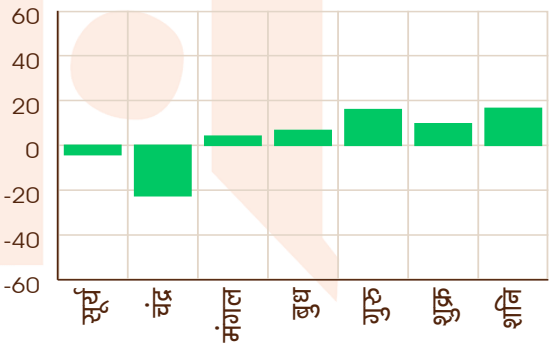

रूप षट्बल

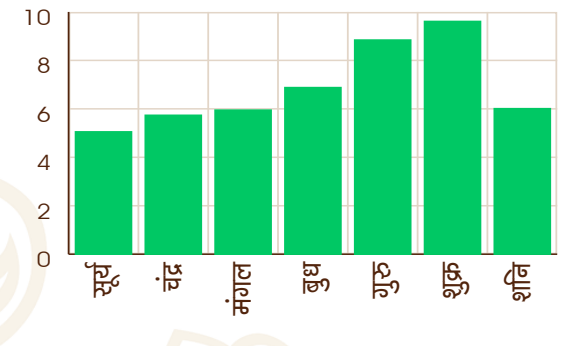

न्यूनतम षट्बल

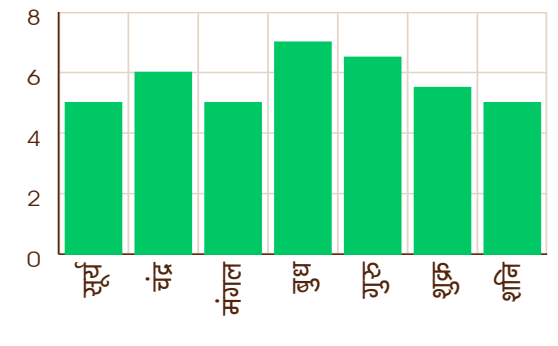

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

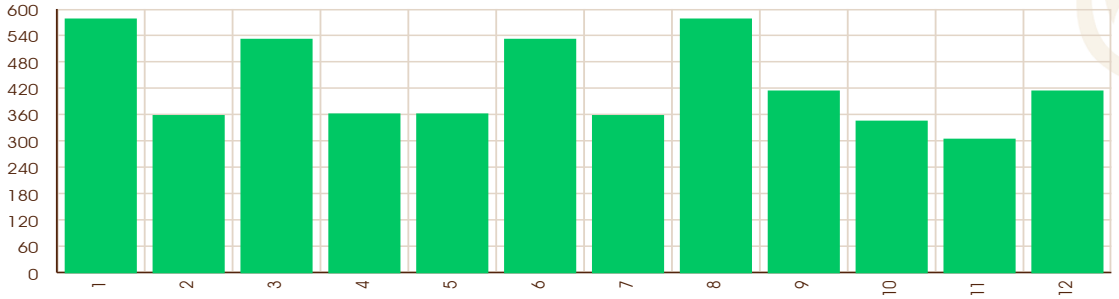

भावदिग्बल

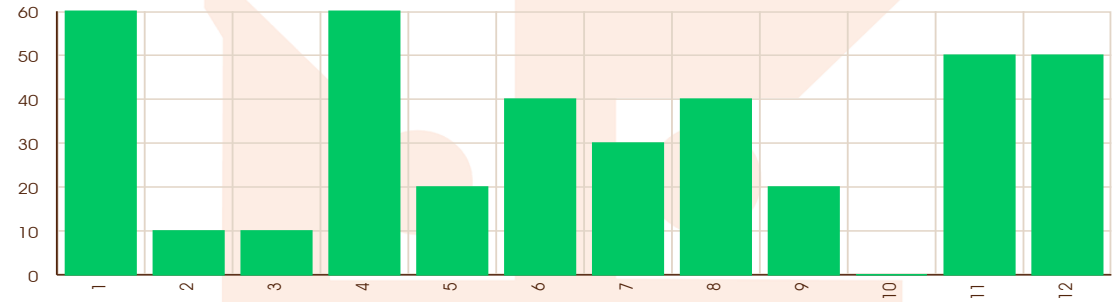

भावदृष्टि बल

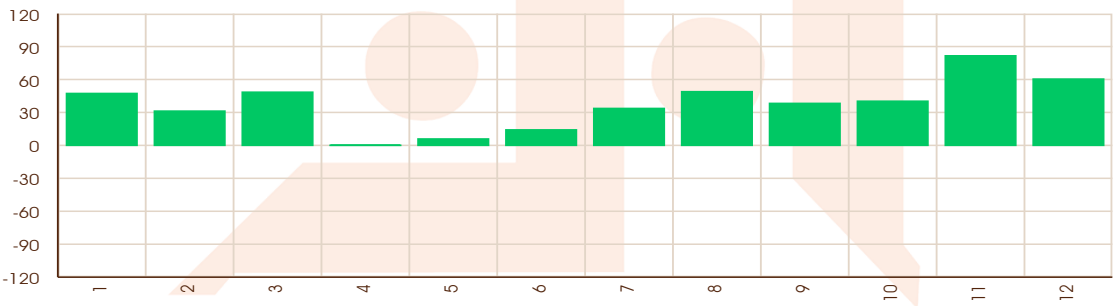

भाव बल

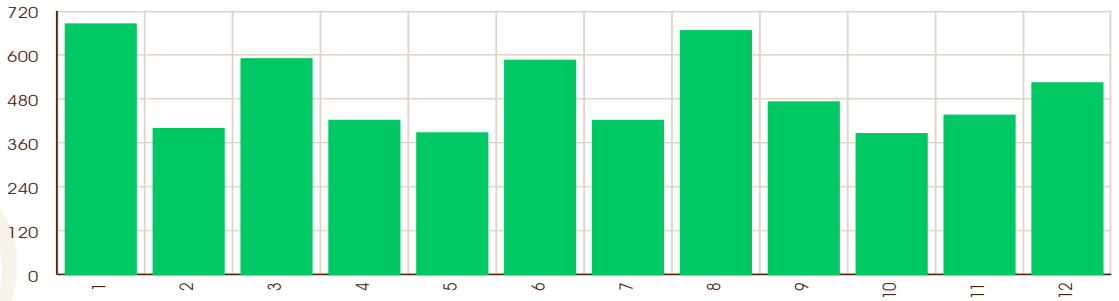

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

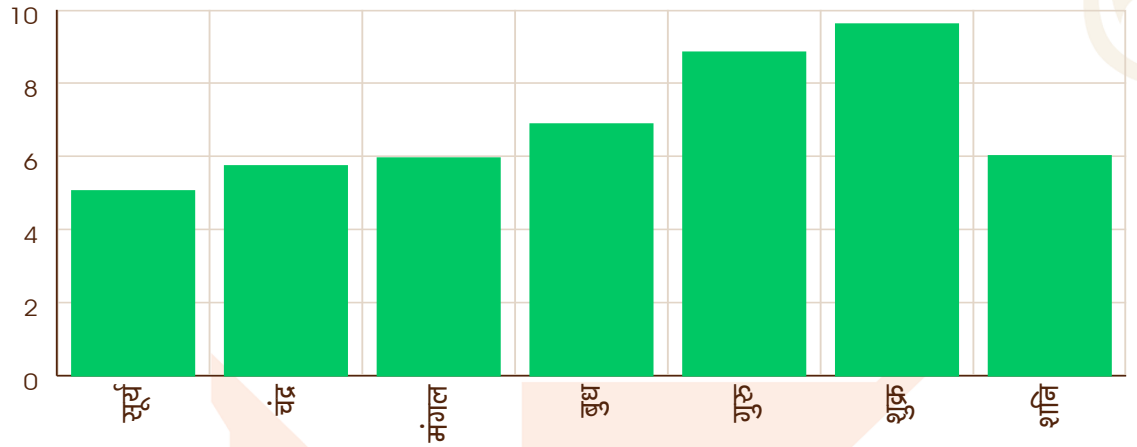

इष्ट - कष्ट फल

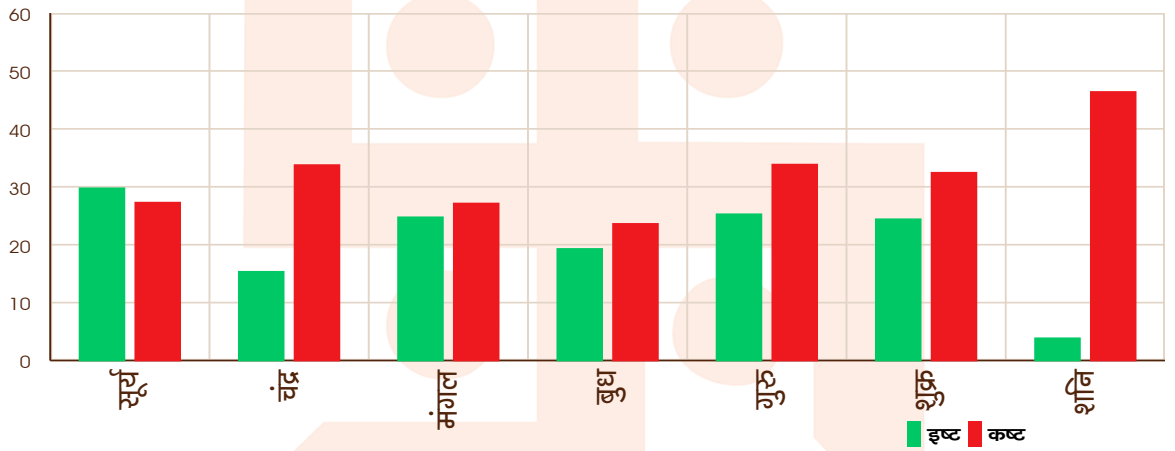

रूप भाव बल

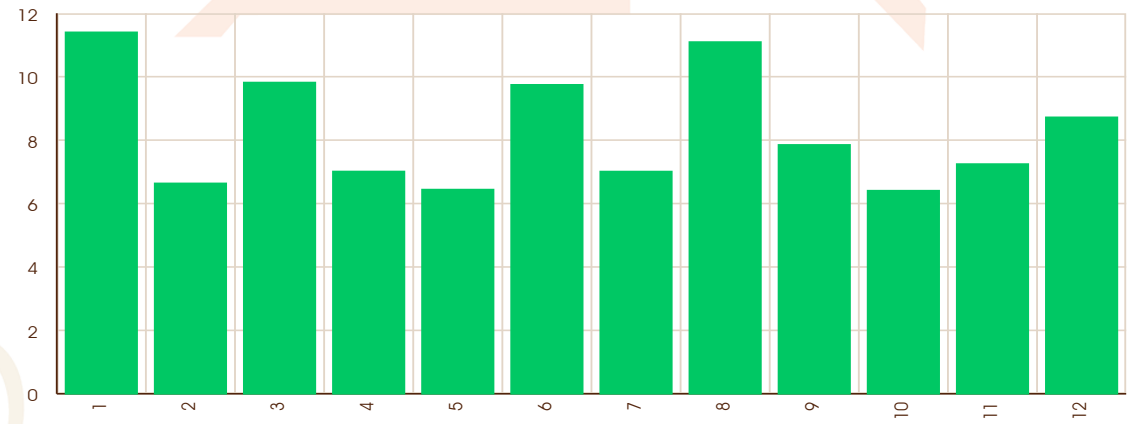

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	तुला	26:54:43	--	--	विशाखा	3	16
गुलिक	गु	वृश्चि	28:51:21	--	--	ज्येष्ठा	4	18
काल	का	धनु	20:32:20	--	--	पूर्वाषाढ़ा	3	20
मृत्यु	मृ	कन्या	04:41:26	--	--	उ०फाल्गुनी	3	12
यमघंटक	यम	तुला	17:33:05	--	--	स्वाति	4	15
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	कन्या	26:21:08	--	--	चित्रा	1	14
धूम	धू	मिथु	24:56:03	--	--	पुनर्वसु	2	7
व्यतिपात	व्य	मक	05:03:57	--	--	उत्तराषाढ़ा	3	21
परिवेश	परि	कर्क	05:03:57	--	--	पुष्य	1	8
इन्द्रचाप	इ	धनु	24:56:03	उच्च	--	पूर्वाषाढ़ा	4	20
उपकेतु	उप	मक	11:36:03	--	--	श्रवण	1	22

प्राणपद	:	धनु	17:11:28	कारकाँश लग्न	:	मेष	22:05:05
भाव लग्न	:	तुला	26:52:49	होरा लग्न	:	कर्क	12:09:36
घटी लग्न	:	सिंह	27:59:54	वर्णद लग्न	:	कुंभ	09:04:19

उपग्रह कुंडली

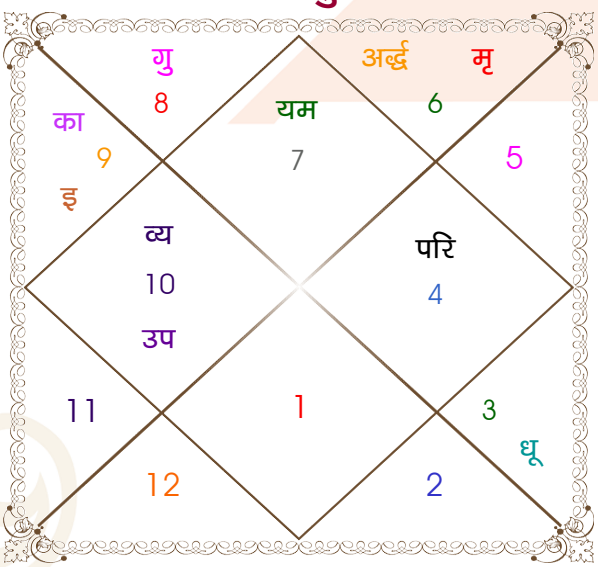

आरूढ़ कुंडली

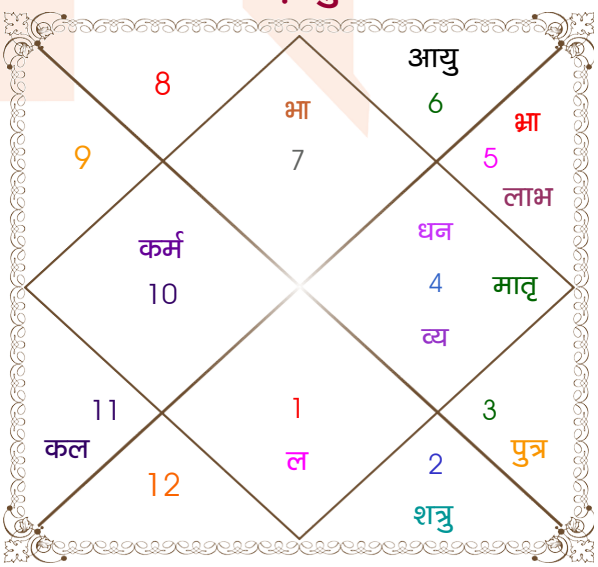

षन्नाडी चक्र

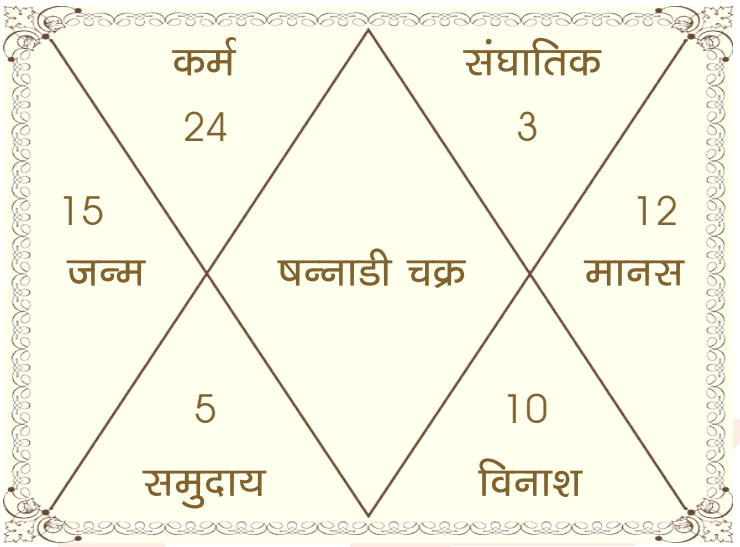

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल
केतु कुंडली	चंद्र	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु
गुरु कुंडली	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	0	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	4
लग्न	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	6
कुल	3	4	3	2	3	5	4	4	4	4	8	4	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	कुल
शनि	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	1	1	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
मंगल	0	0	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	6
सूर्य	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	1	1	6
शुक्र	1	1	0	0	0	1	1	1	0	1	0	1	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	4	5	2	3	3	6	4	3	6	6	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	कुल
शनि	0	1	0	0	1	0	0	1	1	1	1	1	7
गुरु	1	0	0	0	0	0	1	0	0	0	1	1	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5
शुक्र	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	4
बुध	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
चंद्र	1	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	5
कुल	4	4	0	4	4	3	2	3	3	7	3	2	39

बुध का अष्टकवर्ग

	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुल
शनि	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	8
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	1	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	6
लग्न	0	1	0	1	0	1	1	0	1	1	0	1	7
कुल	4	5	4	4	3	5	3	3	5	7	4	7	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	7
सूर्य	1	1	0	0	1	1	1	1	1	0	1	1	9
शुक्र	0	1	1	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
बुध	0	1	1	1	0	0	1	1	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	9
कुल	5	4	7	3	4	4	6	6	3	3	6	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	कुल
शनि	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	1	7
गुरु	1	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	5
मंगल	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	6
सूर्य	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	5
चंद्र	1	1	0	0	1	1	0	1	1	1	1	1	9
लग्न	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	1	1	8
कुल	7	6	1	2	4	5	2	6	3	4	6	6	52

शनि का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	4
मंगल	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	1	0	6
सूर्य	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	1	1	7
शुक्र	0	0	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	3
बुध	0	0	0	1	0	1	1	1	1	1	0	0	6
चंद्र	0	0	0	0	1	0	0	0	1	0	0	1	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
कुल	0	2	2	3	6	4	2	3	6	3	4	4	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	तु	वृश्चि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कर्क	सिं	कं	कुल
शनि	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
गुरु	1	0	1	1	1	0	1	1	0	1	1	1	9
मंगल	0	0	1	1	0	1	0	1	0	0	1	0	5
सूर्य	0	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	0	6
शुक्र	0	0	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	7
बुध	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	0	1	7
चंद्र	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	1	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	1	2	6	5	4	5	4	5	1	6	5	5	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	2	2	3	6	4	2	3	6	3	4	4	39
गुरु	5	4	7	3	4	4	6	6	3	3	6	5	56
मंगल	4	0	4	4	3	2	3	3	7	3	2	4	39
सूर्य	3	2	3	5	4	4	4	4	8	4	3	4	48
शुक्र	2	4	5	2	6	3	4	6	6	7	6	1	52
बुध	4	4	3	5	3	3	5	7	4	7	4	5	54
चंद्र	6	4	3	6	6	4	3	4	5	2	3	3	49
बिन्दु	24	20	27	28	32	24	27	33	39	29	28	26	337
रेखा	32	36	29	28	24	32	29	23	17	27	28	30	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	0	0	6	2	0	0	6	1	2	1	18
गुरु	2	1	1	0	1	1	0	3	0	0	0	2	11
मंगल	1	0	2	1	0	2	1	0	4	3	0	1	15
सूर्य	0	0	0	1	1	2	1	0	5	2	0	0	12
शुक्र	0	1	1	1	4	0	0	5	4	4	2	0	22
बुध	1	1	0	0	0	0	2	2	1	4	1	0	12
चंद्र	1	2	0	3	1	2	0	1	0	0	0	0	10
रेखा	5	5	4	6	13	9	4	11	20	14	5	4	100

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	0	0	0	0	6	2	0	0	5	1	2	1	17
गुरु	2	1	0	0	1	0	0	1	0	0	0	2	7
मंगल	1	0	0	1	0	0	1	0	3	3	0	1	10
सूर्य	0	0	0	1	1	2	1	0	5	2	0	0	12
शुक्र	0	1	1	1	4	0	0	5	4	4	2	0	22
बुध	1	0	0	0	0	0	2	1	1	4	1	0	10
चंद्र	1	2	0	3	1	2	0	0	0	0	0	0	9
रेखा	5	4	1	6	13	6	4	7	18	14	5	4	87

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	86	59	72	69	66	180	154
ग्रह पिंड	19	15	49	63	46	48	35
शोध्य पिंड	105	74	121	132	112	228	189

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

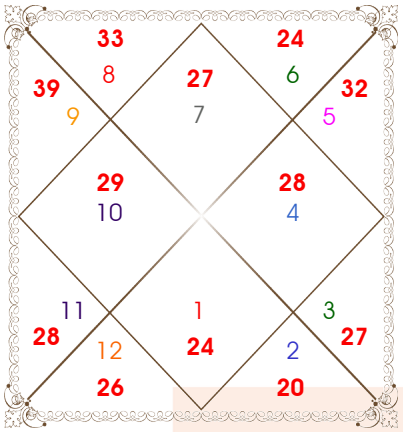

सूर्य का अष्टकवर्ग

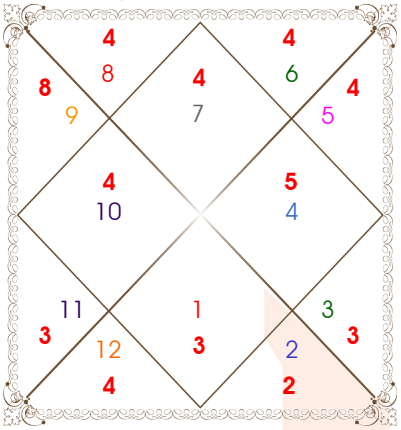

चंद्र का अष्टकवर्ग

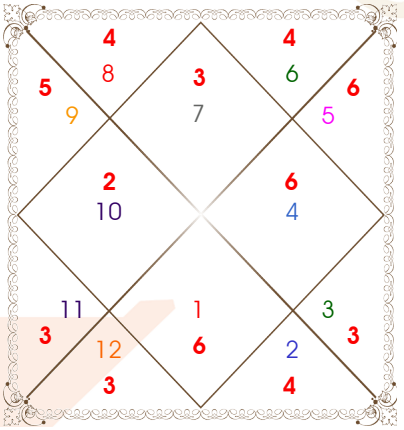

मंगल का अष्टकवर्ग

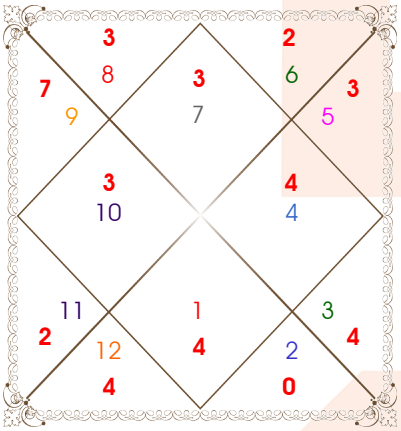

बुध का अष्टकवर्ग

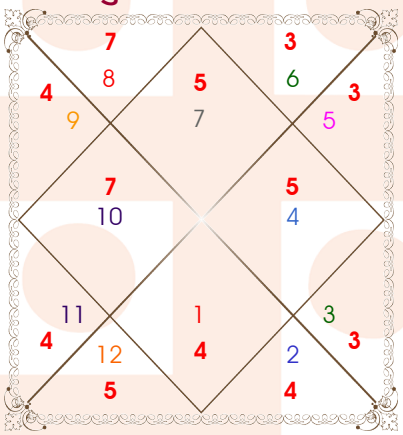

गुरु का अष्टकवर्ग

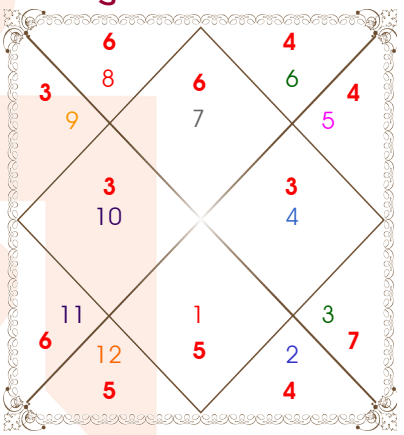

शुक्र का अष्टकवर्ग

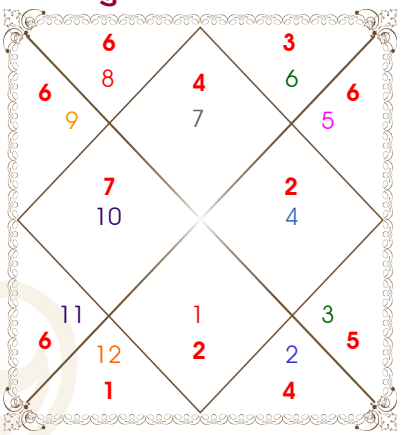

शनि का अष्टकवर्ग

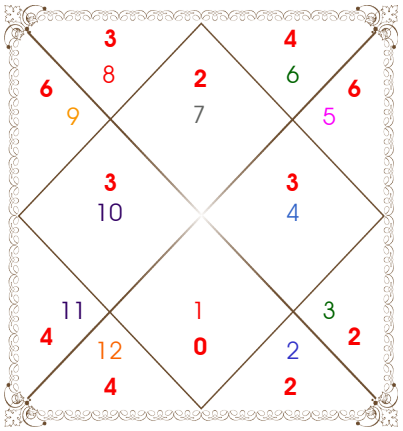

लग्न का अष्टकवर्ग

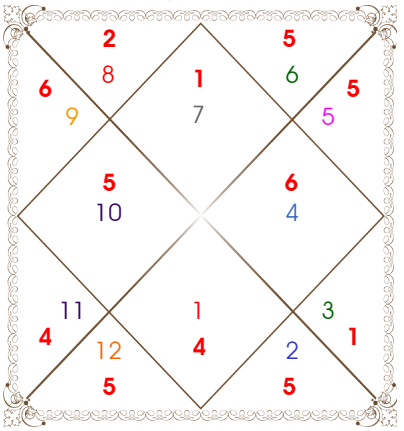

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

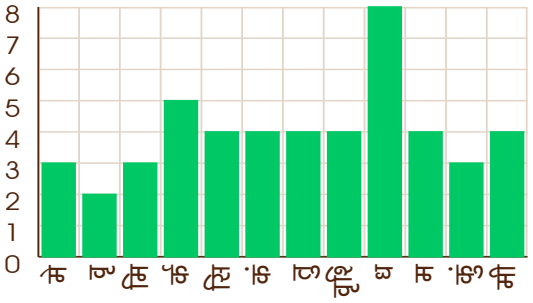

चन्द्र

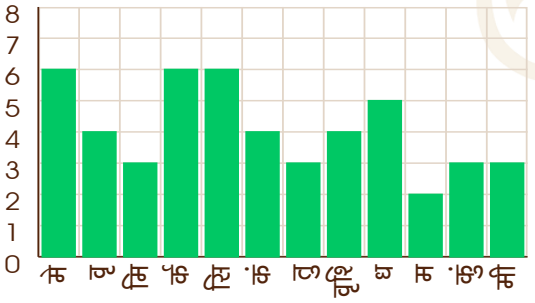

मंगल

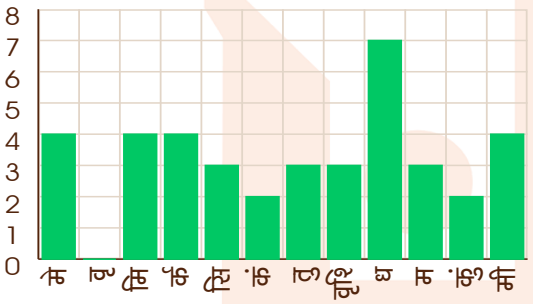

बुध

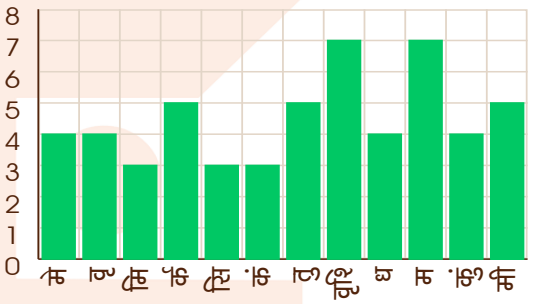

गुरु

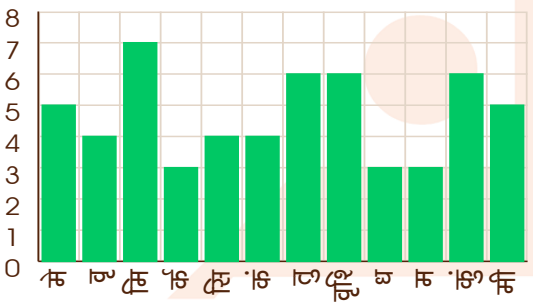

शुक्र

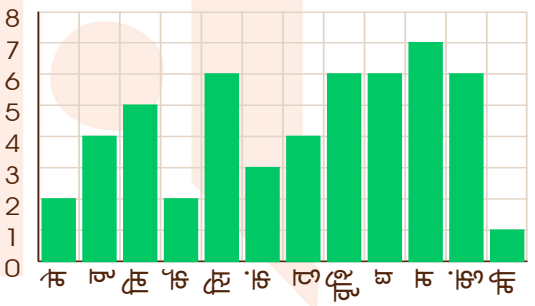

शनि

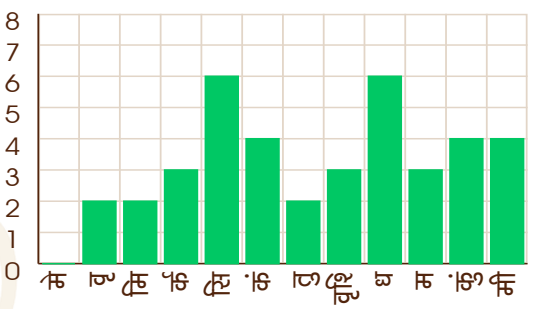

लग्न

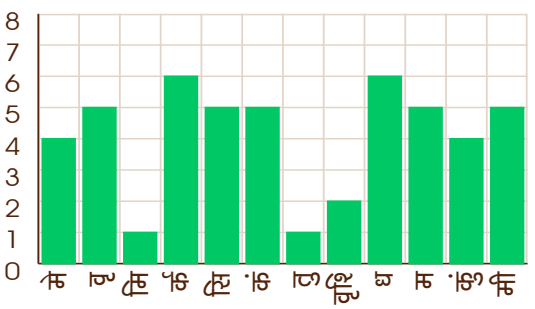

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

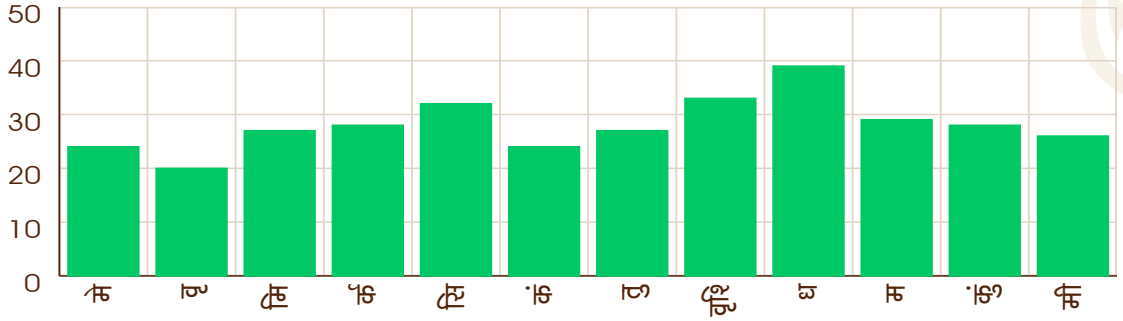

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

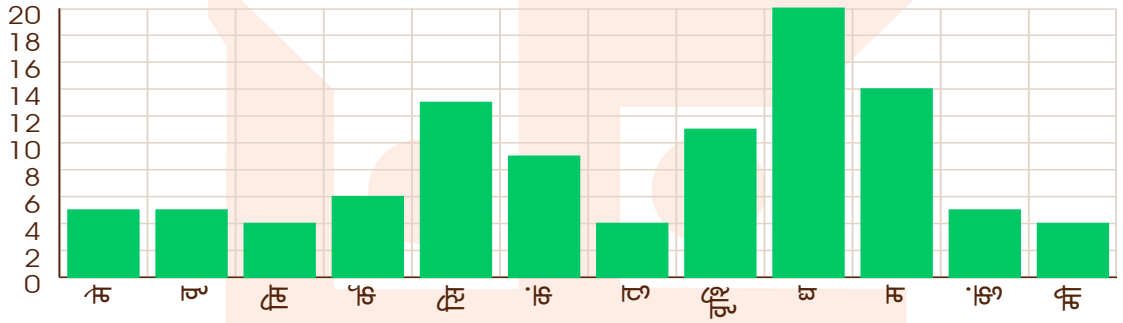

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

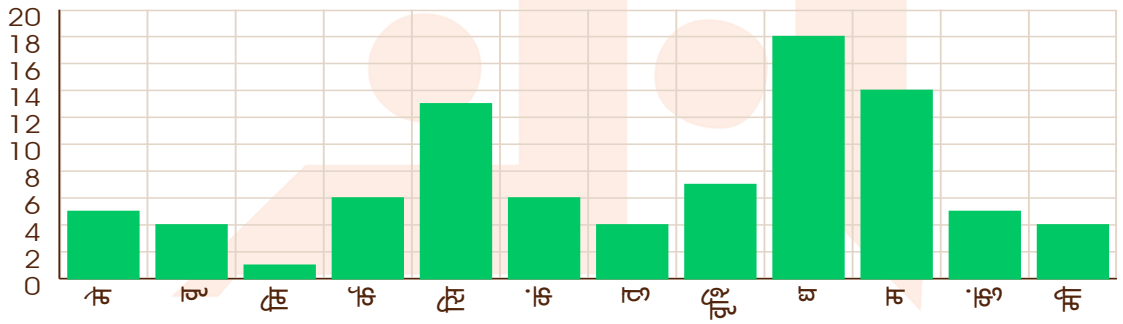

शोध्य पिंड

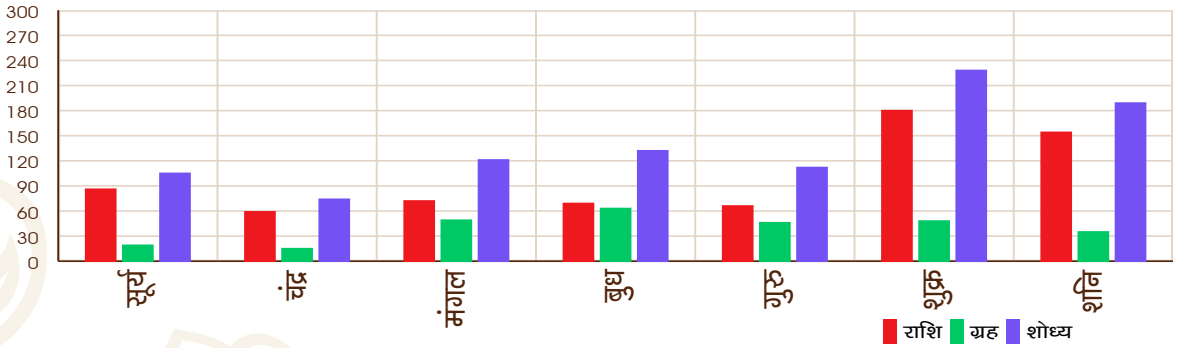

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 6 वर्ष 10 मास 22 दिन

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/02/2000		17/01/2007		17/01/2023		16/01/2042		17/01/2059	
17/01/2007		17/01/2023		16/01/2042		17/01/2059		16/01/2066	
	00/00/0000	गुरु	06/03/2009	शनि	19/01/2026	बुध	14/06/2044	केतु	15/06/2059
	00/00/0000	शनि	17/09/2011	बुध	28/09/2028	केतु	11/06/2045	शुक्र	14/08/2060
	00/00/0000	बुध	23/12/2013	केतु	07/11/2029	शुक्र	11/04/2048	सूर्य	20/12/2060
	25/02/2000	केतु	29/11/2014	शुक्र	07/01/2033	सूर्य	15/02/2049	चंद्र	21/07/2061
केतु	05/08/2000	शुक्र	30/07/2017	सूर्य	20/12/2033	चंद्र	18/07/2050	मंगल	17/12/2061
शुक्र	05/08/2003	सूर्य	18/05/2018	चंद्र	21/07/2035	मंगल	15/07/2051	राहु	04/01/2063
सूर्य	29/06/2004	चंद्र	17/09/2019	मंगल	29/08/2036	राहु	31/01/2054	गुरु	11/12/2063
चंद्र	29/12/2005	मंगल	23/08/2020	राहु	06/07/2039	गुरु	08/05/2056	शनि	19/01/2065
मंगल	17/01/2007	राहु	17/01/2023	गुरु	16/01/2042	शनि	17/01/2059	बुध	16/01/2066

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
16/01/2066		16/01/2086		17/01/2092		17/01/2102		17/01/2109	
16/01/2086		17/01/2092		17/01/2102		17/01/2109		00/00/0000	
शुक्र	18/05/2069	सूर्य	06/05/2086	चंद्र	16/11/2092	मंगल	15/06/2102	राहु	30/09/2111
सूर्य	18/05/2070	चंद्र	04/11/2086	मंगल	17/06/2093	राहु	04/07/2103	गुरु	23/02/2114
चंद्र	17/01/2072	मंगल	12/03/2087	राहु	17/12/2094	गुरु	09/06/2104	शनि	30/12/2116
मंगल	18/03/2073	राहु	04/02/2088	गुरु	17/04/2096	शनि	19/07/2105	बुध	19/07/2119
राहु	18/03/2076	गुरु	22/11/2088	शनि	16/11/2097	बुध	16/07/2106	केतु	26/02/2120
गुरु	17/11/2078	शनि	04/11/2089	बुध	18/04/2099	केतु	12/12/2106		00/00/0000
शनि	16/01/2082	बुध	11/09/2090	केतु	17/11/2099	शुक्र	11/02/2108		00/00/0000
बुध	16/11/2084	केतु	17/01/2091	शुक्र	19/07/2101	सूर्य	18/06/2108		00/00/0000
केतु	16/01/2086	शुक्र	17/01/2092	सूर्य	17/01/2102	चंद्र	17/01/2109		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 6 वर्ष 11 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
25/02/2000		05/08/2000		05/08/2003		29/06/2004		29/12/2005	
05/08/2000		05/08/2003		29/06/2004		29/12/2005		17/01/2007	
	00/00/0000	शुक्र	03/02/2001	सूर्य	22/08/2003	चंद्र	14/08/2004	मंगल	20/01/2006
	00/00/0000	सूर्य	30/03/2001	चंद्र	18/09/2003	मंगल	15/09/2004	राहु	19/03/2006
	00/00/0000	चंद्र	29/06/2001	मंगल	07/10/2003	राहु	06/12/2004	गुरु	09/05/2006
	00/00/0000	मंगल	01/09/2001	राहु	26/11/2003	गुरु	17/02/2005	शनि	09/07/2006
	00/00/0000	राहु	13/02/2002	गुरु	09/01/2004	शनि	15/05/2005	बुध	01/09/2006
	25/02/2000	गुरु	09/07/2002	शनि	01/03/2004	बुध	31/07/2005	केतु	23/09/2006
गुरु	12/04/2000	शनि	29/12/2002	बुध	16/04/2004	केतु	01/09/2005	शुक्र	26/11/2006
शनि	11/06/2000	बुध	02/06/2003	केतु	05/05/2004	शुक्र	02/12/2005	सूर्य	16/12/2006
बुध	05/08/2000	केतु	05/08/2003	शुक्र	29/06/2004	सूर्य	29/12/2005	चंद्र	17/01/2007

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
17/01/2007		06/03/2009		17/09/2011		23/12/2013		29/11/2014	
06/03/2009		17/09/2011		23/12/2013		29/11/2014		30/07/2017	
गुरु	30/04/2007	शनि	30/07/2009	बुध	12/01/2012	केतु	12/01/2014	शुक्र	10/05/2015
शनि	01/09/2007	बुध	08/12/2009	केतु	01/03/2012	शुक्र	10/03/2014	सूर्य	28/06/2015
बुध	20/12/2007	केतु	31/01/2010	शुक्र	17/07/2012	सूर्य	27/03/2014	चंद्र	17/09/2015
केतु	04/02/2008	शुक्र	05/07/2010	सूर्य	27/08/2012	चंद्र	24/04/2014	मंगल	13/11/2015
शुक्र	12/06/2008	सूर्य	20/08/2010	चंद्र	04/11/2012	मंगल	14/05/2014	राहु	07/04/2016
सूर्य	21/07/2008	चंद्र	05/11/2010	मंगल	22/12/2012	राहु	04/07/2014	गुरु	15/08/2016
चंद्र	24/09/2008	मंगल	29/12/2010	राहु	25/04/2013	गुरु	19/08/2014	शनि	16/01/2017
मंगल	09/11/2008	राहु	17/05/2011	गुरु	14/08/2013	शनि	12/10/2014	बुध	03/06/2017
राहु	06/03/2009	गुरु	17/09/2011	शनि	23/12/2013	बुध	29/11/2014	केतु	30/07/2017

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
30/07/2017		18/05/2018		17/09/2019		23/08/2020		17/01/2023	
18/05/2018		17/09/2019		23/08/2020		17/01/2023		19/01/2026	
सूर्य	13/08/2017	चंद्र	28/06/2018	मंगल	07/10/2019	राहु	01/01/2021	शनि	09/07/2023
चंद्र	07/09/2017	मंगल	26/07/2018	राहु	27/11/2019	गुरु	28/04/2021	बुध	12/12/2023
मंगल	24/09/2017	राहु	07/10/2018	गुरु	11/01/2020	शनि	14/09/2021	केतु	14/02/2024
राहु	07/11/2017	गुरु	11/12/2018	शनि	05/03/2020	बुध	16/01/2022	शुक्र	15/08/2024
गुरु	16/12/2017	शनि	26/02/2019	बुध	23/04/2020	केतु	08/03/2022	सूर्य	09/10/2024
शनि	31/01/2018	बुध	06/05/2019	केतु	13/05/2020	शुक्र	02/08/2022	चंद्र	09/01/2025
बुध	13/03/2018	केतु	04/06/2019	शुक्र	08/07/2020	सूर्य	14/09/2022	मंगल	14/03/2025
केतु	30/03/2018	शुक्र	24/08/2019	सूर्य	26/07/2020	चंद्र	26/11/2022	राहु	26/08/2025
शुक्र	18/05/2018	सूर्य	17/09/2019	चंद्र	23/08/2020	मंगल	17/01/2023	गुरु	19/01/2026

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
19/01/2026		28/09/2028		07/11/2029		07/01/2033		20/12/2033	
28/09/2028		07/11/2029		07/01/2033		20/12/2033		21/07/2035	
बुध	08/06/2026	केतु	22/10/2028	शुक्र	19/05/2030	सूर्य	24/01/2033	चंद्र	06/02/2034
केतु	04/08/2026	शुक्र	29/12/2028	सूर्य	16/07/2030	चंद्र	22/02/2033	मंगल	12/03/2034
शुक्र	15/01/2027	सूर्य	18/01/2029	चंद्र	20/10/2030	मंगल	14/03/2033	राहु	07/06/2034
सूर्य	05/03/2027	चंद्र	21/02/2029	मंगल	27/12/2030	राहु	05/05/2033	गुरु	23/08/2034
चंद्र	26/05/2027	मंगल	16/03/2029	राहु	18/06/2031	गुरु	21/06/2033	शनि	22/11/2034
मंगल	22/07/2027	राहु	16/05/2029	गुरु	19/11/2031	शनि	15/08/2033	बुध	12/02/2035
राहु	17/12/2027	गुरु	09/07/2029	शनि	21/05/2032	बुध	03/10/2033	केतु	18/03/2035
गुरु	26/04/2028	शनि	11/09/2029	बुध	31/10/2032	केतु	23/10/2033	शुक्र	22/06/2035
शनि	28/09/2028	बुध	07/11/2029	केतु	07/01/2033	शुक्र	20/12/2033	सूर्य	21/07/2035

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
21/07/2035		29/08/2036		06/07/2039		16/01/2042		14/06/2044	
29/08/2036		06/07/2039		16/01/2042		14/06/2044		11/06/2045	
मंगल	14/08/2035	राहु	01/02/2037	गुरु	06/11/2039	बुध	21/05/2042	केतु	05/07/2044
राहु	14/10/2035	गुरु	20/06/2037	शनि	01/04/2040	केतु	11/07/2042	शुक्र	03/09/2044
गुरु	07/12/2035	शनि	02/12/2037	बुध	10/08/2040	शुक्र	05/12/2042	सूर्य	22/09/2044
शनि	09/02/2036	बुध	28/04/2038	केतु	03/10/2040	सूर्य	18/01/2043	चंद्र	22/10/2044
बुध	06/04/2036	केतु	28/06/2038	शुक्र	06/03/2041	चंद्र	01/04/2043	मंगल	12/11/2044
केतु	30/04/2036	शुक्र	18/12/2038	सूर्य	21/04/2041	मंगल	22/05/2043	राहु	05/01/2045
शुक्र	06/07/2036	सूर्य	09/02/2039	चंद्र	08/07/2041	राहु	01/10/2043	गुरु	22/02/2045
सूर्य	26/07/2036	चंद्र	06/05/2039	मंगल	30/08/2041	गुरु	27/01/2044	शनि	21/04/2045
चंद्र	29/08/2036	मंगल	06/07/2039	राहु	16/01/2042	शनि	14/06/2044	बुध	11/06/2045

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
11/06/2045		11/04/2048		15/02/2049		18/07/2050		15/07/2051	
11/04/2048		15/02/2049		18/07/2050		15/07/2051		31/01/2054	
शुक्र	01/12/2045	सूर्य	27/04/2048	चंद्र	31/03/2049	मंगल	08/08/2050	राहु	02/12/2051
सूर्य	21/01/2046	चंद्र	22/05/2048	मंगल	30/04/2049	राहु	01/10/2050	गुरु	04/04/2052
चंद्र	18/04/2046	मंगल	10/06/2048	राहु	16/07/2049	गुरु	19/11/2050	शनि	29/08/2052
मंगल	17/06/2046	राहु	26/07/2048	गुरु	23/09/2049	शनि	15/01/2051	बुध	08/01/2053
राहु	19/11/2046	गुरु	05/09/2048	शनि	14/12/2049	बुध	07/03/2051	केतु	04/03/2053
गुरु	06/04/2047	शनि	25/10/2048	बुध	26/02/2050	केतु	28/03/2051	शुक्र	06/08/2053
शनि	17/09/2047	बुध	08/12/2048	केतु	28/03/2050	शुक्र	28/05/2051	सूर्य	22/09/2053
बुध	11/02/2048	केतु	26/12/2048	शुक्र	22/06/2050	सूर्य	15/06/2051	चंद्र	08/12/2053
केतु	11/04/2048	शुक्र	15/02/2049	सूर्य	18/07/2050	चंद्र	15/07/2051	मंगल	31/01/2054

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
31/01/2054		08/05/2056		17/01/2059		15/06/2059		14/08/2060	
08/05/2056		17/01/2059		15/06/2059		14/08/2060		20/12/2060	
गुरु	22/05/2054	शनि	11/10/2056	केतु	25/01/2059	शुक्र	25/08/2059	सूर्य	20/08/2060
शनि	30/09/2054	बुध	27/02/2057	शुक्र	19/02/2059	सूर्य	15/09/2059	चंद्र	31/08/2060
बुध	25/01/2055	केतु	26/04/2057	सूर्य	27/02/2059	चंद्र	21/10/2059	मंगल	07/09/2060
केतु	15/03/2055	शुक्र	07/10/2057	चंद्र	11/03/2059	मंगल	14/11/2059	राहु	26/09/2060
शुक्र	31/07/2055	सूर्य	25/11/2057	मंगल	20/03/2059	राहु	17/01/2060	गुरु	14/10/2060
सूर्य	10/09/2055	चंद्र	15/02/2058	राहु	11/04/2059	गुरु	14/03/2060	शनि	03/11/2060
चंद्र	18/11/2055	मंगल	13/04/2058	गुरु	01/05/2059	शनि	21/05/2060	बुध	21/11/2060
मंगल	05/01/2056	राहु	07/09/2058	शनि	25/05/2059	बुध	20/07/2060	केतु	28/11/2060
राहु	08/05/2056	गुरु	17/01/2059	बुध	15/06/2059	केतु	14/08/2060	शुक्र	20/12/2060

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
20/12/2060		21/07/2061		17/12/2061		04/01/2063		11/12/2063	
21/07/2061		17/12/2061		04/01/2063		11/12/2063		19/01/2065	
चंद्र	06/01/2061	मंगल	29/07/2061	राहु	12/02/2062	गुरु	19/02/2063	शनि	13/02/2064
मंगल	19/01/2061	राहु	21/08/2061	गुरु	04/04/2062	शनि	14/04/2063	बुध	11/04/2064
राहु	20/02/2061	गुरु	10/09/2061	शनि	04/06/2062	बुध	01/06/2063	केतु	04/05/2064
गुरु	20/03/2061	शनि	03/10/2061	बुध	29/07/2062	केतु	21/06/2063	शुक्र	11/07/2064
शनि	23/04/2061	बुध	24/10/2061	केतु	20/08/2062	शुक्र	17/08/2063	सूर्य	31/07/2064
बुध	23/05/2061	केतु	02/11/2061	शुक्र	23/10/2062	सूर्य	03/09/2063	चंद्र	03/09/2064
केतु	05/06/2061	शुक्र	27/11/2061	सूर्य	11/11/2062	चंद्र	01/10/2063	मंगल	26/09/2064
शुक्र	10/07/2061	सूर्य	04/12/2061	चंद्र	13/12/2062	मंगल	21/10/2063	राहु	26/11/2064
सूर्य	21/07/2061	चंद्र	17/12/2061	मंगल	04/01/2063	राहु	11/12/2063	गुरु	19/01/2065

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
19/01/2065		16/01/2066		18/05/2069		18/05/2070		17/01/2072	
16/01/2066		18/05/2069		18/05/2070		17/01/2072		18/03/2073	
बुध	11/03/2065	शुक्र	07/08/2066	सूर्य	05/06/2069	चंद्र	08/07/2070	मंगल	11/02/2072
केतु	02/04/2065	सूर्य	07/10/2066	चंद्र	05/07/2069	मंगल	12/08/2070	राहु	15/04/2072
शुक्र	01/06/2065	चंद्र	17/01/2067	मंगल	27/07/2069	राहु	12/11/2070	गुरु	10/06/2072
सूर्य	19/06/2065	मंगल	29/03/2067	राहु	20/09/2069	गुरु	01/02/2071	शनि	17/08/2072
चंद्र	19/07/2065	राहु	27/09/2067	गुरु	07/11/2069	शनि	08/05/2071	बुध	16/10/2072
मंगल	09/08/2065	गुरु	08/03/2068	शनि	04/01/2070	बुध	02/08/2071	केतु	10/11/2072
राहु	03/10/2065	शनि	16/09/2068	बुध	25/02/2070	केतु	07/09/2071	शुक्र	20/01/2073
गुरु	20/11/2065	बुध	08/03/2069	केतु	18/03/2070	शुक्र	17/12/2071	सूर्य	10/02/2073
शनि	16/01/2066	केतु	18/05/2069	शुक्र	18/05/2070	सूर्य	17/01/2072	चंद्र	18/03/2073

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
18/03/2073		18/03/2076		17/11/2078		16/01/2082		16/11/2084	
18/03/2076		17/11/2078		16/01/2082		16/11/2084		16/01/2086	
राहु	29/08/2073	गुरु	26/07/2076	शनि	19/05/2079	बुध	12/06/2082	केतु	11/12/2084
गुरु	22/01/2074	शनि	27/12/2076	बुध	30/10/2079	केतु	11/08/2082	शुक्र	20/02/2085
शनि	15/07/2074	बुध	14/05/2077	केतु	05/01/2080	शुक्र	31/01/2083	सूर्य	13/03/2085
बुध	17/12/2074	केतु	10/07/2077	शुक्र	16/07/2080	सूर्य	23/03/2083	चंद्र	18/04/2085
केतु	19/02/2075	शुक्र	19/12/2077	सूर्य	12/09/2080	चंद्र	18/06/2083	मंगल	13/05/2085
शुक्र	21/08/2075	सूर्य	06/02/2078	चंद्र	17/12/2080	मंगल	17/08/2083	राहु	16/07/2085
सूर्य	14/10/2075	चंद्र	28/04/2078	मंगल	23/02/2081	राहु	19/01/2084	गुरु	10/09/2085
चंद्र	14/01/2076	मंगल	24/06/2078	राहु	15/08/2081	गुरु	05/06/2084	शनि	17/11/2085
मंगल	18/03/2076	राहु	17/11/2078	गुरु	16/01/2082	शनि	16/11/2084	बुध	16/01/2086

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
16/01/2086		06/05/2086		04/11/2086		12/03/2087		04/02/2088	
06/05/2086		04/11/2086		12/03/2087		04/02/2088		22/11/2088	
सूर्य	22/01/2086	चंद्र	21/05/2086	मंगल	12/11/2086	राहु	01/05/2087	गुरु	14/03/2088
चंद्र	31/01/2086	मंगल	01/06/2086	राहु	01/12/2086	गुरु	13/06/2087	शनि	29/04/2088
मंगल	06/02/2086	राहु	28/06/2086	गुरु	18/12/2086	शनि	04/08/2087	बुध	10/06/2088
राहु	23/02/2086	गुरु	22/07/2086	शनि	07/01/2087	बुध	20/09/2087	केतु	27/06/2088
गुरु	09/03/2086	शनि	20/08/2086	बुध	26/01/2087	केतु	09/10/2087	शुक्र	14/08/2088
शनि	27/03/2086	बुध	15/09/2086	केतु	02/02/2087	शुक्र	03/12/2087	सूर्य	29/08/2088
बुध	11/04/2086	केतु	26/09/2086	शुक्र	23/02/2087	सूर्य	19/12/2087	चंद्र	22/09/2088
केतु	18/04/2086	शुक्र	26/10/2086	सूर्य	02/03/2087	चंद्र	16/01/2088	मंगल	09/10/2088
शुक्र	06/05/2086	सूर्य	04/11/2086	चंद्र	12/03/2087	मंगल	04/02/2088	राहु	22/11/2088

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
22/11/2088		04/11/2089		11/09/2090		17/01/2091		17/01/2092	
04/11/2089		11/09/2090		17/01/2091		17/01/2092		16/11/2092	
शनि	16/01/2089	बुध	18/12/2089	केतु	18/09/2090	शुक्र	18/03/2091	चंद्र	11/02/2092
बुध	06/03/2089	केतु	05/01/2090	शुक्र	09/10/2090	सूर्य	06/04/2091	मंगल	29/02/2092
केतु	27/03/2089	शुक्र	26/02/2090	सूर्य	16/10/2090	चंद्र	06/05/2091	राहु	15/04/2092
शुक्र	23/05/2089	सूर्य	14/03/2090	चंद्र	26/10/2090	मंगल	27/05/2091	गुरु	25/05/2092
सूर्य	10/06/2089	चंद्र	08/04/2090	मंगल	03/11/2090	राहु	21/07/2091	शनि	12/07/2092
चंद्र	09/07/2089	मंगल	27/04/2090	राहु	22/11/2090	गुरु	08/09/2091	बुध	24/08/2092
मंगल	29/07/2089	राहु	12/06/2090	गुरु	09/12/2090	शनि	05/11/2091	केतु	11/09/2092
राहु	19/09/2089	गुरु	24/07/2090	शनि	29/12/2090	बुध	26/12/2091	शुक्र	01/11/2092
गुरु	04/11/2089	शनि	11/09/2090	बुध	17/01/2091	केतु	17/01/2092	सूर्य	16/11/2092

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
16/11/2092		17/06/2093		17/12/2094		17/04/2096		16/11/2097	
17/06/2093		17/12/2094		17/04/2096		16/11/2097		18/04/2099	
मंगल	29/11/2092	राहु	07/09/2093	गुरु	20/02/2095	शनि	18/07/2096	बुध	29/01/2098
राहु	31/12/2092	गुरु	19/11/2093	शनि	08/05/2095	बुध	08/10/2096	केतु	28/02/2098
गुरु	28/01/2093	शनि	14/02/2094	बुध	16/07/2095	केतु	10/11/2096	शुक्र	25/05/2098
शनि	03/03/2093	बुध	03/05/2094	केतु	14/08/2095	शुक्र	15/02/2097	सूर्य	20/06/2098
बुध	02/04/2093	केतु	04/06/2094	शुक्र	03/11/2095	सूर्य	16/03/2097	चंद्र	02/08/2098
केतु	14/04/2093	शुक्र	03/09/2094	सूर्य	27/11/2095	चंद्र	03/05/2097	मंगल	01/09/2098
शुक्र	20/05/2093	सूर्य	30/09/2094	चंद्र	07/01/2096	मंगल	06/06/2097	राहु	18/11/2098
सूर्य	30/05/2093	चंद्र	15/11/2094	मंगल	04/02/2096	राहु	31/08/2097	गुरु	26/01/2099
चंद्र	17/06/2093	मंगल	17/12/2094	राहु	17/04/2096	गुरु	16/11/2097	शनि	18/04/2099

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
18/04/2099		17/11/2099		19/07/2101		17/01/2102		15/06/2102	
17/11/2099		19/07/2101		17/01/2102		15/06/2102		04/07/2103	
केतु	30/04/2099	शुक्र	26/02/2100	सूर्य	28/07/2101	मंगल	26/01/2102	राहु	12/08/2102
शुक्र	05/06/2099	सूर्य	29/03/2100	चंद्र	12/08/2101	राहु	17/02/2102	गुरु	02/10/2102
सूर्य	15/06/2099	चंद्र	19/05/2100	मंगल	23/08/2101	गुरु	09/03/2102	शनि	02/12/2102
चंद्र	03/07/2099	मंगल	23/06/2100	राहु	19/09/2101	शनि	02/04/2102	बुध	25/01/2103
मंगल	16/07/2099	राहु	22/09/2100	गुरु	13/10/2101	बुध	23/04/2102	केतु	17/02/2103
राहु	17/08/2099	गुरु	13/12/2100	शनि	11/11/2101	केतु	02/05/2102	शुक्र	21/04/2103
गुरु	14/09/2099	शनि	19/03/2101	बुध	07/12/2101	शुक्र	27/05/2102	सूर्य	11/05/2103
शनि	18/10/2099	बुध	13/06/2101	केतु	18/12/2101	सूर्य	03/06/2102	चंद्र	12/06/2103
बुध	17/11/2099	केतु	19/07/2101	शुक्र	17/01/2102	चंद्र	15/06/2102	मंगल	04/07/2103

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
04/07/2103		09/06/2104		19/07/2105		16/07/2106		12/12/2106	
09/06/2104		19/07/2105		16/07/2106		12/12/2106		11/02/2108	
गुरु	18/08/2103	शनि	12/08/2104	बुध	08/09/2105	केतु	25/07/2106	शुक्र	21/02/2107
शनि	11/10/2103	बुध	08/10/2104	केतु	29/09/2105	शुक्र	18/08/2106	सूर्य	14/03/2107
बुध	29/11/2103	केतु	01/11/2104	शुक्र	28/11/2105	सूर्य	26/08/2106	चंद्र	19/04/2107
केतु	19/12/2103	शुक्र	07/01/2105	सूर्य	17/12/2105	चंद्र	07/09/2106	मंगल	14/05/2107
शुक्र	13/02/2104	सूर्य	28/01/2105	चंद्र	16/01/2106	मंगल	16/09/2106	राहु	17/07/2107
सूर्य	01/03/2104	चंद्र	02/03/2105	मंगल	06/02/2106	राहु	08/10/2106	गुरु	11/09/2107
चंद्र	30/03/2104	मंगल	26/03/2105	राहु	01/04/2106	गुरु	28/10/2106	शनि	18/11/2107
मंगल	19/04/2104	राहु	26/05/2105	गुरु	20/05/2106	शनि	21/11/2106	बुध	17/01/2108
राहु	09/06/2104	गुरु	19/07/2105	शनि	16/07/2106	बुध	12/12/2106	केतु	11/02/2108

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शनि - गुरु	
26/08/2025 07:29	
19/01/2026 19:37	
गुरु	14/09/2025 20:18
शनि	08/10/2025 01:02
बुध	28/10/2025 19:09
केतु	06/11/2025 08:15
शुक्र	30/11/2025 18:17
सूर्य	08/12/2025 02:05
चंद्र	20/12/2025 07:06
मंगल	28/12/2025 20:12
राहु	19/01/2026 19:37

शनि - बुध - बुध	
19/01/2026 19:37	
08/06/2026 02:16	
बुध	08/02/2026 13:10
केतु	16/02/2026 16:09
शुक्र	11/03/2026 21:16
सूर्य	18/03/2026 20:24
चंद्र	30/03/2026 10:57
मंगल	07/04/2026 13:56
राहु	28/04/2026 11:20
गुरु	17/05/2026 01:01
शनि	08/06/2026 02:16

शनि - बुध - केतु	
08/06/2026 02:16	
04/08/2026 10:39	
केतु	11/06/2026 10:34
शुक्र	20/06/2026 23:57
सूर्य	23/06/2026 20:47
चंद्र	28/06/2026 15:29
मंगल	01/07/2026 23:46
राहु	10/07/2026 14:13
गुरु	18/07/2026 05:44
शनि	27/07/2026 07:40
बुध	04/08/2026 10:39

शनि - बुध - शुक्र	
04/08/2026 10:39	
15/01/2027 07:11	
शुक्र	31/08/2026 18:05
सूर्य	08/09/2026 22:42
चंद्र	22/09/2026 14:25
मंगल	02/10/2026 03:49
राहु	26/10/2026 17:41
गुरु	17/11/2026 14:02
शनि	13/12/2026 12:40
बुध	05/01/2027 17:47
केतु	15/01/2027 07:11

शनि - बुध - सूर्य	
15/01/2027 07:11	
05/03/2027 10:56	
सूर्य	17/01/2027 18:10
चंद्र	21/01/2027 20:29
मंगल	24/01/2027 17:18
राहु	01/02/2027 02:16
गुरु	07/02/2027 15:34
शनि	15/02/2027 10:22
बुध	22/02/2027 09:30
केतु	25/02/2027 06:19
शुक्र	05/03/2027 10:56

शनि - बुध - चंद्र	
05/03/2027 10:56	
26/05/2027 09:12	
चंद्र	12/03/2027 06:48
मंगल	17/03/2027 01:29
राहु	29/03/2027 08:26
गुरु	09/04/2027 06:36
शनि	22/04/2027 05:55
बुध	03/05/2027 20:29
केतु	08/05/2027 15:11
शुक्र	22/05/2027 06:53
सूर्य	26/05/2027 09:12

शनि - बुध - मंगल	
26/05/2027 09:12	
22/07/2027 17:35	
मंगल	29/05/2027 17:29
राहु	07/06/2027 07:57
गुरु	14/06/2027 23:28
शनि	24/06/2027 01:24
बुध	02/07/2027 04:23
केतु	05/07/2027 12:40
शुक्र	15/07/2027 02:04
सूर्य	17/07/2027 22:53
चंद्र	22/07/2027 17:35

शनि - बुध - राहु	
22/07/2027 17:35	
17/12/2027 04:51	
राहु	13/08/2027 20:28
गुरु	02/09/2027 12:23
शनि	25/09/2027 20:46
बुध	16/10/2027 18:10
केतु	25/10/2027 08:37
शुक्र	18/11/2027 22:30
सूर्य	26/11/2027 07:28
चंद्र	08/12/2027 14:24
मंगल	17/12/2027 04:51

शनि - बुध - गुरु	
17/12/2027 04:51	
26/04/2028 06:53	
गुरु	03/01/2028 16:20
शनि	24/01/2028 10:27
बुध	12/02/2028 00:08
केतु	19/02/2028 15:39
शुक्र	12/03/2028 11:59
सूर्य	19/03/2028 01:17
चंद्र	29/03/2028 23:27
मंगल	06/04/2028 14:58
राहु	26/04/2028 06:53

शनि - बुध - शनि	
26/04/2028 06:53	
28/09/2028 22:46	
शनि	20/05/2028 22:24
बुध	11/06/2028 23:39
केतु	21/06/2028 01:34
शुक्र	17/07/2028 00:13
सूर्य	24/07/2028 19:01
चंद्र	06/08/2028 18:21
मंगल	15/08/2028 20:16
राहु	08/09/2028 04:39
गुरु	28/09/2028 22:46

शनि - केतु - केतु	
28/09/2028 22:46	
22/10/2028 13:31	
केतु	30/09/2028 07:50
शुक्र	04/10/2028 06:18
सूर्य	05/10/2028 10:38
चंद्र	07/10/2028 09:52
मंगल	08/10/2028 18:55
राहु	12/10/2028 07:56
गुरु	15/10/2028 11:30
शनि	19/10/2028 05:14
बुध	22/10/2028 13:31

शनि - केतु - शुक्र	
22/10/2028 13:31	
29/12/2028 00:48	
शुक्र	02/11/2028 19:24
सूर्य	06/11/2028 04:22
चंद्र	11/11/2028 19:18
मंगल	15/11/2028 17:46
राहु	25/11/2028 20:39
गुरु	04/12/2028 20:33
शनि	15/12/2028 12:56
बुध	25/12/2028 02:20
केतु	29/12/2028 00:48

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - केतु - सूर्य	
29/12/2028 00:48	
18/01/2029 06:35	
सूर्य	30/12/2028 01:05
चंद्र	31/12/2028 17:34
मंगल	01/01/2029 21:54
राहु	04/01/2029 22:46
गुरु	07/01/2029 15:33
शनि	10/01/2029 20:28
बुध	13/01/2029 17:17
केतु	14/01/2029 21:37
शुक्र	18/01/2029 06:35

शनि - केतु - चंद्र	
18/01/2029 06:35	
21/02/2029 00:13	
चंद्र	21/01/2029 02:03
मंगल	23/01/2029 01:17
राहु	28/01/2029 02:43
गुरु	01/02/2029 14:40
शनि	06/02/2029 22:52
बुध	11/02/2029 17:34
केतु	13/02/2029 16:48
शुक्र	19/02/2029 07:44
सूर्य	21/02/2029 00:13

शनि - केतु - मंगल	
21/02/2029 00:13	
16/03/2029 14:58	
मंगल	22/02/2029 09:17
राहु	25/02/2029 22:17
गुरु	01/03/2029 01:51
शनि	04/03/2029 19:35
बुध	08/03/2029 03:53
केतु	09/03/2029 12:56
शुक्र	13/03/2029 11:24
सूर्य	14/03/2029 15:44
चंद्र	16/03/2029 14:58

शनि - केतु - राहु	
16/03/2029 14:58	
16/05/2029 08:19	
राहु	25/03/2029 17:34
गुरु	02/04/2029 19:53
शनि	12/04/2029 10:37
बुध	21/04/2029 01:05
केतु	24/04/2029 14:06
शुक्र	04/05/2029 16:59
सूर्य	07/05/2029 17:51
चंद्र	12/05/2029 19:18
मंगल	16/05/2029 08:19

शनि - केतु - गुरु	
16/05/2029 08:19	
09/07/2029 07:44	
गुरु	23/05/2029 13:02
शनि	01/06/2029 02:08
बुध	08/06/2029 17:40
केतु	11/06/2029 21:13
शुक्र	20/06/2029 21:08
सूर्य	23/06/2029 13:54
चंद्र	28/06/2029 01:51
मंगल	01/07/2029 05:25
राहु	09/07/2029 07:44

शनि - केतु - शनि	
09/07/2029 07:44	
11/09/2029 10:02	
शनि	19/07/2029 11:18
बुध	28/07/2029 13:13
केतु	01/08/2029 06:57
शुक्र	11/08/2029 23:21
सूर्य	15/08/2029 04:16
चंद्र	20/08/2029 12:27
मंगल	24/08/2029 06:11
राहु	02/09/2029 20:56
गुरु	11/09/2029 10:02

शनि - केतु - बुध	
11/09/2029 10:02	
07/11/2029 18:25	
बुध	19/09/2029 13:02
केतु	22/09/2029 21:19
शुक्र	02/10/2029 10:43
सूर्य	05/10/2029 07:32
चंद्र	10/10/2029 02:14
मंगल	13/10/2029 10:31
राहु	22/10/2029 00:59
गुरु	29/10/2029 16:30
शनि	07/11/2029 18:25

शनि - शुक्र - शुक्र	
07/11/2029 18:25	
19/05/2030 12:55	
शुक्र	09/12/2029 21:30
सूर्य	19/12/2029 12:50
चंद्र	04/01/2030 14:22
मंगल	15/01/2030 20:15
राहु	13/02/2030 18:14
गुरु	11/03/2030 11:06
शनि	10/04/2030 23:37
बुध	08/05/2030 07:03
केतु	19/05/2030 12:55

शनि - शुक्र - सूर्य	
19/05/2030 12:55	
16/07/2030 08:52	
सूर्य	22/05/2030 10:19
चंद्र	27/05/2030 05:59
मंगल	30/05/2030 14:57
राहु	08/06/2030 07:08
गुरु	16/06/2030 00:12
शनि	25/06/2030 03:58
बुध	03/07/2030 08:35
केतु	06/07/2030 17:33
शुक्र	16/07/2030 08:52

शनि - शुक्र - चंद्र	
16/07/2030 08:52	
20/10/2030 18:07	
चंद्र	24/07/2030 09:39
मंगल	30/07/2030 00:35
राहु	13/08/2030 11:34
गुरु	26/08/2030 08:00
शनि	10/09/2030 14:16
बुध	24/09/2030 05:59
केतु	29/09/2030 20:55
शुक्र	15/10/2030 22:28
सूर्य	20/10/2030 18:07

शनि - शुक्र - मंगल	
20/10/2030 18:07	
27/12/2030 05:24	
मंगल	24/10/2030 16:35
राहु	03/11/2030 19:28
गुरु	12/11/2030 19:23
शनि	23/11/2030 11:46
बुध	03/12/2030 01:10
केतु	06/12/2030 23:37
शुक्र	18/12/2030 05:30
सूर्य	21/12/2030 14:28
चंद्र	27/12/2030 05:24

शनि - शुक्र - राहु	
27/12/2030 05:24	
18/06/2031 17:15	
राहु	22/01/2031 05:59
गुरु	14/02/2031 09:09
शनि	13/03/2031 20:26
बुध	07/04/2031 10:19
केतु	17/04/2031 13:12
शुक्र	16/05/2031 11:11
सूर्य	25/05/2031 03:22
चंद्र	08/06/2031 14:22
मंगल	18/06/2031 17:15

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - शुक्र - गुरु	
18/06/2031 17:15	
19/11/2031 22:27	
गुरु	09/07/2031 06:45
शनि	02/08/2031 16:46
बुध	24/08/2031 13:06
केतु	02/09/2031 13:00
शुक्र	28/09/2031 05:52
सूर्य	05/10/2031 22:56
चंद्र	18/10/2031 19:22
मंगल	27/10/2031 19:16
राहु	19/11/2031 22:27

शनि - शुक्र - शनि	
19/11/2031 22:27	
21/05/2032 01:37	
शनि	18/12/2031 22:21
बुध	13/01/2032 21:00
केतु	24/01/2032 13:23
शुक्र	24/02/2032 01:55
सूर्य	04/03/2032 05:41
चंद्र	19/03/2032 11:56
मंगल	30/03/2032 04:20
राहु	26/04/2032 15:36
गुरु	21/05/2032 01:37

शनि - शुक्र - बुध	
21/05/2032 01:37	
31/10/2032 22:09	
बुध	13/06/2032 06:44
केतु	22/06/2032 20:08
शुक्र	20/07/2032 03:33
सूर्य	28/07/2032 08:11
चंद्र	10/08/2032 23:53
मंगल	20/08/2032 13:17
राहु	14/09/2032 03:10
गुरु	05/10/2032 23:30
शनि	31/10/2032 22:09

शनि - शुक्र - केतु	
31/10/2032 22:09	
07/01/2033 09:25	
केतु	04/11/2032 20:36
शुक्र	16/11/2032 02:29
सूर्य	19/11/2032 11:27
चंद्र	25/11/2032 02:23
मंगल	29/11/2032 00:51
राहु	09/12/2032 03:44
गुरु	18/12/2032 03:39
शनि	28/12/2032 20:02
बुध	07/01/2033 09:25

शनि - सूर्य - सूर्य	
07/01/2033 09:25	
24/01/2033 17:49	
सूर्य	08/01/2033 06:15
चंद्र	09/01/2033 16:57
मंगल	10/01/2033 17:14
राहु	13/01/2033 07:41
गुरु	15/01/2033 15:12
शनि	18/01/2033 09:08
बुध	20/01/2033 20:07
केतु	21/01/2033 20:25
शुक्र	24/01/2033 17:49

शनि - सूर्य - चंद्र	
24/01/2033 17:49	
22/02/2033 15:47	
चंद्र	27/01/2033 03:38
मंगल	28/01/2033 20:07
राहु	02/02/2033 04:13
गुरु	06/02/2033 00:45
शनि	10/02/2033 14:38
बुध	14/02/2033 16:57
केतु	16/02/2033 09:25
शुक्र	21/02/2033 05:05
सूर्य	22/02/2033 15:47

शनि - सूर्य - मंगल	
22/02/2033 15:47	
14/03/2033 21:34	
मंगल	23/02/2033 20:07
राहु	26/02/2033 20:59
गुरु	01/03/2033 13:46
शनि	04/03/2033 18:41
बुध	07/03/2033 15:30
केतु	08/03/2033 19:50
शुक्र	12/03/2033 04:48
सूर्य	13/03/2033 05:05
चंद्र	14/03/2033 21:34

शनि - सूर्य - राहु	
14/03/2033 21:34	
05/05/2033 22:43	
राहु	22/03/2033 16:56
गुरु	29/03/2033 15:30
शनि	06/04/2033 21:17
बुध	14/04/2033 06:14
केतु	17/04/2033 07:07
शुक्र	25/04/2033 23:18
सूर्य	28/04/2033 13:46
चंद्र	02/05/2033 21:51
मंगल	05/05/2033 22:43

शनि - सूर्य - गुरु	
05/05/2033 22:43	
21/06/2033 05:05	
गुरु	12/05/2033 02:46
शनि	19/05/2033 10:35
बुध	25/05/2033 23:53
केतु	28/05/2033 16:39
शुक्र	05/06/2033 09:43
सूर्य	07/06/2033 17:14
चंद्र	11/06/2033 13:45
मंगल	14/06/2033 06:32
राहु	21/06/2033 05:05

शनि - सूर्य - शनि	
21/06/2033 05:05	
15/08/2033 03:38	
शनि	29/06/2033 21:51
बुध	07/07/2033 16:39
केतु	10/07/2033 21:34
शुक्र	20/07/2033 01:19
सूर्य	22/07/2033 19:15
चंद्र	27/07/2033 09:08
मंगल	30/07/2033 14:03
राहु	07/08/2033 19:50
गुरु	15/08/2033 03:38

शनि - सूर्य - बुध	
15/08/2033 03:38	
03/10/2033 07:24	
बुध	22/08/2033 02:46
केतु	24/08/2033 23:35
शुक्र	02/09/2033 04:13
सूर्य	04/09/2033 15:12
चंद्र	08/09/2033 17:31
मंगल	11/09/2033 14:20
राहु	18/09/2033 23:18
गुरु	25/09/2033 12:36
शनि	03/10/2033 07:24

शनि - सूर्य - केतु	
03/10/2033 07:24	
23/10/2033 13:10	
केतु	04/10/2033 11:44
शुक्र	07/10/2033 20:42
सूर्य	08/10/2033 20:59
चंद्र	10/10/2033 13:28
मंगल	11/10/2033 17:48
राहु	14/10/2033 18:40
गुरु	17/10/2033 11:26
शनि	20/10/2033 16:21
बुध	23/10/2033 13:10

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शनि - सूर्य - शुक्र	
23/10/2033 13:10	
20/12/2033 09:07	
शुक्र	02/11/2033 04:30
सूर्य	05/11/2033 01:54
चंद्र	09/11/2033 21:34
मंगल	13/11/2033 06:31
राहु	21/11/2033 22:43
गुरु	29/11/2033 15:47
शनि	08/12/2033 19:32
बुध	17/12/2033 00:10
केतु	20/12/2033 09:07

शनि - चंद्र - चंद्र	
20/12/2033 09:07	
06/02/2034 13:45	
चंद्र	24/12/2033 09:31
मंगल	27/12/2033 04:59
राहु	03/01/2034 10:28
गुरु	09/01/2034 20:41
शनि	17/01/2034 11:49
बुध	24/01/2034 07:41
केतु	27/01/2034 03:09
शुक्र	04/02/2034 03:55
सूर्य	06/02/2034 13:45

शनि - चंद्र - मंगल	
06/02/2034 13:45	
12/03/2034 07:23	
मंगल	08/02/2034 12:59
राहु	13/02/2034 14:25
गुरु	18/02/2034 02:23
शनि	23/02/2034 10:34
बुध	28/02/2034 05:16
केतु	02/03/2034 04:30
शुक्र	07/03/2034 19:26
सूर्य	09/03/2034 11:55
चंद्र	12/03/2034 07:23

शनि - चंद्र - राहु	
12/03/2034 07:23	
07/06/2034 01:19	
राहु	25/03/2034 07:41
गुरु	05/04/2034 21:16
शनि	19/04/2034 14:54
बुध	01/05/2034 21:51
केतु	06/05/2034 23:17
शुक्र	21/05/2034 10:17
सूर्य	25/05/2034 18:22
चंद्र	01/06/2034 23:52
मंगल	07/06/2034 01:19

शनि - चंद्र - गुरु	
07/06/2034 01:19	
23/08/2034 03:55	
गुरु	17/06/2034 08:04
शनि	29/06/2034 13:04
बुध	10/07/2034 11:14
केतु	14/07/2034 23:11
शुक्र	27/07/2034 19:37
सूर्य	31/07/2034 16:09
चंद्र	07/08/2034 02:22
मंगल	11/08/2034 14:19
राहु	23/08/2034 03:55

शनि - चंद्र - शनि	
23/08/2034 03:55	
22/11/2034 17:30	
शनि	06/09/2034 15:52
बुध	19/09/2034 15:11
केतु	24/09/2034 23:23
शुक्र	10/10/2034 05:39
सूर्य	14/10/2034 19:32
चंद्र	22/10/2034 10:39
मंगल	27/10/2034 18:51
राहु	10/11/2034 12:29
गुरु	22/11/2034 17:30

शनि - चंद्र - बुध	
22/11/2034 17:30	
12/02/2035 15:46	
बुध	04/12/2034 08:03
केतु	09/12/2034 02:45
शुक्र	22/12/2034 18:28
सूर्य	26/12/2034 20:47
चंद्र	02/01/2035 16:38
मंगल	07/01/2035 11:20
राहु	19/01/2035 18:16
गुरु	30/01/2035 16:26
शनि	12/02/2035 15:46

शनि - चंद्र - केतु	
12/02/2035 15:46	
18/03/2035 09:24	
केतु	14/02/2035 14:59
शुक्र	20/02/2035 05:56
सूर्य	21/02/2035 22:25
चंद्र	24/02/2035 17:53
मंगल	26/02/2035 17:07
राहु	03/03/2035 18:33
गुरु	08/03/2035 06:31
शनि	13/03/2035 14:42
बुध	18/03/2035 09:24

शनि - चंद्र - शुक्र	
18/03/2035 09:24	
22/06/2035 18:39	
शुक्र	03/04/2035 10:56
सूर्य	08/04/2035 06:36
चंद्र	16/04/2035 07:22
मंगल	21/04/2035 22:19
राहु	06/05/2035 09:18
गुरु	19/05/2035 05:44
शनि	03/06/2035 12:00
बुध	17/06/2035 03:43
केतु	22/06/2035 18:39

शनि - चंद्र - सूर्य	
22/06/2035 18:39	
21/07/2035 16:37	
सूर्य	24/06/2035 05:21
चंद्र	26/06/2035 15:11
मंगल	28/06/2035 07:40
राहु	02/07/2035 15:45
गुरु	06/07/2035 12:17
शनि	11/07/2035 02:10
बुध	15/07/2035 04:29
केतु	16/07/2035 20:58
शुक्र	21/07/2035 16:37

शनि - मंगल - मंगल	
21/07/2035 16:37	
14/08/2035 07:22	
मंगल	23/07/2035 01:41
राहु	26/07/2035 14:42
गुरु	29/07/2035 18:16
शनि	02/08/2035 12:00
बुध	05/08/2035 20:17
केतु	07/08/2035 05:21
शुक्र	11/08/2035 03:48
सूर्य	12/08/2035 08:09
चंद्र	14/08/2035 07:22

शनि - मंगल - राहु	
14/08/2035 07:22	
14/10/2035 00:43	
राहु	23/08/2035 09:58
गुरु	31/08/2035 12:17
शनि	10/09/2035 03:02
बुध	18/09/2035 17:29
केतु	22/09/2035 06:30
शुक्र	02/10/2035 09:24
सूर्य	05/10/2035 10:16
चंद्र	10/10/2035 11:42
मंगल	14/10/2035 00:43

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शनि - शनि - गुरु - राहु	
28/12/2025 20:12	
19/01/2026 19:37	
राहु	01/01/2026 03:19
गुरु	04/01/2026 01:38
शनि	07/01/2026 13:09
बुध	10/01/2026 15:52
केतु	11/01/2026 22:38
शुक्र	15/01/2026 14:32
सूर्य	16/01/2026 16:54
चंद्र	18/01/2026 12:52
मंगल	19/01/2026 19:37

शनि - बुध - बुध - बुध	
19/01/2026 19:37	
08/02/2026 13:10	
बुध	22/01/2026 14:43
केतु	23/01/2026 18:20
शुक्र	27/01/2026 01:15
सूर्य	28/01/2026 00:56
चंद्र	29/01/2026 16:24
मंगल	30/01/2026 20:01
राहु	02/02/2026 19:03
गुरु	05/02/2026 10:11
शनि	08/02/2026 13:10

शनि - बुध - बुध - केतु	
08/02/2026 13:10	
16/02/2026 16:09	
केतु	09/02/2026 00:32
शुक्र	10/02/2026 09:02
सूर्य	10/02/2026 18:47
चंद्र	11/02/2026 11:02
मंगल	11/02/2026 22:25
राहु	13/02/2026 03:40
गुरु	14/02/2026 05:39
शनि	15/02/2026 12:32
बुध	16/02/2026 16:09

शनि - बुध - बुध - शुक्र	
16/02/2026 16:09	
11/03/2026 21:16	
शुक्र	20/02/2026 13:00
सूर्य	21/02/2026 16:52
चंद्र	23/02/2026 15:17
मंगल	24/02/2026 23:47
राहु	28/02/2026 11:21
गुरु	03/03/2026 13:38
शनि	07/03/2026 05:50
बुध	10/03/2026 12:46
केतु	11/03/2026 21:16

शनि - बुध - बुध - सूर्य	
11/03/2026 21:16	
18/03/2026 20:24	
सूर्य	12/03/2026 05:37
चंद्र	12/03/2026 19:33
मंगल	13/03/2026 05:18
राहु	14/03/2026 06:22
गुरु	15/03/2026 04:39
शनि	16/03/2026 07:07
बुध	17/03/2026 06:47
केतु	17/03/2026 16:32
शुक्र	18/03/2026 20:24

शनि - बुध - बुध - चंद्र	
18/03/2026 20:24	
30/03/2026 10:57	
चंद्र	19/03/2026 19:36
मंगल	20/03/2026 11:51
राहु	22/03/2026 05:38
गुरु	23/03/2026 18:47
शनि	25/03/2026 14:53
बुध	27/03/2026 06:21
केतु	27/03/2026 22:36
शुक्र	29/03/2026 21:01
सूर्य	30/03/2026 10:57

शनि - बुध - बुध - मंगल	
30/03/2026 10:57	
07/04/2026 13:56	
मंगल	30/03/2026 22:19
राहु	01/04/2026 03:34
गुरु	02/04/2026 05:34
शनि	03/04/2026 12:27
बुध	04/04/2026 16:04
केतु	05/04/2026 03:26
शुक्र	06/04/2026 11:56
सूर्य	06/04/2026 21:41
चंद्र	07/04/2026 13:56

शनि - बुध - बुध - राहु	
07/04/2026 13:56	
28/04/2026 11:20	
राहु	10/04/2026 17:09
गुरु	13/04/2026 12:00
शनि	16/04/2026 19:23
बुध	19/04/2026 18:25
केतु	20/04/2026 23:40
शुक्र	24/04/2026 11:14
सूर्य	25/04/2026 12:18
चंद्र	27/04/2026 06:05
मंगल	28/04/2026 11:20

शनि - बुध - बुध - गुरु	
28/04/2026 11:20	
17/05/2026 01:01	
गुरु	30/04/2026 22:45
शनि	03/05/2026 21:19
बुध	06/05/2026 12:28
केतु	07/05/2026 14:28
शुक्र	10/05/2026 16:45
सूर्य	11/05/2026 15:02
चंद्र	13/05/2026 04:10
मंगल	14/05/2026 06:10
राहु	17/05/2026 01:01

शनि - बुध - बुध - शनि	
17/05/2026 01:01	
08/06/2026 02:16	
शनि	20/05/2026 12:49
बुध	23/05/2026 15:48
केतु	24/05/2026 22:40
शुक्र	28/05/2026 14:53
सूर्य	29/05/2026 17:20
चंद्र	31/05/2026 13:27
मंगल	01/06/2026 20:19
राहु	05/06/2026 03:42
गुरु	08/06/2026 02:16

शनि - बुध - केतु - केतु	
08/06/2026 02:16	
11/06/2026 10:34	
केतु	08/06/2026 06:57
शुक्र	08/06/2026 20:20
सूर्य	09/06/2026 00:21
चंद्र	09/06/2026 07:02
मंगल	09/06/2026 11:43
राहु	09/06/2026 23:46
गुरु	10/06/2026 10:28
शनि	10/06/2026 23:11
बुध	11/06/2026 10:34

शनि - बुध - केतु - शुक्र	
11/06/2026 10:34	
20/06/2026 23:57	
शुक्र	13/06/2026 00:48
सूर्य	13/06/2026 12:16
चंद्र	14/06/2026 07:23
मंगल	14/06/2026 20:46
राहु	16/06/2026 07:10
गुरु	17/06/2026 13:45
शनि	19/06/2026 02:05
बुध	20/06/2026 10:35
केतु	20/06/2026 23:57

विंशोत्तरी दशा - प्राण

शनि - बुध - केतु - सूर्य	
20/06/2026 23:57	
23/06/2026 20:47	
सूर्य	21/06/2026 03:24
चंद्र	21/06/2026 09:08
मंगल	21/06/2026 13:09
राहु	21/06/2026 23:28
गुरु	22/06/2026 08:39
शनि	22/06/2026 19:33
बुध	23/06/2026 05:18
केतु	23/06/2026 09:18
शुक्र	23/06/2026 20:47

शनि - बुध - केतु - चंद्र	
23/06/2026 20:47	
28/06/2026 15:29	
चंद्र	24/06/2026 06:20
मंगल	24/06/2026 13:02
राहु	25/06/2026 06:14
गुरु	25/06/2026 21:31
शनि	26/06/2026 15:41
बुध	27/06/2026 07:56
केतु	27/06/2026 14:37
शुक्र	28/06/2026 09:44
सूर्य	28/06/2026 15:29

शनि - बुध - केतु - मंगल	
28/06/2026 15:29	
01/07/2026 23:46	
मंगल	28/06/2026 20:10
राहु	29/06/2026 08:12
गुरु	29/06/2026 18:54
शनि	30/06/2026 07:37
बुध	30/06/2026 19:00
केतु	30/06/2026 23:41
शुक्र	01/07/2026 13:04
सूर्य	01/07/2026 17:04
चंद्र	01/07/2026 23:46

शनि - बुध - केतु - राहु	
01/07/2026 23:46	
10/07/2026 14:13	
राहु	03/07/2026 06:44
गुरु	04/07/2026 10:16
शनि	05/07/2026 18:57
बुध	07/07/2026 00:12
केतु	07/07/2026 12:14
शुक्र	08/07/2026 22:39
सूर्य	09/07/2026 08:58
चंद्र	10/07/2026 02:11
मंगल	10/07/2026 14:13

शनि - बुध - केतु - गुरु	
10/07/2026 14:13	
18/07/2026 05:44	
गुरु	11/07/2026 14:41
शनि	12/07/2026 19:45
बुध	13/07/2026 21:45
केतु	14/07/2026 08:27
शुक्र	15/07/2026 15:02
सूर्य	16/07/2026 00:13
चंद्र	16/07/2026 15:30
मंगल	17/07/2026 02:13
राहु	18/07/2026 05:44

शनि - बुध - केतु - शनि	
18/07/2026 05:44	
27/07/2026 07:40	
शनि	19/07/2026 16:15
बुध	20/07/2026 23:07
केतु	21/07/2026 11:50
शुक्र	23/07/2026 00:09
सूर्य	23/07/2026 11:03
चंद्र	24/07/2026 05:13
मंगल	24/07/2026 17:55
राहु	26/07/2026 02:37
गुरु	27/07/2026 07:40

शनि - बुध - केतु - बुध	
27/07/2026 07:40	
04/08/2026 10:39	
बुध	28/07/2026 11:17
केतु	28/07/2026 22:40
शुक्र	30/07/2026 07:10
सूर्य	30/07/2026 16:55
चंद्र	31/07/2026 09:10
मंगल	31/07/2026 20:32
राहु	02/08/2026 01:47
गुरु	03/08/2026 03:47
शनि	04/08/2026 10:39

शनि - बुध - शुक्र - शुक्र	
04/08/2026 10:39	
31/08/2026 18:05	
शुक्र	08/08/2026 23:54
सूर्य	10/08/2026 08:40
चंद्र	12/08/2026 15:17
मंगल	14/08/2026 05:31
राहु	18/08/2026 07:50
गुरु	21/08/2026 23:13
शनि	26/08/2026 06:59
बुध	30/08/2026 03:51
केतु	31/08/2026 18:05

शनि - बुध - शुक्र - सूर्य	
31/08/2026 18:05	
08/09/2026 22:42	
सूर्य	01/09/2026 03:54
चंद्र	01/09/2026 20:18
मंगल	02/09/2026 07:46
राहु	03/09/2026 13:15
गुरु	04/09/2026 15:28
शनि	05/09/2026 22:36
बुध	07/09/2026 02:28
केतु	07/09/2026 13:56
शुक्र	08/09/2026 22:42

शनि - बुध - शुक्र - चंद्र	
08/09/2026 22:42	
22/09/2026 14:25	
चंद्र	10/09/2026 02:01
मंगल	10/09/2026 21:08
राहु	12/09/2026 22:17
गुरु	14/09/2026 17:59
शनि	16/09/2026 21:52
बुध	18/09/2026 20:18
केतु	19/09/2026 15:25
शुक्र	21/09/2026 22:02
सूर्य	22/09/2026 14:25

शनि - बुध - शुक्र - मंगल	
22/09/2026 14:25	
02/10/2026 03:49	
मंगल	23/09/2026 03:48
राहु	24/09/2026 14:12
गुरु	25/09/2026 20:47
शनि	27/09/2026 09:07
बुध	28/09/2026 17:37
केतु	29/09/2026 06:59
शुक्र	30/09/2026 21:13
सूर्य	01/10/2026 08:42
चंद्र	02/10/2026 03:49

शनि - बुध - शुक्र - राहु	
02/10/2026 03:49	
26/10/2026 17:41	
राहु	05/10/2026 20:17
गुरु	09/10/2026 02:57
शनि	13/10/2026 00:20
बुध	16/10/2026 11:54
केतु	17/10/2026 22:19
शुक्र	22/10/2026 00:38
सूर्य	23/10/2026 06:07
चंद्र	25/10/2026 07:17
मंगल	26/10/2026 17:41

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 6 वर्ष 10 मास 22 दिन

शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष	
25/02/2000		17/01/2007		16/01/2018		16/01/2030		17/01/2043	
17/01/2007		16/01/2018		16/01/2030		17/01/2043		16/01/2057	
	00/00/0000	सूर्य	02/02/2008	मंगल	15/04/2019	गुरु	02/07/2031	शनि	25/09/2044
	00/00/0000	मंगल	23/03/2009	गुरु	18/08/2020	शनि	25/01/2033	केतु	18/07/2046
	00/00/0000	गुरु	16/06/2010	शनि	29/01/2022	केतु	01/10/2034	चंद्र	22/06/2048
	00/00/0000	शनि	14/10/2011	केतु	19/08/2023	चंद्र	17/07/2036	बुध	12/07/2050
	25/02/2000	केतु	17/03/2013	चंद्र	14/04/2025	बुध	13/06/2038	शुक्र	12/09/2052
केतु	03/12/2001	चंद्र	22/09/2014	बुध	17/01/2027	शुक्र	19/06/2040	सूर्य	10/01/2054
चंद्र	28/05/2004	बुध	03/05/2016	शुक्र	27/11/2028	सूर्य	12/09/2041	मंगल	23/06/2055
बुध	17/01/2007	शुक्र	16/01/2018	सूर्य	16/01/2030	मंगल	17/01/2043	गुरु	16/01/2057

केतु 15 वर्ष		चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष	
16/01/2057		17/01/2072		17/01/2088		17/01/2105	
17/01/2072		17/01/2088		17/01/2105		00/00/0000	
केतु	25/12/2058	चंद्र	02/04/2074	बुध	15/07/2090	शुक्र	03/11/2107
चंद्र	19/01/2061	बुध	05/08/2076	शुक्र	04/03/2093	सूर्य	19/07/2109
बुध	02/04/2063	शुक्र	29/01/2079	सूर्य	14/10/2094	मंगल	30/05/2111
शुक्र	30/07/2065	सूर्य	05/08/2080	मंगल	17/07/2096	गुरु	05/06/2113
सूर्य	01/01/2067	मंगल	02/04/2082	गुरु	13/06/2098	शनि	07/08/2115
मंगल	21/07/2068	गुरु	17/01/2084	शनि	03/07/2100	केतु	26/02/2116
गुरु	27/03/2070	शनि	22/12/2085	केतु	14/09/2102		00/00/0000
शनि	17/01/2072	केतु	17/01/2088	चंद्र	17/01/2105		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - केतु		शुक्र - चंद्र		शुक्र - बुध		सूर्य - सूर्य		सूर्य - मंगल	
25/02/2000		03/12/2001		28/05/2004		17/01/2007		02/02/2008	
03/12/2001		28/05/2004		17/01/2007		02/02/2008		23/03/2009	
	25/02/2000	चंद्र	07/04/2002	बुध	16/10/2004	सूर्य	22/02/2007	मंगल	16/03/2008
चंद्र	20/03/2000	बुध	18/08/2002	शुक्र	15/03/2005	मंगल	02/04/2007	गुरु	01/05/2008
बुध	23/07/2000	शुक्र	06/01/2003	सूर्य	14/06/2005	गुरु	15/05/2007	शनि	20/06/2008
शुक्र	02/12/2000	सूर्य	02/04/2003	मंगल	22/09/2005	शनि	30/06/2007	केतु	13/08/2008
सूर्य	20/02/2001	मंगल	05/07/2003	गुरु	08/01/2006	केतु	18/08/2007	चंद्र	09/10/2008
मंगल	19/05/2001	गुरु	14/10/2003	शनि	04/05/2006	चंद्र	10/10/2007	बुध	09/12/2008
गुरु	23/08/2001	शनि	01/02/2004	केतु	06/09/2006	बुध	04/12/2007	शुक्र	12/02/2009
शनि	03/12/2001	केतु	28/05/2004	चंद्र	17/01/2007	शुक्र	02/02/2008	सूर्य	23/03/2009

सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र		सूर्य - बुध	
23/03/2009		16/06/2010		14/10/2011		17/03/2013		22/09/2014	
16/06/2010		14/10/2011		17/03/2013		22/09/2014		03/05/2016	
गुरु	13/05/2009	शनि	14/08/2010	केतु	20/12/2011	चंद्र	01/06/2013	बुध	17/12/2014
शनि	06/07/2009	केतु	16/10/2010	चंद्र	01/03/2012	बुध	22/08/2013	शुक्र	19/03/2015
केतु	02/09/2009	चंद्र	22/12/2010	बुध	16/05/2012	शुक्र	15/11/2013	सूर्य	14/05/2015
चंद्र	03/11/2009	बुध	03/03/2011	शुक्र	05/08/2012	सूर्य	07/01/2014	मंगल	13/07/2015
बुध	08/01/2010	शुक्र	17/05/2011	सूर्य	23/09/2012	मंगल	05/03/2014	गुरु	17/09/2015
शुक्र	19/03/2010	सूर्य	02/07/2011	मंगल	16/11/2012	गुरु	06/05/2014	शनि	27/11/2015
सूर्य	01/05/2010	मंगल	21/08/2011	गुरु	13/01/2013	शनि	12/07/2014	केतु	12/02/2016
मंगल	16/06/2010	गुरु	14/10/2011	शनि	17/03/2013	केतु	22/09/2014	चंद्र	03/05/2016

सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - केतु	
03/05/2016		16/01/2018		15/04/2019		18/08/2020		29/01/2022	
16/01/2018		15/04/2019		18/08/2020		29/01/2022		19/08/2023	
शुक्र	08/08/2016	मंगल	04/03/2018	गुरु	09/06/2019	शनि	21/10/2020	केतु	12/04/2022
सूर्य	06/10/2016	गुरु	24/04/2018	शनि	07/08/2019	केतु	28/12/2020	चंद्र	29/06/2022
मंगल	09/12/2016	शनि	18/06/2018	केतु	10/10/2019	चंद्र	11/03/2021	बुध	20/09/2022
गुरु	17/02/2017	केतु	15/08/2018	चंद्र	16/12/2019	बुध	28/05/2021	शुक्र	17/12/2022
शनि	03/05/2017	चंद्र	17/10/2018	बुध	26/02/2020	शुक्र	18/08/2021	सूर्य	09/02/2023
केतु	23/07/2017	बुध	22/12/2018	शुक्र	12/05/2020	सूर्य	07/10/2021	मंगल	09/04/2023
चंद्र	17/10/2017	शुक्र	03/03/2019	सूर्य	28/06/2020	मंगल	01/12/2021	गुरु	11/06/2023
बुध	16/01/2018	सूर्य	15/04/2019	मंगल	18/08/2020	गुरु	29/01/2022	शनि	19/08/2023

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		गुरु - गुरु	
19/08/2023		14/04/2025		17/01/2027		27/11/2028		16/01/2030	
14/04/2025		17/01/2027		27/11/2028		16/01/2030		02/07/2031	
चंद्र	10/11/2023	बुध	17/07/2025	शुक्र	02/05/2027	सूर्य	05/01/2029	गुरु	17/03/2030
बुध	07/02/2024	शुक्र	25/10/2025	सूर्य	06/07/2027	मंगल	17/02/2029	शनि	20/05/2030
शुक्र	10/05/2024	सूर्य	25/12/2025	मंगल	14/09/2027	गुरु	05/04/2029	केतु	28/07/2030
सूर्य	07/07/2024	मंगल	01/03/2026	गुरु	29/11/2027	शनि	25/05/2029	चंद्र	09/10/2030
मंगल	07/09/2024	गुरु	12/05/2026	शनि	19/02/2028	केतु	18/07/2029	बुध	26/12/2030
गुरु	14/11/2024	शनि	29/07/2026	केतु	17/05/2028	चंद्र	13/09/2029	शुक्र	19/03/2031
शनि	26/01/2025	केतु	20/10/2026	चंद्र	19/08/2028	बुध	13/11/2029	सूर्य	08/05/2031
केतु	14/04/2025	चंद्र	17/01/2027	बुध	27/11/2028	शुक्र	16/01/2030	मंगल	02/07/2031

गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध		गुरु - शुक्र	
02/07/2031		25/01/2033		01/10/2034		17/07/2036		13/06/2038	
25/01/2033		01/10/2034		17/07/2036		13/06/2038		19/06/2040	
शनि	10/09/2031	केतु	15/04/2033	चंद्र	31/12/2034	बुध	27/10/2036	शुक्र	06/10/2038
केतु	23/11/2031	चंद्र	09/07/2033	बुध	06/04/2035	शुक्र	12/02/2037	सूर्य	14/12/2038
चंद्र	10/02/2032	बुध	07/10/2033	शुक्र	16/07/2035	सूर्य	19/04/2037	मंगल	01/03/2039
बुध	04/05/2032	शुक्र	10/01/2034	सूर्य	17/09/2035	मंगल	30/06/2037	गुरु	22/05/2039
शुक्र	01/08/2032	सूर्य	09/03/2034	मंगल	23/11/2035	गुरु	16/09/2037	शनि	19/08/2039
सूर्य	24/09/2032	मंगल	12/05/2034	गुरु	05/02/2036	शनि	09/12/2037	केतु	22/11/2039
मंगल	22/11/2032	गुरु	19/07/2034	शनि	24/04/2036	केतु	09/03/2038	चंद्र	03/03/2040
गुरु	25/01/2033	शनि	01/10/2034	केतु	17/07/2036	चंद्र	13/06/2038	बुध	19/06/2040

गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु		शनि - चंद्र	
19/06/2040		12/09/2041		17/01/2043		25/09/2044		18/07/2046	
12/09/2041		17/01/2043		25/09/2044		18/07/2046		22/06/2048	
सूर्य	01/08/2040	मंगल	02/11/2041	शनि	01/04/2043	केतु	19/12/2044	चंद्र	23/10/2046
मंगल	16/09/2040	गुरु	27/12/2041	केतु	20/06/2043	चंद्र	20/03/2045	बुध	04/02/2047
गुरु	06/11/2040	शनि	24/02/2042	चंद्र	13/09/2043	बुध	25/06/2045	शुक्र	24/05/2047
शनि	30/12/2040	केतु	29/04/2042	बुध	12/12/2043	शुक्र	06/10/2045	सूर्य	30/07/2047
केतु	26/02/2041	चंद्र	06/07/2042	शुक्र	17/03/2044	सूर्य	08/12/2045	मंगल	11/10/2047
चंद्र	29/04/2041	बुध	16/09/2042	सूर्य	15/05/2044	मंगल	14/02/2046	गुरु	29/12/2047
बुध	04/07/2041	शुक्र	01/12/2042	मंगल	18/07/2044	गुरु	29/04/2046	शनि	23/03/2048
शुक्र	12/09/2041	सूर्य	17/01/2043	गुरु	25/09/2044	शनि	18/07/2046	केतु	22/06/2048

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल		शनि - गुरु	
22/06/2048		12/07/2050		12/09/2052		10/01/2054		23/06/2055	
12/07/2050		12/09/2052		10/01/2054		23/06/2055		16/01/2057	
बुध	10/10/2048	शुक्र	12/11/2050	सूर्य	28/10/2052	मंगल	06/03/2054	गुरु	26/08/2055
शुक्र	03/02/2049	सूर्य	26/01/2051	मंगल	17/12/2052	गुरु	04/05/2054	शनि	03/11/2055
सूर्य	15/04/2049	मंगल	18/04/2051	गुरु	10/02/2053	शनि	07/07/2054	केतु	16/01/2056
मंगल	02/07/2049	गुरु	16/07/2051	शनि	09/04/2053	केतु	13/09/2054	चंद्र	04/04/2056
गुरु	24/09/2049	शनि	20/10/2051	केतु	11/06/2053	चंद्र	25/11/2054	बुध	27/06/2056
शनि	23/12/2049	केतु	30/01/2052	चंद्र	17/08/2053	बुध	11/02/2055	शुक्र	24/09/2056
केतु	30/03/2050	चंद्र	19/05/2052	बुध	27/10/2053	शुक्र	04/05/2055	सूर्य	18/11/2056
चंद्र	12/07/2050	बुध	12/09/2052	शुक्र	10/01/2054	सूर्य	23/06/2055	मंगल	16/01/2057

केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
16/01/2057		25/12/2058		19/01/2061		02/04/2063		30/07/2065	
25/12/2058		19/01/2061		02/04/2063		30/07/2065		01/01/2067	
केतु	18/04/2057	चंद्र	09/04/2059	बुध	17/05/2061	शुक्र	12/08/2063	सूर्य	18/09/2065
चंद्र	24/07/2057	बुध	28/07/2059	शुक्र	18/09/2061	सूर्य	01/11/2063	मंगल	10/11/2065
बुध	05/11/2057	शुक्र	23/11/2059	सूर्य	04/12/2061	मंगल	28/01/2064	गुरु	07/01/2066
शुक्र	23/02/2058	सूर्य	02/02/2060	मंगल	25/02/2062	गुरु	02/05/2064	शनि	11/03/2066
सूर्य	01/05/2058	मंगल	21/04/2060	गुरु	26/05/2062	शनि	12/08/2064	केतु	17/05/2066
मंगल	14/07/2058	गुरु	14/07/2060	शनि	31/08/2062	केतु	30/11/2064	चंद्र	28/07/2066
गुरु	01/10/2058	शनि	13/10/2060	केतु	12/12/2062	चंद्र	28/03/2065	बुध	12/10/2066
शनि	25/12/2058	केतु	19/01/2061	चंद्र	02/04/2063	बुध	30/07/2065	शुक्र	01/01/2067

केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र		चंद्र - बुध	
01/01/2067		21/07/2068		27/03/2070		17/01/2072		02/04/2074	
21/07/2068		27/03/2070		17/01/2072		02/04/2074		05/08/2076	
मंगल	28/02/2067	गुरु	27/09/2068	शनि	14/06/2070	चंद्र	07/05/2072	बुध	05/08/2074
गुरु	03/05/2067	शनि	10/12/2068	केतु	08/09/2070	बुध	02/09/2072	शुक्र	16/12/2074
शनि	10/07/2067	केतु	28/02/2069	चंद्र	08/12/2070	शुक्र	05/01/2073	सूर्य	07/03/2075
केतु	22/09/2067	चंद्र	24/05/2069	बुध	15/03/2071	सूर्य	23/03/2073	मंगल	04/06/2075
चंद्र	09/12/2067	बुध	22/08/2069	शुक्र	26/06/2071	मंगल	14/06/2073	गुरु	08/09/2075
बुध	01/03/2068	शुक्र	25/11/2069	सूर्य	27/08/2071	गुरु	12/09/2073	शनि	20/12/2075
शुक्र	28/05/2068	सूर्य	22/01/2070	मंगल	04/11/2071	शनि	19/12/2073	केतु	09/04/2076
सूर्य	21/07/2068	मंगल	27/03/2070	गुरु	17/01/2072	केतु	02/04/2074	चंद्र	05/08/2076

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि	
05/08/2076		29/01/2079		05/08/2080		02/04/2082		17/01/2084	
29/01/2079		05/08/2080		02/04/2082		17/01/2084		22/12/2085	
शुक्र	24/12/2076	सूर्य	23/03/2079	मंगल	07/10/2080	गुरु	14/06/2082	शनि	11/04/2084
सूर्य	20/03/2077	मंगल	19/05/2079	गुरु	14/12/2080	शनि	01/09/2082	केतु	11/07/2084
मंगल	22/06/2077	गुरु	20/07/2079	शनि	25/02/2081	केतु	25/11/2082	चंद्र	16/10/2084
गुरु	01/10/2077	शनि	25/09/2079	केतु	14/05/2081	चंद्र	23/02/2083	बुध	28/01/2085
शनि	19/01/2078	केतु	06/12/2079	चंद्र	05/08/2081	बुध	30/05/2083	शुक्र	17/05/2085
केतु	16/05/2078	चंद्र	20/02/2080	बुध	02/11/2081	शुक्र	09/09/2083	सूर्य	23/07/2085
चंद्र	18/09/2078	बुध	11/05/2080	शुक्र	04/02/2082	सूर्य	10/11/2083	मंगल	04/10/2085
बुध	29/01/2079	शुक्र	05/08/2080	सूर्य	02/04/2082	मंगल	17/01/2084	गुरु	22/12/2085

चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - मंगल	
22/12/2085		17/01/2088		15/07/2090		04/03/2093		14/10/2094	
17/01/2088		15/07/2090		04/03/2093		14/10/2094		17/07/2096	
केतु	30/03/2086	बुध	29/05/2088	शुक्र	11/12/2090	सूर्य	29/04/2093	मंगल	20/12/2094
चंद्र	12/07/2086	शुक्र	17/10/2088	सूर्य	13/03/2091	मंगल	29/06/2093	गुरु	01/03/2095
बुध	31/10/2086	सूर्य	12/01/2089	मंगल	20/06/2091	गुरु	03/09/2093	शनि	18/05/2095
शुक्र	25/02/2087	मंगल	16/04/2089	गुरु	06/10/2091	शनि	13/11/2093	केतु	09/08/2095
सूर्य	08/05/2087	गुरु	27/07/2089	शनि	31/01/2092	केतु	28/01/2094	चंद्र	06/11/2095
मंगल	25/07/2087	शनि	14/11/2089	केतु	03/06/2092	चंद्र	19/04/2094	बुध	08/02/2096
गुरु	18/10/2087	केतु	11/03/2090	चंद्र	14/10/2092	बुध	15/07/2094	शुक्र	17/05/2096
शनि	17/01/2088	चंद्र	15/07/2090	बुध	04/03/2093	शुक्र	14/10/2094	सूर्य	17/07/2096

बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र		शुक्र - शुक्र	
17/07/2096		13/06/2098		03/07/2100		14/09/2102		17/01/2105	
13/06/2098		03/07/2100		14/09/2102		17/01/2105		03/11/2107	
गुरु	03/10/2096	शनि	12/09/2098	केतु	14/10/2100	चंद्र	10/01/2103	शुक्र	24/06/2105
शनि	26/12/2096	केतु	18/12/2098	चंद्र	02/02/2101	बुध	15/05/2103	सूर्य	29/09/2105
केतु	26/03/2097	चंद्र	31/03/2099	बुध	31/05/2101	शुक्र	25/09/2103	मंगल	13/01/2106
चंद्र	30/06/2097	बुध	19/07/2099	शुक्र	02/10/2101	सूर्य	15/12/2103	गुरु	07/05/2106
बुध	10/10/2097	शुक्र	12/11/2099	सूर्य	18/12/2101	मंगल	13/03/2104	शनि	07/09/2106
शुक्र	26/01/2098	सूर्य	22/01/2100	मंगल	11/03/2102	गुरु	17/06/2104	केतु	17/01/2107
सूर्य	02/04/2098	मंगल	10/04/2100	गुरु	09/06/2102	शनि	28/09/2104	चंद्र	07/06/2107
मंगल	13/06/2098	गुरु	03/07/2100	शनि	14/09/2102	केतु	17/01/2105	बुध	03/11/2107

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 4 वर्ष 7 मास 4 दिन

राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष	
25/02/2000		29/09/2004		31/05/2015		30/01/2028		31/05/2039	
29/09/2004		31/05/2015		30/01/2028		31/05/2039		30/01/2044	
	00/00/0000	गुरु	03/03/2006	शनि	02/06/2017	बुध	07/09/2029	केतु	08/09/2039
	00/00/0000	शनि	10/11/2007	बुध	19/03/2019	केतु	07/05/2030	शुक्र	18/06/2040
	00/00/0000	बुध	14/05/2009	केतु	14/12/2019	शुक्र	27/03/2032	सूर्य	11/09/2040
	25/02/2000	केतु	28/12/2009	शुक्र	23/01/2022	सूर्य	19/10/2032	चंद्र	31/01/2041
केतु	12/06/2000	शुक्र	08/10/2011	सूर्य	11/09/2022	चंद्र	29/09/2033	मंगल	10/05/2041
शुक्र	12/06/2002	सूर्य	20/04/2012	चंद्र	02/10/2023	मंगल	29/05/2034	राहु	21/01/2042
सूर्य	17/01/2003	चंद्र	11/03/2013	मंगल	28/06/2024	राहु	09/02/2036	गुरु	05/09/2042
चंद्र	18/01/2004	मंगल	24/10/2013	राहु	23/05/2026	गुरु	14/08/2037	शनि	02/06/2043
मंगल	29/09/2004	राहु	31/05/2015	गुरु	30/01/2028	शनि	31/05/2039	बुध	30/01/2044

शुक्र 13 वर्ष		सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष	
30/01/2044		31/05/2057		31/05/2061		30/01/2068		29/09/2072	
31/05/2057		31/05/2061		30/01/2068		29/09/2072		00/00/0000	
शुक्र	20/04/2046	सूर्य	12/08/2057	चंद्र	20/12/2061	मंगल	08/05/2068	राहु	19/07/2074
सूर्य	20/12/2046	चंद्र	11/12/2057	मंगल	11/05/2062	राहु	19/01/2069	गुरु	23/02/2076
चंद्र	30/01/2048	मंगल	07/03/2058	राहु	11/05/2063	गुरु	03/09/2069	शनि	17/01/2078
मंगल	09/11/2048	राहु	12/10/2058	गुरु	31/03/2064	शनि	31/05/2070	बुध	30/09/2079
राहु	09/11/2050	गुरु	25/04/2059	शनि	20/04/2065	बुध	27/01/2071	केतु	25/02/2080
गुरु	20/08/2052	शनि	12/12/2059	बुध	31/03/2066	केतु	07/05/2071		00/00/0000
शनि	30/09/2054	बुध	06/07/2060	केतु	20/08/2066	शुक्र	15/02/2072		00/00/0000
बुध	20/08/2056	केतु	29/09/2060	शुक्र	30/09/2067	सूर्य	10/05/2072		00/00/0000
केतु	31/05/2057	शुक्र	31/05/2061	सूर्य	30/01/2068	चंद्र	29/09/2072		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - केतु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
25/02/2000		12/06/2000		12/06/2002		17/01/2003		18/01/2004	
12/06/2000		12/06/2002		17/01/2003		18/01/2004		29/09/2004	
	00/00/0000	शुक्र	11/10/2000	सूर्य	23/06/2002	चंद्र	17/02/2003	मंगल	01/02/2004
	00/00/0000	सूर्य	17/11/2000	चंद्र	11/07/2002	मंगल	10/03/2003	राहु	11/03/2004
	00/00/0000	चंद्र	17/01/2001	मंगल	24/07/2002	राहु	04/05/2003	गुरु	14/04/2004
	00/00/0000	मंगल	28/02/2001	राहु	26/08/2002	गुरु	21/06/2003	शनि	24/05/2004
	00/00/0000	राहु	18/06/2001	गुरु	24/09/2002	शनि	18/08/2003	बुध	30/06/2004
	25/02/2000	गुरु	23/09/2001	शनि	29/10/2002	बुध	09/10/2003	केतु	14/07/2004
गुरु	27/03/2000	शनि	17/01/2002	बुध	29/11/2002	केतु	30/10/2003	शुक्र	26/08/2004
शनि	06/05/2000	बुध	30/04/2002	केतु	12/12/2002	शुक्र	30/12/2003	सूर्य	08/09/2004
बुध	12/06/2000	केतु	12/06/2002	शुक्र	17/01/2003	सूर्य	18/01/2004	चंद्र	29/09/2004

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
29/09/2004		03/03/2006		10/11/2007		14/05/2009		28/12/2009	
03/03/2006		10/11/2007		14/05/2009		28/12/2009		08/10/2011	
गुरु	07/12/2004	शनि	08/06/2006	बुध	27/01/2008	केतु	28/05/2009	शुक्र	15/04/2010
शनि	28/02/2005	बुध	04/09/2006	केतु	28/02/2008	शुक्र	05/07/2009	सूर्य	17/05/2010
बुध	12/05/2005	केतु	10/10/2006	शुक्र	30/05/2008	सूर्य	16/07/2009	चंद्र	11/07/2010
केतु	12/06/2005	शुक्र	21/01/2007	सूर्य	26/06/2008	चंद्र	04/08/2009	मंगल	17/08/2010
शुक्र	06/09/2005	सूर्य	20/02/2007	चंद्र	11/08/2008	मंगल	17/08/2009	राहु	23/11/2010
सूर्य	02/10/2005	चंद्र	13/04/2007	मंगल	13/09/2008	राहु	20/09/2009	गुरु	17/02/2011
चंद्र	14/11/2005	मंगल	19/05/2007	राहु	04/12/2008	गुरु	21/10/2009	शनि	31/05/2011
मंगल	15/12/2005	राहु	19/08/2007	गुरु	16/02/2009	शनि	26/11/2009	बुध	31/08/2011
राहु	03/03/2006	गुरु	10/11/2007	शनि	14/05/2009	बुध	28/12/2009	केतु	08/10/2011

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
08/10/2011		20/04/2012		11/03/2013		24/10/2013		31/05/2015	
20/04/2012		11/03/2013		24/10/2013		31/05/2015		02/06/2017	
सूर्य	18/10/2011	चंद्र	17/05/2012	मंगल	24/03/2013	राहु	19/01/2014	शनि	24/09/2015
चंद्र	03/11/2011	मंगल	05/06/2012	राहु	27/04/2013	गुरु	07/04/2014	बुध	06/01/2016
मंगल	14/11/2011	राहु	24/07/2012	गुरु	27/05/2013	शनि	09/07/2014	केतु	18/02/2016
राहु	14/12/2011	गुरु	05/09/2012	शनि	02/07/2013	बुध	30/09/2014	शुक्र	19/06/2016
गुरु	09/01/2012	शनि	26/10/2012	बुध	03/08/2013	केतु	03/11/2014	सूर्य	25/07/2016
शनि	08/02/2012	बुध	11/12/2012	केतु	17/08/2013	शुक्र	08/02/2015	चंद्र	24/09/2016
बुध	07/03/2012	केतु	30/12/2012	शुक्र	23/09/2013	सूर्य	09/03/2015	मंगल	06/11/2016
केतु	18/03/2012	शुक्र	22/02/2013	सूर्य	05/10/2013	चंद्र	27/04/2015	राहु	24/02/2017
शुक्र	20/04/2012	सूर्य	11/03/2013	चंद्र	24/10/2013	मंगल	31/05/2015	गुरु	02/06/2017

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
02/06/2017		19/03/2019		14/12/2019		23/01/2022		11/09/2022	
19/03/2019		14/12/2019		23/01/2022		11/09/2022		02/10/2023	
बुध	03/09/2017	केतु	04/04/2019	शुक्र	21/04/2020	सूर्य	04/02/2022	चंद्र	14/10/2022
केतु	11/10/2017	शुक्र	19/05/2019	सूर्य	29/05/2020	चंद्र	23/02/2022	मंगल	05/11/2022
शुक्र	28/01/2018	सूर्य	01/06/2019	चंद्र	01/08/2020	मंगल	08/03/2022	राहु	02/01/2023
सूर्य	02/03/2018	चंद्र	24/06/2019	मंगल	15/09/2020	राहु	12/04/2022	गुरु	22/02/2023
चंद्र	25/04/2018	मंगल	10/07/2019	राहु	09/01/2021	गुरु	13/05/2022	शनि	24/04/2023
मंगल	03/06/2018	राहु	19/08/2019	गुरु	22/04/2021	शनि	19/06/2022	बुध	18/06/2023
राहु	09/09/2018	गुरु	24/09/2019	शनि	22/08/2021	बुध	21/07/2022	केतु	10/07/2023
गुरु	05/12/2018	शनि	06/11/2019	बुध	09/12/2021	केतु	04/08/2022	शुक्र	13/09/2023
शनि	19/03/2019	बुध	14/12/2019	केतु	23/01/2022	शुक्र	11/09/2022	सूर्य	02/10/2023

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
02/10/2023		28/06/2024		23/05/2026		30/01/2028		07/09/2029	
28/06/2024		23/05/2026		30/01/2028		07/09/2029		07/05/2030	
मंगल	18/10/2023	राहु	10/10/2024	गुरु	13/08/2026	बुध	22/04/2028	केतु	21/09/2029
राहु	27/11/2023	गुरु	10/01/2025	शनि	19/11/2026	केतु	26/05/2028	शुक्र	31/10/2029
गुरु	02/01/2024	शनि	30/04/2025	बुध	14/02/2027	शुक्र	01/09/2028	सूर्य	13/11/2029
शनि	14/02/2024	बुध	07/08/2025	केतु	22/03/2027	सूर्य	30/09/2028	चंद्र	03/12/2029
बुध	23/03/2024	केतु	16/09/2025	शुक्र	03/07/2027	चंद्र	18/11/2028	मंगल	17/12/2029
केतु	08/04/2024	शुक्र	10/01/2026	सूर्य	03/08/2027	मंगल	22/12/2028	राहु	22/01/2030
शुक्र	23/05/2024	सूर्य	14/02/2026	चंद्र	23/09/2027	राहु	20/03/2029	गुरु	23/02/2030
सूर्य	05/06/2024	चंद्र	12/04/2026	मंगल	29/10/2027	गुरु	06/06/2029	शनि	02/04/2030
चंद्र	28/06/2024	मंगल	23/05/2026	राहु	30/01/2028	शनि	07/09/2029	बुध	07/05/2030

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
07/05/2030		27/03/2032		19/10/2032		29/09/2033		29/05/2034	
27/03/2032		19/10/2032		29/09/2033		29/05/2034		09/02/2036	
शुक्र	30/08/2030	सूर्य	06/04/2032	चंद्र	17/11/2032	मंगल	14/10/2033	राहु	30/08/2034
सूर्य	03/10/2030	चंद्र	23/04/2032	मंगल	07/12/2032	राहु	19/11/2033	गुरु	21/11/2034
चंद्र	30/11/2030	मंगल	05/05/2032	राहु	28/01/2033	गुरु	21/12/2033	शनि	27/02/2035
मंगल	09/01/2031	राहु	05/06/2032	गुरु	15/03/2033	शनि	28/01/2034	बुध	26/05/2035
राहु	22/04/2031	गुरु	03/07/2032	शनि	09/05/2033	बुध	03/03/2034	केतु	01/07/2035
गुरु	23/07/2031	शनि	05/08/2032	बुध	27/06/2033	केतु	17/03/2034	शुक्र	13/10/2035
शनि	10/11/2031	बुध	03/09/2032	केतु	17/07/2033	शुक्र	27/04/2034	सूर्य	13/11/2035
बुध	15/02/2032	केतु	15/09/2032	शुक्र	12/09/2033	सूर्य	09/05/2034	चंद्र	04/01/2036
केतु	27/03/2032	शुक्र	19/10/2032	सूर्य	29/09/2033	चंद्र	29/05/2034	मंगल	09/02/2036

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
09/02/2036		14/08/2037		31/05/2039		08/09/2039		18/06/2040	
14/08/2037		31/05/2039		08/09/2039		18/06/2040		11/09/2040	
गुरु	22/04/2036	शनि	26/11/2037	केतु	06/06/2039	शुक्र	25/10/2039	सूर्य	22/06/2040
शनि	19/07/2036	बुध	26/02/2038	शुक्र	23/06/2039	सूर्य	08/11/2039	चंद्र	29/06/2040
बुध	05/10/2036	केतु	06/04/2038	सूर्य	28/06/2039	चंद्र	02/12/2039	मंगल	04/07/2040
केतु	06/11/2036	शुक्र	24/07/2038	चंद्र	06/07/2039	मंगल	18/12/2039	राहु	17/07/2040
शुक्र	06/02/2037	सूर्य	26/08/2038	मंगल	12/07/2039	राहु	30/01/2040	गुरु	28/07/2040
सूर्य	06/03/2037	चंद्र	19/10/2038	राहु	27/07/2039	गुरु	08/03/2040	शनि	11/08/2040
चंद्र	21/04/2037	मंगल	26/11/2038	गुरु	09/08/2039	शनि	22/04/2040	बुध	23/08/2040
मंगल	23/05/2037	राहु	05/03/2039	शनि	25/08/2039	बुध	01/06/2040	केतु	28/08/2040
राहु	14/08/2037	गुरु	31/05/2039	बुध	08/09/2039	केतु	18/06/2040	शुक्र	11/09/2040

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
11/09/2040		31/01/2041		10/05/2041		21/01/2042		05/09/2042	
31/01/2041		10/05/2041		21/01/2042		05/09/2042		02/06/2043	
चंद्र	23/09/2040	मंगल	06/02/2041	राहु	18/06/2041	गुरु	20/02/2042	शनि	18/10/2042
मंगल	01/10/2040	राहु	21/02/2041	गुरु	22/07/2041	शनि	28/03/2042	बुध	25/11/2042
राहु	22/10/2040	गुरु	06/03/2041	शनि	31/08/2041	बुध	30/04/2042	केतु	11/12/2042
गुरु	10/11/2040	शनि	22/03/2041	बुध	07/10/2041	केतु	13/05/2042	शुक्र	25/01/2043
शनि	03/12/2040	बुध	05/04/2041	केतु	21/10/2041	शुक्र	20/06/2042	सूर्य	08/02/2043
बुध	23/12/2040	केतु	11/04/2041	शुक्र	03/12/2041	सूर्य	01/07/2042	चंद्र	02/03/2043
केतु	31/12/2040	शुक्र	27/04/2041	सूर्य	16/12/2041	चंद्र	20/07/2042	मंगल	18/03/2043
शुक्र	24/01/2041	सूर्य	02/05/2041	चंद्र	06/01/2042	मंगल	02/08/2042	राहु	27/04/2043
सूर्य	31/01/2041	चंद्र	10/05/2041	मंगल	21/01/2042	राहु	05/09/2042	गुरु	02/06/2043

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
02/06/2043		30/01/2044		20/04/2046		20/12/2046		30/01/2048	
30/01/2044		20/04/2046		20/12/2046		30/01/2048		09/11/2048	
बुध	06/07/2043	शुक्र	13/06/2044	सूर्य	03/05/2046	चंद्र	23/01/2047	मंगल	15/02/2048
केतु	21/07/2043	सूर्य	24/07/2044	चंद्र	23/05/2046	मंगल	15/02/2047	राहु	29/03/2048
शुक्र	30/08/2043	चंद्र	29/09/2044	मंगल	06/06/2046	राहु	17/04/2047	गुरु	06/05/2048
सूर्य	11/09/2043	मंगल	16/11/2044	राहु	13/07/2046	गुरु	10/06/2047	शनि	20/06/2048
चंद्र	01/10/2043	राहु	17/03/2045	गुरु	14/08/2046	शनि	14/08/2047	बुध	30/07/2048
मंगल	15/10/2043	गुरु	04/07/2045	शनि	22/09/2046	बुध	10/10/2047	केतु	16/08/2048
राहु	20/11/2043	शनि	09/11/2045	बुध	26/10/2046	केतु	03/11/2047	शुक्र	02/10/2048
गुरु	22/12/2043	बुध	04/03/2046	केतु	09/11/2046	शुक्र	09/01/2048	सूर्य	16/10/2048
शनि	30/01/2044	केतु	20/04/2046	शुक्र	20/12/2046	सूर्य	30/01/2048	चंद्र	09/11/2048

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
09/11/2048		09/11/2050		20/08/2052		30/09/2054		20/08/2056	
09/11/2050		20/08/2052		30/09/2054		20/08/2056		31/05/2057	
राहु	26/02/2049	गुरु	04/02/2051	शनि	20/12/2052	बुध	05/01/2055	केतु	05/09/2056
गुरु	04/06/2049	शनि	18/05/2051	बुध	08/04/2053	केतु	15/02/2055	शुक्र	23/10/2056
शनि	27/09/2049	बुध	18/08/2051	केतु	23/05/2053	शुक्र	10/06/2055	सूर्य	06/11/2056
बुध	09/01/2050	केतु	25/09/2051	शुक्र	28/09/2053	सूर्य	14/07/2055	चंद्र	29/11/2056
केतु	21/02/2050	शुक्र	11/01/2052	सूर्य	06/11/2053	चंद्र	10/09/2055	मंगल	16/12/2056
शुक्र	22/06/2050	सूर्य	12/02/2052	चंद्र	09/01/2054	मंगल	20/10/2055	राहु	28/01/2057
सूर्य	29/07/2050	चंद्र	06/04/2052	मंगल	23/02/2054	राहु	31/01/2056	गुरु	06/03/2057
चंद्र	28/09/2050	मंगल	14/05/2052	राहु	19/06/2054	गुरु	02/05/2056	शनि	20/04/2057
मंगल	09/11/2050	राहु	20/08/2052	गुरु	30/09/2054	शनि	20/08/2056	बुध	31/05/2057

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
31/05/2057		12/08/2057		11/12/2057		07/03/2058		12/10/2058	
12/08/2057		11/12/2057		07/03/2058		12/10/2058		25/04/2059	
सूर्य	03/06/2057	चंद्र	22/08/2057	मंगल	16/12/2057	राहु	09/04/2058	गुरु	07/11/2058
चंद्र	09/06/2057	मंगल	29/08/2057	राहु	29/12/2057	गुरु	08/05/2058	शनि	08/12/2058
मंगल	14/06/2057	राहु	16/09/2057	गुरु	10/01/2058	शनि	12/06/2058	बुध	04/01/2059
राहु	25/06/2057	गुरु	02/10/2057	शनि	23/01/2058	बुध	13/07/2058	केतु	16/01/2059
गुरु	04/07/2057	शनि	22/10/2057	बुध	04/02/2058	केतु	25/07/2058	शुक्र	17/02/2059
शनि	16/07/2057	बुध	08/11/2057	केतु	09/02/2058	शुक्र	31/08/2058	सूर्य	27/02/2059
बुध	26/07/2057	केतु	15/11/2057	शुक्र	23/02/2058	सूर्य	11/09/2058	चंद्र	15/03/2059
केतु	31/07/2057	शुक्र	05/12/2057	सूर्य	28/02/2058	चंद्र	29/09/2058	मंगल	26/03/2059
शुक्र	12/08/2057	सूर्य	11/12/2057	चंद्र	07/03/2058	मंगल	12/10/2058	राहु	25/04/2059

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
25/04/2059		12/12/2059		06/07/2060		29/09/2060		31/05/2061	
12/12/2059		06/07/2060		29/09/2060		31/05/2061		20/12/2061	
शनि	31/05/2059	बुध	10/01/2060	केतु	11/07/2060	शुक्र	09/11/2060	चंद्र	17/06/2061
बुध	03/07/2059	केतु	22/01/2060	शुक्र	25/07/2060	सूर्य	21/11/2060	मंगल	28/06/2061
केतु	17/07/2059	शुक्र	26/02/2060	सूर्य	29/07/2060	चंद्र	11/12/2060	राहु	29/07/2061
शुक्र	24/08/2059	सूर्य	07/03/2060	चंद्र	05/08/2060	मंगल	25/12/2060	गुरु	25/08/2061
सूर्य	05/09/2059	चंद्र	24/03/2060	मंगल	10/08/2060	राहु	31/01/2061	शनि	26/09/2061
चंद्र	24/09/2059	मंगल	06/04/2060	राहु	23/08/2060	गुरु	04/03/2061	बुध	25/10/2061
मंगल	07/10/2059	राहु	07/05/2060	गुरु	04/09/2060	शनि	12/04/2061	केतु	06/11/2061
राहु	11/11/2059	गुरु	03/06/2060	शनि	17/09/2060	बुध	16/05/2061	शुक्र	09/12/2061
गुरु	12/12/2059	शनि	06/07/2060	बुध	29/09/2060	केतु	31/05/2061	सूर्य	20/12/2061

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
20/12/2061		11/05/2062		11/05/2063		31/03/2064		20/04/2065	
11/05/2062		11/05/2063		31/03/2064		20/04/2065		31/03/2066	
मंगल	28/12/2061	राहु	04/07/2062	गुरु	23/06/2063	शनि	31/05/2064	बुध	08/06/2065
राहु	18/01/2062	गुरु	22/08/2062	शनि	14/08/2063	बुध	24/07/2064	केतु	28/06/2065
गुरु	06/02/2062	शनि	19/10/2062	बुध	29/09/2063	केतु	16/08/2064	शुक्र	25/08/2065
शनि	01/03/2062	बुध	10/12/2062	केतु	18/10/2063	शुक्र	19/10/2064	सूर्य	11/09/2065
बुध	21/03/2062	केतु	31/12/2062	शुक्र	11/12/2063	सूर्य	07/11/2064	चंद्र	10/10/2065
केतु	29/03/2062	शुक्र	02/03/2063	सूर्य	27/12/2063	चंद्र	09/12/2064	मंगल	30/10/2065
शुक्र	22/04/2062	सूर्य	20/03/2063	चंद्र	23/01/2064	मंगल	01/01/2065	राहु	20/12/2065
सूर्य	29/04/2062	चंद्र	20/04/2063	मंगल	11/02/2064	राहु	28/02/2065	गुरु	04/02/2066
चंद्र	11/05/2062	मंगल	11/05/2063	राहु	31/03/2064	गुरु	20/04/2065	शनि	31/03/2066

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
31/03/2066		20/08/2066		30/09/2067		30/01/2068		08/05/2068	
20/08/2066		30/09/2067		30/01/2068		08/05/2068		19/01/2069	
केतु	08/04/2066	शुक्र	27/10/2066	सूर्य	06/10/2067	मंगल	04/02/2068	राहु	15/06/2068
शुक्र	02/05/2066	सूर्य	16/11/2066	चंद्र	16/10/2067	राहु	19/02/2068	गुरु	20/07/2068
सूर्य	09/05/2066	चंद्र	20/12/2066	मंगल	23/10/2067	गुरु	04/03/2068	शनि	29/08/2068
चंद्र	21/05/2066	मंगल	13/01/2067	राहु	11/11/2067	शनि	19/03/2068	बुध	04/10/2068
मंगल	29/05/2066	राहु	14/03/2067	गुरु	27/11/2067	बुध	02/04/2068	केतु	19/10/2068
राहु	20/06/2066	गुरु	08/05/2067	शनि	16/12/2067	केतु	08/04/2068	शुक्र	01/12/2068
गुरु	08/07/2066	शनि	11/07/2067	बुध	02/01/2068	शुक्र	25/04/2068	सूर्य	14/12/2068
शनि	31/07/2066	बुध	06/09/2067	केतु	09/01/2068	सूर्य	30/04/2068	चंद्र	04/01/2069
बुध	20/08/2066	केतु	30/09/2067	शुक्र	30/01/2068	चंद्र	08/05/2068	मंगल	19/01/2069

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
19/01/2069		03/09/2069		31/05/2070		27/01/2071		07/05/2071	
03/09/2069		31/05/2070		27/01/2071		07/05/2071		15/02/2072	
गुरु	18/02/2069	शनि	16/10/2069	बुध	04/07/2070	केतु	02/02/2071	शुक्र	23/06/2071
शनि	26/03/2069	बुध	23/11/2069	केतु	18/07/2070	शुक्र	19/02/2071	सूर्य	07/07/2071
बुध	27/04/2069	केतु	09/12/2069	शुक्र	27/08/2070	सूर्य	24/02/2071	चंद्र	31/07/2071
केतु	11/05/2069	शुक्र	23/01/2070	सूर्य	09/09/2070	चंद्र	04/03/2071	मंगल	17/08/2071
शुक्र	17/06/2069	सूर्य	05/02/2070	चंद्र	29/09/2070	मंगल	10/03/2071	राहु	28/09/2071
सूर्य	29/06/2069	चंद्र	28/02/2070	मंगल	13/10/2070	राहु	25/03/2071	गुरु	05/11/2071
चंद्र	18/07/2069	मंगल	15/03/2070	राहु	18/11/2070	गुरु	07/04/2071	शनि	20/12/2071
मंगल	31/07/2069	राहु	25/04/2070	गुरु	20/12/2070	शनि	23/04/2071	बुध	29/01/2072
राहु	03/09/2069	गुरु	31/05/2070	शनि	27/01/2071	बुध	07/05/2071	केतु	15/02/2072

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 0 मास 7 दिन

मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष	
25/02/2000		04/03/2001		04/03/2018		03/03/2028		04/03/2047	
04/03/2001		04/03/2018		03/03/2028		04/03/2047		04/03/2059	
	00/00/0000	बुध	06/11/2003	शनि	05/02/2019	गुरु	07/07/2031	राहु	03/07/2048
	00/00/0000	शनि	03/06/2005	गुरु	09/11/2020	राहु	16/08/2033	शुक्र	02/11/2050
	00/00/0000	गुरु	30/05/2008	राहु	19/12/2021	शुक्र	27/04/2037	सूर्य	04/07/2051
	00/00/0000	राहु	20/04/2010	शुक्र	30/11/2023	सूर्य	17/05/2038	चंद्र	04/03/2053
	00/00/0000	शुक्र	09/08/2013	सूर्य	20/06/2024	चंद्र	05/01/2041	मंगल	22/01/2054
	00/00/0000	सूर्य	20/07/2014	चंद्र	09/11/2025	मंगल	03/06/2042	बुध	13/12/2055
	25/02/2000	चंद्र	29/11/2016	मंगल	06/08/2026	बुध	30/05/2045	शनि	22/01/2057
चंद्र	04/03/2001	मंगल	04/03/2018	बुध	03/03/2028	शनि	04/03/2047	गुरु	04/03/2059

शुक्र 21 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष	
04/03/2059		03/03/2080		04/03/2086		05/03/2101	
03/03/2080		04/03/2086		05/03/2101		26/02/2108	
शुक्र	03/04/2063	सूर्य	03/07/2080	चंद्र	03/04/2088	मंगल	07/10/2101
सूर्य	03/06/2064	चंद्र	03/05/2081	मंगल	14/05/2089	बुध	10/01/2103
चंद्र	04/05/2067	मंगल	13/10/2081	बुध	23/09/2091	शनि	07/10/2103
मंगल	22/11/2068	बुध	23/09/2082	शनि	11/02/2093	गुरु	05/03/2105
बुध	13/03/2072	शनि	14/04/2083	गुरु	03/10/2095	राहु	23/01/2106
शनि	22/02/2074	गुरु	03/05/2084	राहु	03/06/2097	शुक्र	14/08/2107
गुरु	02/11/2077	राहु	02/01/2085	शुक्र	04/05/2100	सूर्य	24/01/2108
राहु	03/03/2080	शुक्र	04/03/2086	सूर्य	05/03/2101	चंद्र	26/02/2108

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

मंगल - चंद्र	
25/02/2000	
04/03/2001	
चंद्र	19/03/2000
मंगल	18/04/2000
बुध	21/06/2000
शनि	29/07/2000
गुरु	08/10/2000
राहु	22/11/2000
शुक्र	09/02/2001
सूर्य	04/03/2001

बुध - बुध	
04/03/2001	
06/11/2003	
बुध	04/08/2001
शनि	03/11/2001
गुरु	24/04/2002
राहु	10/08/2002
शुक्र	16/02/2003
सूर्य	12/04/2003
चंद्र	26/08/2003
मंगल	06/11/2003

बुध - शनि	
06/11/2003	
03/06/2005	
शनि	29/12/2003
गुरु	08/04/2004
राहु	11/06/2004
शुक्र	01/10/2004
सूर्य	02/11/2004
चंद्र	21/01/2005
मंगल	04/03/2005
बुध	03/06/2005

बुध - गुरु	
03/06/2005	
30/05/2008	
गुरु	12/12/2005
राहु	12/04/2006
शुक्र	11/11/2006
सूर्य	10/01/2007
चंद्र	11/06/2007
मंगल	31/08/2007
बुध	19/02/2008
शनि	30/05/2008

बुध - राहु	
30/05/2008	
20/04/2010	
राहु	15/08/2008
शुक्र	27/12/2008
सूर्य	03/02/2009
चंद्र	10/05/2009
मंगल	30/06/2009
बुध	17/10/2009
शनि	20/12/2009
गुरु	20/04/2010

बुध - शुक्र	
20/04/2010	
09/08/2013	
शुक्र	11/12/2010
सूर्य	16/02/2011
चंद्र	03/08/2011
मंगल	31/10/2011
बुध	08/05/2012
शनि	28/08/2012
गुरु	28/03/2013
राहु	09/08/2013

बुध - सूर्य	
09/08/2013	
20/07/2014	
सूर्य	29/08/2013
चंद्र	16/10/2013
मंगल	10/11/2013
बुध	03/01/2014
शनि	04/02/2014
गुरु	06/04/2014
राहु	14/05/2014
शुक्र	20/07/2014

बुध - चंद्र	
20/07/2014	
29/11/2016	
चंद्र	17/11/2014
मंगल	20/01/2015
बुध	05/06/2015
शनि	24/08/2015
गुरु	22/01/2016
राहु	27/04/2016
शुक्र	12/10/2016
सूर्य	29/11/2016

बुध - मंगल	
29/11/2016	
04/03/2018	
मंगल	02/01/2017
बुध	15/03/2017
शनि	27/04/2017
गुरु	17/07/2017
राहु	06/09/2017
शुक्र	04/12/2017
सूर्य	30/12/2017
चंद्र	04/03/2018

शनि - शनि	
04/03/2018	
05/02/2019	
शनि	04/04/2018
गुरु	03/06/2018
राहु	10/07/2018
शुक्र	14/09/2018
सूर्य	03/10/2018
चंद्र	19/11/2018
मंगल	14/12/2018
बुध	05/02/2019

शनि - गुरु	
05/02/2019	
09/11/2020	
गुरु	29/05/2019
राहु	08/08/2019
शुक्र	11/12/2019
सूर्य	16/01/2020
चंद्र	14/04/2020
मंगल	01/06/2020
बुध	10/09/2020
शनि	09/11/2020

शनि - राहु	
09/11/2020	
19/12/2021	
राहु	24/12/2020
शुक्र	13/03/2021
सूर्य	04/04/2021
चंद्र	30/05/2021
मंगल	30/06/2021
बुध	01/09/2021
शनि	09/10/2021
गुरु	19/12/2021

शनि - शुक्र	
19/12/2021	
30/11/2023	
शुक्र	06/05/2022
सूर्य	15/06/2022
चंद्र	22/09/2022
मंगल	13/11/2022
बुध	05/03/2023
शनि	10/05/2023
गुरु	12/09/2023
राहु	30/11/2023

शनि - सूर्य	
30/11/2023	
20/06/2024	
सूर्य	11/12/2023
चंद्र	08/01/2024
मंगल	23/01/2024
बुध	24/02/2024
शनि	14/03/2024
गुरु	19/04/2024
राहु	11/05/2024
शुक्र	20/06/2024

शनि - चंद्र	
20/06/2024	
09/11/2025	
चंद्र	29/08/2024
मंगल	06/10/2024
बुध	24/12/2024
शनि	09/02/2025
गुरु	10/05/2025
राहु	05/07/2025
शुक्र	12/10/2025
सूर्य	09/11/2025

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र	
09/11/2025		06/08/2026		03/03/2028		07/07/2031		16/08/2033	
06/08/2026		03/03/2028		07/07/2031		16/08/2033		27/04/2037	
मंगल	29/11/2025	बुध	05/11/2026	गुरु	04/10/2028	राहु	01/10/2031	शुक्र	06/05/2034
बुध	10/01/2026	शनि	28/12/2026	राहु	17/02/2029	शुक्र	28/02/2032	सूर्य	20/07/2034
शनि	04/02/2026	गुरु	08/04/2027	शुक्र	12/10/2029	सूर्य	11/04/2032	चंद्र	23/01/2035
गुरु	24/03/2026	राहु	11/06/2027	सूर्य	19/12/2029	चंद्र	27/07/2032	मंगल	03/05/2035
राहु	23/04/2026	शुक्र	01/10/2027	चंद्र	07/06/2030	मंगल	22/09/2032	बुध	01/12/2035
शुक्र	15/06/2026	सूर्य	02/11/2027	मंगल	05/09/2030	बुध	21/01/2033	शनि	04/04/2036
सूर्य	30/06/2026	चंद्र	21/01/2028	बुध	16/03/2031	शनि	03/04/2033	गुरु	28/11/2036
चंद्र	06/08/2026	मंगल	03/03/2028	शनि	07/07/2031	गुरु	16/08/2033	राहु	27/04/2037

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि	
27/04/2037		17/05/2038		05/01/2041		03/06/2042		30/05/2045	
17/05/2038		05/01/2041		03/06/2042		30/05/2045		04/03/2047	
सूर्य	18/05/2037	चंद्र	28/09/2038	मंगल	12/02/2041	बुध	22/11/2042	शनि	29/07/2045
चंद्र	11/07/2037	मंगल	08/12/2038	बुध	04/05/2041	शनि	03/03/2043	गुरु	19/11/2045
मंगल	08/08/2037	बुध	09/05/2039	शनि	21/06/2041	गुरु	11/09/2043	राहु	29/01/2046
बुध	08/10/2037	शनि	06/08/2039	गुरु	19/09/2041	राहु	11/01/2044	शुक्र	03/06/2046
शनि	13/11/2037	गुरु	23/01/2040	राहु	15/11/2041	शुक्र	10/08/2044	सूर्य	09/07/2046
गुरु	19/01/2038	राहु	09/05/2040	शुक्र	23/02/2042	सूर्य	10/10/2044	चंद्र	06/10/2046
राहु	03/03/2038	शुक्र	13/11/2040	सूर्य	24/03/2042	चंद्र	11/03/2045	मंगल	23/11/2046
शुक्र	17/05/2038	सूर्य	05/01/2041	चंद्र	03/06/2042	मंगल	30/05/2045	बुध	04/03/2047

राहु - राहु		राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल	
04/03/2047		03/07/2048		02/11/2050		04/07/2051		04/03/2053	
03/07/2048		02/11/2050		04/07/2051		04/03/2053		22/01/2054	
राहु	27/04/2047	शुक्र	16/12/2048	सूर्य	16/11/2050	चंद्र	26/09/2051	मंगल	28/03/2053
शुक्र	31/07/2047	सूर्य	01/02/2049	चंद्र	20/12/2050	मंगल	10/11/2051	बुध	18/05/2053
सूर्य	27/08/2047	चंद्र	30/05/2049	मंगल	07/01/2051	बुध	14/02/2052	शनि	17/06/2053
चंद्र	03/11/2047	मंगल	02/08/2049	बुध	14/02/2051	शनि	11/04/2052	गुरु	13/08/2053
मंगल	09/12/2047	बुध	14/12/2049	शनि	09/03/2051	गुरु	27/07/2052	राहु	18/09/2053
बुध	23/02/2048	शनि	03/03/2050	गुरु	20/04/2051	राहु	02/10/2052	शुक्र	20/11/2053
शनि	08/04/2048	गुरु	31/07/2050	राहु	17/05/2051	शुक्र	29/01/2053	सूर्य	08/12/2053
गुरु	03/07/2048	राहु	02/11/2050	शुक्र	04/07/2051	सूर्य	04/03/2053	चंद्र	22/01/2054

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - बुध		राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य	
22/01/2054		13/12/2055		22/01/2057		04/03/2059		03/04/2063	
13/12/2055		22/01/2057		04/03/2059		03/04/2063		03/06/2064	
बुध	11/05/2054	शनि	20/01/2056	गुरु	07/06/2057	शुक्र	19/12/2059	सूर्य	27/04/2063
शनि	14/07/2054	गुरु	31/03/2056	राहु	31/08/2057	सूर्य	11/03/2060	चंद्र	25/06/2063
गुरु	12/11/2054	राहु	15/05/2056	शुक्र	28/01/2058	चंद्र	04/10/2060	मंगल	27/07/2063
राहु	28/01/2055	शुक्र	02/08/2056	सूर्य	12/03/2058	मंगल	23/01/2061	बुध	02/10/2063
शुक्र	11/06/2055	सूर्य	25/08/2056	चंद्र	27/06/2058	बुध	14/09/2061	शनि	10/11/2063
सूर्य	19/07/2055	चंद्र	20/10/2056	मंगल	23/08/2058	शनि	30/01/2062	गुरु	24/01/2064
चंद्र	23/10/2055	मंगल	19/11/2056	बुध	23/12/2058	गुरु	20/10/2062	राहु	12/03/2064
मंगल	13/12/2055	बुध	22/01/2057	शनि	04/03/2059	राहु	03/04/2063	शुक्र	03/06/2064

शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु	
03/06/2064		04/05/2067		22/11/2068		13/03/2072		22/02/2074	
04/05/2067		22/11/2068		13/03/2072		22/02/2074		02/11/2077	
चंद्र	29/10/2064	मंगल	15/06/2067	बुध	31/05/2069	शनि	18/05/2072	गुरु	17/10/2074
मंगल	15/01/2065	बुध	12/09/2067	शनि	20/09/2069	गुरु	20/09/2072	राहु	16/03/2075
बुध	02/07/2065	शनि	04/11/2067	गुरु	20/04/2070	राहु	08/12/2072	शुक्र	03/12/2075
शनि	09/10/2065	गुरु	12/02/2068	राहु	01/09/2070	शुक्र	25/04/2073	सूर्य	16/02/2076
गुरु	14/04/2066	राहु	15/04/2068	शुक्र	24/04/2071	सूर्य	04/06/2073	चंद्र	22/08/2076
राहु	11/08/2066	शुक्र	04/08/2068	सूर्य	30/06/2071	चंद्र	10/09/2073	मंगल	30/11/2076
शुक्र	06/03/2067	सूर्य	04/09/2068	चंद्र	15/12/2071	मंगल	02/11/2073	बुध	30/06/2077
सूर्य	04/05/2067	चंद्र	22/11/2068	मंगल	13/03/2072	बुध	22/02/2074	शनि	02/11/2077

शुक्र - राहु		सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - बुध	
02/11/2077		03/03/2080		03/07/2080		03/05/2081		13/10/2081	
03/03/2080		03/07/2080		03/05/2081		13/10/2081		23/09/2082	
राहु	05/02/2078	सूर्य	10/03/2080	चंद्र	14/08/2080	मंगल	15/05/2081	बुध	06/12/2081
शुक्र	20/07/2078	चंद्र	27/03/2080	मंगल	06/09/2080	बुध	10/06/2081	शनि	07/01/2082
सूर्य	06/09/2078	मंगल	05/04/2080	बुध	24/10/2080	शनि	25/06/2081	गुरु	09/03/2082
चंद्र	02/01/2079	बुध	24/04/2080	शनि	21/11/2080	गुरु	24/07/2081	राहु	16/04/2082
मंगल	06/03/2079	शनि	05/05/2080	गुरु	14/01/2081	राहु	11/08/2081	शुक्र	22/06/2082
बुध	18/07/2079	गुरु	27/05/2080	राहु	16/02/2081	शुक्र	11/09/2081	सूर्य	11/07/2082
शनि	05/10/2079	राहु	09/06/2080	शुक्र	17/04/2081	सूर्य	20/09/2081	चंद्र	28/08/2082
गुरु	03/03/2080	शुक्र	03/07/2080	सूर्य	03/05/2081	चंद्र	13/10/2081	मंगल	23/09/2082

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - शनि		सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
23/09/2082		14/04/2083		03/05/2084		02/01/2085		04/03/2086	
14/04/2083		03/05/2084		02/01/2085		04/03/2086		03/04/2088	
शनि	11/10/2082	गुरु	20/06/2083	राहु	30/05/2084	शुक्र	26/03/2085	चंद्र	17/06/2086
गुरु	16/11/2082	राहु	02/08/2083	शुक्र	17/07/2084	सूर्य	18/04/2085	मंगल	13/08/2086
राहु	09/12/2082	शुक्र	16/10/2083	सूर्य	30/07/2084	चंद्र	16/06/2085	बुध	11/12/2086
शुक्र	17/01/2083	सूर्य	07/11/2083	चंद्र	02/09/2084	मंगल	18/07/2085	शनि	19/02/2087
सूर्य	28/01/2083	चंद्र	30/12/2083	मंगल	20/09/2084	बुध	23/09/2085	गुरु	03/07/2087
चंद्र	26/02/2083	मंगल	28/01/2084	बुध	28/10/2084	शनि	01/11/2085	राहु	25/09/2087
मंगल	13/03/2083	बुध	28/03/2084	शनि	20/11/2084	गुरु	15/01/2086	शुक्र	20/02/2088
बुध	14/04/2083	शनि	03/05/2084	गुरु	02/01/2085	राहु	04/03/2086	सूर्य	03/04/2088

चंद्र - मंगल		चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु		चंद्र - राहु	
03/04/2088		14/05/2089		23/09/2091		11/02/2093		03/10/2095	
14/05/2089		23/09/2091		11/02/2093		03/10/2095		03/06/2097	
मंगल	03/05/2088	बुध	26/09/2089	शनि	09/11/2091	गुरु	31/07/2093	राहु	10/12/2095
बुध	06/07/2088	शनि	15/12/2089	गुरु	06/02/2092	राहु	15/11/2093	शुक्र	06/04/2096
शनि	12/08/2088	गुरु	16/05/2090	राहु	03/04/2092	शुक्र	21/05/2094	सूर्य	10/05/2096
गुरु	23/10/2088	राहु	20/08/2090	शुक्र	10/07/2092	सूर्य	14/07/2094	चंद्र	02/08/2096
राहु	07/12/2088	शुक्र	03/02/2091	सूर्य	07/08/2092	चंद्र	25/11/2094	मंगल	17/09/2096
शुक्र	24/02/2089	सूर्य	23/03/2091	चंद्र	17/10/2092	मंगल	04/02/2095	बुध	21/12/2096
सूर्य	18/03/2089	चंद्र	21/07/2091	मंगल	23/11/2092	बुध	06/07/2095	शनि	16/02/2097
चंद्र	14/05/2089	मंगल	23/09/2091	बुध	11/02/2093	शनि	03/10/2095	गुरु	03/06/2097

चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध		मंगल - शनि	
03/06/2097		04/05/2100		05/03/2101		07/10/2101		10/01/2103	
04/05/2100		05/03/2101		07/10/2101		10/01/2103		07/10/2103	
शुक्र	27/12/2097	सूर्य	21/05/2100	मंगल	21/03/2101	बुध	18/12/2101	शनि	04/02/2103
सूर्य	24/02/2098	चंद्र	02/07/2100	बुध	24/04/2101	शनि	30/01/2102	गुरु	24/03/2103
चंद्र	22/07/2098	मंगल	25/07/2100	शनि	14/05/2101	गुरु	21/04/2102	राहु	23/04/2103
मंगल	09/10/2098	बुध	11/09/2100	गुरु	21/06/2101	राहु	11/06/2102	शुक्र	14/06/2103
बुध	26/03/2099	शनि	09/10/2100	राहु	15/07/2101	शुक्र	08/09/2102	सूर्य	29/06/2103
शनि	02/07/2099	गुरु	02/12/2100	शुक्र	26/08/2101	सूर्य	04/10/2102	चंद्र	06/08/2103
गुरु	06/01/2100	राहु	04/01/2101	सूर्य	07/09/2101	चंद्र	07/12/2102	मंगल	26/08/2103
राहु	04/05/2100	शुक्र	05/03/2101	चंद्र	07/10/2101	मंगल	10/01/2103	बुध	07/10/2103

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : पिंगला 0 वर्ष 9 मास 5 दिन

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
25/02/2000		30/11/2000		01/12/2003		01/12/2007		30/11/2012	
30/11/2000		01/12/2003		01/12/2007		30/11/2012		01/12/2018	
	00/00/0000	धांय	02/03/2001	भ्राम	11/05/2004	भद्रि	11/08/2008	उल्क	01/12/2013
	00/00/0000	भ्राम	01/07/2001	भद्रि	30/11/2004	उल्क	11/06/2009	सिद्ध	31/01/2015
	00/00/0000	भद्रि	01/12/2001	उल्क	01/08/2005	सिद्ध	01/06/2010	संक	01/06/2016
	00/00/0000	उल्क	01/06/2002	सिद्ध	12/05/2006	संक	12/07/2011	मंग	01/08/2016
	25/02/2000	सिद्ध	31/12/2002	संक	02/04/2007	मंग	01/09/2011	पिंग	30/11/2016
सिद्ध	01/06/2000	संक	01/09/2003	मंग	12/05/2007	पिंग	11/12/2011	धांय	01/06/2017
संक	10/11/2000	मंग	01/10/2003	पिंग	01/08/2007	धांय	11/05/2012	भ्राम	30/01/2018
मंग	30/11/2000	पिंग	01/12/2003	धांय	01/12/2007	भ्राम	30/11/2012	भद्रि	01/12/2018

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
01/12/2018		01/12/2025		01/12/2033		01/12/2034		30/11/2036	
01/12/2025		01/12/2033		01/12/2034		30/11/2036		01/12/2039	
सिद्ध	11/04/2020	संक	11/09/2027	मंग	11/12/2033	पिंग	10/01/2035	धांय	02/03/2037
संक	31/10/2021	मंग	01/12/2027	पिंग	31/12/2033	धांय	12/03/2035	भ्राम	01/07/2037
मंग	10/01/2022	पिंग	11/05/2028	धांय	30/01/2034	भ्राम	01/06/2035	भद्रि	01/12/2037
पिंग	01/06/2022	धांय	10/01/2029	भ्राम	12/03/2034	भद्रि	11/09/2035	उल्क	01/06/2038
धांय	31/12/2022	भ्राम	01/12/2029	भद्रि	02/05/2034	उल्क	11/01/2036	सिद्ध	31/12/2038
भ्राम	11/10/2023	भद्रि	10/01/2031	उल्क	02/07/2034	सिद्ध	01/06/2036	संक	01/09/2039
भद्रि	30/09/2024	उल्क	11/05/2032	सिद्ध	11/09/2034	संक	10/11/2036	मंग	01/10/2039
उल्क	01/12/2025	सिद्ध	01/12/2033	संक	01/12/2034	मंग	30/11/2036	पिंग	01/12/2039

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष	
01/12/2039		01/12/2043		30/11/2048		01/12/2054		01/12/2061	
01/12/2043		30/11/2048		01/12/2054		01/12/2061		01/12/2069	
भ्राम	11/05/2040	भद्रि	11/08/2044	उल्क	01/12/2049	सिद्ध	11/04/2056	संक	11/09/2063
भद्रि	30/11/2040	उल्क	11/06/2045	सिद्ध	31/01/2051	संक	31/10/2057	मंग	01/12/2063
उल्क	01/08/2041	सिद्ध	01/06/2046	संक	01/06/2052	मंग	10/01/2058	पिंग	11/05/2064
सिद्ध	12/05/2042	संक	12/07/2047	मंग	01/08/2052	पिंग	01/06/2058	धांय	10/01/2065
संक	02/04/2043	मंग	01/09/2047	पिंग	30/11/2052	धांय	31/12/2058	भ्राम	01/12/2065
मंग	12/05/2043	पिंग	11/12/2047	धांय	01/06/2053	भ्राम	11/10/2059	भद्रि	10/01/2067
पिंग	01/08/2043	धांय	11/05/2048	भ्राम	30/01/2054	भद्रि	30/09/2060	उल्क	11/05/2068
धांय	01/12/2043	भ्राम	30/11/2048	भद्रि	01/12/2054	उल्क	01/12/2061	सिद्ध	01/12/2069

मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष	
01/12/2069		01/12/2070		30/11/2072		01/12/2075		01/12/2079	
01/12/2070		30/11/2072		01/12/2075		01/12/2079		30/11/2084	
मंग	11/12/2069	पिंग	10/01/2071	धांय	02/03/2073	भ्राम	11/05/2076	भद्रि	11/08/2080
पिंग	31/12/2069	धांय	12/03/2071	भ्राम	01/07/2073	भद्रि	30/11/2076	उल्क	11/06/2081
धांय	30/01/2070	भ्राम	01/06/2071	भद्रि	01/12/2073	उल्क	01/08/2077	सिद्ध	01/06/2082
भ्राम	12/03/2070	भद्रि	11/09/2071	उल्क	01/06/2074	सिद्ध	12/05/2078	संक	12/07/2083
भद्रि	02/05/2070	उल्क	11/01/2072	सिद्ध	31/12/2074	संक	02/04/2079	मंग	01/09/2083
उल्क	02/07/2070	सिद्ध	01/06/2072	संक	01/09/2075	मंग	12/05/2079	पिंग	11/12/2083
सिद्ध	11/09/2070	संक	10/11/2072	मंग	01/10/2075	पिंग	01/08/2079	धांय	11/05/2084
संक	01/12/2070	मंग	30/11/2072	पिंग	01/12/2075	धांय	01/12/2079	भ्राम	30/11/2084

उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष	
30/11/2084		01/12/2090		01/12/2097		02/12/2105		02/12/2106	
01/12/2090		01/12/2097		02/12/2105		02/12/2106		00/00/0000	
उल्क	01/12/2085	सिद्ध	11/04/2092	संक	11/09/2099	मंग	12/12/2105	पिंग	11/01/2107
सिद्ध	31/01/2087	संक	31/10/2093	मंग	01/12/2099	पिंग	01/01/2106	धांय	13/03/2107
संक	01/06/2088	मंग	10/01/2094	पिंग	12/05/2100	धांय	31/01/2106	भ्राम	02/06/2107
मंग	01/08/2088	पिंग	01/06/2094	धांय	11/01/2101	भ्राम	13/03/2106	भद्रि	12/09/2107
पिंग	30/11/2088	धांय	31/12/2094	भ्राम	02/12/2101	भद्रि	03/05/2106	उल्क	12/01/2108
धांय	01/06/2089	भ्राम	11/10/2095	भद्रि	11/01/2103	उल्क	03/07/2106	सिद्ध	26/02/2108
भ्राम	30/01/2090	भद्रि	30/09/2096	उल्क	12/05/2104	सिद्ध	12/09/2106		00/00/0000
भद्रि	01/12/2090	उल्क	01/12/2097	सिद्ध	02/12/2105	संक	02/12/2106		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

संक - संक		संक - मंग		संक - पिंग		संक - धांय		संक - भ्राम	
01/12/2025		11/09/2027		01/12/2027		11/05/2028		10/01/2029	
11/09/2027		01/12/2027		11/05/2028		10/01/2029		01/12/2029	
संक	24/04/2026	मंग	13/09/2027	पिंग	10/12/2027	धांय	01/06/2028	भ्राम	15/02/2029
मंग	12/05/2026	पिंग	18/09/2027	धांय	24/12/2027	भ्राम	28/06/2028	भद्रि	01/04/2029
पिंग	17/06/2026	धांय	24/09/2027	भ्राम	11/01/2028	भद्रि	01/08/2028	उल्क	25/05/2029
धांय	10/08/2026	भ्राम	03/10/2027	भद्रि	02/02/2028	उल्क	10/09/2028	सिद्ध	27/07/2029
भ्राम	21/10/2026	भद्रि	15/10/2027	उल्क	29/02/2028	सिद्ध	27/10/2028	संक	07/10/2029
भद्रि	19/01/2027	उल्क	28/10/2027	सिद्ध	01/04/2028	संक	21/12/2028	मंग	16/10/2029
उल्क	08/05/2027	सिद्ध	13/11/2027	संक	07/05/2028	मंग	27/12/2028	पिंग	03/11/2029
सिद्ध	11/09/2027	संक	01/12/2027	मंग	11/05/2028	पिंग	10/01/2029	धांय	01/12/2029

संक - भद्रि		संक - उल्क		संक - सिद्ध		मंग - मंग		मंग - पिंग	
01/12/2029		10/01/2031		11/05/2032		01/12/2033		11/12/2033	
10/01/2031		11/05/2032		01/12/2033		11/12/2033		31/12/2033	
भद्रि	26/01/2030	उल्क	02/04/2031	सिद्ध	30/08/2032	मंग	01/12/2033	पिंग	12/12/2033
उल्क	04/04/2030	सिद्ध	05/07/2031	संक	03/01/2033	पिंग	01/12/2033	धांय	13/12/2033
सिद्ध	21/06/2030	संक	21/10/2031	मंग	19/01/2033	धांय	02/12/2033	भ्राम	16/12/2033
संक	20/09/2030	मंग	04/11/2031	पिंग	19/02/2033	भ्राम	03/12/2033	भद्रि	19/12/2033
मंग	01/10/2030	पिंग	01/12/2031	धांय	08/04/2033	भद्रि	05/12/2033	उल्क	22/12/2033
पिंग	23/10/2030	धांय	11/01/2032	भ्राम	10/06/2033	उल्क	06/12/2033	सिद्ध	26/12/2033
धांय	26/11/2030	भ्राम	05/03/2032	भद्रि	28/08/2033	सिद्ध	08/12/2033	संक	30/12/2033
भ्राम	10/01/2031	भद्रि	11/05/2032	उल्क	01/12/2033	संक	11/12/2033	मंग	31/12/2033

मंग - धांय		मंग - भ्राम		मंग - भद्रि		मंग - उल्क		मंग - सिद्ध	
31/12/2033		30/01/2034		12/03/2034		02/05/2034		02/07/2034	
30/01/2034		12/03/2034		02/05/2034		02/07/2034		11/09/2034	
धांय	03/01/2034	भ्राम	04/02/2034	भद्रि	19/03/2034	उल्क	12/05/2034	सिद्ध	15/07/2034
भ्राम	06/01/2034	भद्रि	10/02/2034	उल्क	27/03/2034	सिद्ध	24/05/2034	संक	31/07/2034
भद्रि	10/01/2034	उल्क	16/02/2034	सिद्ध	06/04/2034	संक	06/06/2034	मंग	02/08/2034
उल्क	15/01/2034	सिद्ध	24/02/2034	संक	18/04/2034	मंग	08/06/2034	पिंग	06/08/2034
सिद्ध	21/01/2034	संक	05/03/2034	मंग	19/04/2034	पिंग	11/06/2034	धांय	12/08/2034
संक	28/01/2034	मंग	06/03/2034	पिंग	22/04/2034	धांय	16/06/2034	भ्राम	20/08/2034
मंग	29/01/2034	पिंग	09/03/2034	धांय	26/04/2034	भ्राम	23/06/2034	भद्रि	30/08/2034
पिंग	30/01/2034	धांय	12/03/2034	भ्राम	02/05/2034	भद्रि	02/07/2034	उल्क	11/09/2034

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

मंग - संक		पिंग - पिंग		पिंग - धांय		पिंग - भ्राम		पिंग - भद्रि	
11/09/2034		01/12/2034		10/01/2035		12/03/2035		01/06/2035	
01/12/2034		10/01/2035		12/03/2035		01/06/2035		11/09/2035	
संक	29/09/2034	पिंग	03/12/2034	धांय	15/01/2035	भ्राम	21/03/2035	भद्रि	15/06/2035
मंग	01/10/2034	धांय	06/12/2034	भ्राम	22/01/2035	भद्रि	02/04/2035	उल्क	02/07/2035
पिंग	05/10/2034	भ्राम	11/12/2034	भद्रि	31/01/2035	उल्क	15/04/2035	सिद्ध	22/07/2035
धांय	12/10/2034	भद्रि	17/12/2034	उल्क	10/02/2035	सिद्ध	01/05/2035	संक	14/08/2035
भ्राम	21/10/2034	उल्क	23/12/2034	सिद्ध	22/02/2035	संक	19/05/2035	मंग	17/08/2035
भद्रि	01/11/2034	सिद्ध	31/12/2034	संक	07/03/2035	मंग	21/05/2035	पिंग	22/08/2035
उल्क	15/11/2034	संक	09/01/2035	मंग	09/03/2035	पिंग	26/05/2035	धांय	31/08/2035
सिद्ध	01/12/2034	मंग	10/01/2035	पिंग	12/03/2035	धांय	01/06/2035	भ्राम	11/09/2035

पिंग - उल्क		पिंग - सिद्ध		पिंग - संक		पिंग - मंग		धांय - धांय	
11/09/2035		11/01/2036		01/06/2036		10/11/2036		30/11/2036	
11/01/2036		01/06/2036		10/11/2036		30/11/2036		02/03/2037	
उल्क	01/10/2035	सिद्ध	07/02/2036	संक	07/07/2036	मंग	11/11/2036	धांय	08/12/2036
सिद्ध	25/10/2035	संक	10/03/2036	मंग	11/07/2036	पिंग	12/11/2036	भ्राम	18/12/2036
संक	21/11/2035	मंग	14/03/2036	पिंग	20/07/2036	धांय	13/11/2036	भद्रि	31/12/2036
मंग	24/11/2035	पिंग	22/03/2036	धांय	03/08/2036	भ्राम	16/11/2036	उल्क	15/01/2037
पिंग	01/12/2035	धांय	02/04/2036	भ्राम	21/08/2036	भद्रि	18/11/2036	सिद्ध	02/02/2037
धांय	11/12/2035	भ्राम	18/04/2036	भद्रि	12/09/2036	उल्क	22/11/2036	संक	22/02/2037
भ्राम	25/12/2035	भद्रि	08/05/2036	उल्क	09/10/2036	सिद्ध	26/11/2036	मंग	25/02/2037
भद्रि	11/01/2036	उल्क	01/06/2036	सिद्ध	10/11/2036	संक	30/11/2036	पिंग	02/03/2037

धांय - भ्राम		धांय - भद्रि		धांय - उल्क		धांय - सिद्ध		धांय - संक	
02/03/2037		01/07/2037		01/12/2037		01/06/2038		31/12/2038	
01/07/2037		01/12/2037		01/06/2038		31/12/2038		01/09/2039	
भ्राम	15/03/2037	भद्रि	22/07/2037	उल्क	31/12/2037	सिद्ध	13/07/2038	संक	23/02/2039
भद्रि	01/04/2037	उल्क	17/08/2037	सिद्ध	04/02/2038	संक	29/08/2038	मंग	02/03/2039
उल्क	21/04/2037	सिद्ध	15/09/2037	संक	17/03/2038	मंग	04/09/2038	पिंग	16/03/2039
सिद्ध	15/05/2037	संक	19/10/2037	मंग	22/03/2038	पिंग	16/09/2038	धांय	05/04/2039
संक	11/06/2037	मंग	23/10/2037	पिंग	01/04/2038	धांय	03/10/2038	भ्राम	02/05/2039
मंग	14/06/2037	पिंग	01/11/2037	धांय	17/04/2038	भ्राम	27/10/2038	भद्रि	05/06/2039
पिंग	21/06/2037	धांय	14/11/2037	भ्राम	07/05/2038	भद्रि	26/11/2038	उल्क	15/07/2039
धांय	01/07/2037	भ्राम	01/12/2037	भद्रि	01/06/2038	उल्क	31/12/2038	सिद्ध	01/09/2039

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : मकर 2 वर्ष 1 मास 26 दिन
कुल दशाकाल : 83 वर्ष
तिथि : स्वाति - 3 सव्य
देह : वृष जीव : मिथुन

मकर 4 वर्ष		धनु 10 वर्ष		मेष 7 वर्ष		वृष 16 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष	
25/02/2000		22/04/2002		21/04/2012		22/04/2019		22/04/2035	
22/04/2002		21/04/2012		22/04/2019		22/04/2035		21/04/2044	
	00/00/0000	धनु	06/07/2003	मेष	23/11/2012	वृष	23/05/2022	मिथु	12/04/2036
	00/00/0000	मेष	09/05/2004	वृष	31/03/2014	मिथु	15/02/2024	वृष	06/01/2038
	00/00/0000	वृष	13/04/2006	मिथु	02/01/2015	वृष	18/03/2027	मेष	10/10/2038
	25/02/2000	मिथु	14/05/2007	वृष	09/05/2016	मेष	23/07/2028	मीन	10/11/2039
मिथु	09/07/2000	वृष	17/04/2009	मेष	10/12/2016	मीन	27/06/2030	कुंभ	17/04/2040
वृष	17/04/2001	मेष	19/02/2010	मीन	15/10/2017	कुंभ	04/04/2031	मक	22/09/2040
मेष	18/08/2001	मीन	05/05/2011	कुंभ	15/02/2018	मक	11/01/2032	धनु	23/10/2041
मीन	10/02/2002	कुंभ	28/10/2011	मक	18/06/2018	धनु	15/12/2033	मेष	28/07/2042
कुंभ	22/04/2002	मक	21/04/2012	धनु	22/04/2019	मेष	22/04/2035	वृष	21/04/2044

वृष 16 वर्ष		मेष 7 वर्ष		मीन 10 वर्ष		कुम्भ 4 वर्ष		मकर 4 वर्ष	
21/04/2044		21/04/2060		22/04/2067		21/04/2077		21/04/2081	
21/04/2060		22/04/2067		21/04/2077		21/04/2081		00/00/0000	
वृष	23/05/2047	मेष	23/11/2060	मीन	05/07/2068	कुंभ	01/07/2077	मक	01/07/2081
मेष	27/09/2048	मीन	27/09/2061	कुंभ	28/12/2068	मक	09/09/2077	धनु	24/12/2081
मीन	01/09/2050	कुंभ	28/01/2062	मक	22/06/2069	धनु	04/03/2078	मेष	26/04/2082
कुंभ	09/06/2051	मक	31/05/2062	धनु	05/09/2070	मेष	06/07/2078	वृष	02/02/2083
मक	17/03/2052	धनु	04/04/2063	मेष	10/07/2071	वृष	13/04/2079	मिथु	24/02/2083
धनु	19/02/2054	मेष	06/11/2063	वृष	13/06/2073	मिथु	19/09/2079		00/00/0000
मेष	27/06/2055	वृष	13/03/2065	मिथु	14/07/2074	वृष	26/06/2080		00/00/0000
वृष	28/07/2058	मिथु	15/12/2065	वृष	17/06/2076	मेष	27/10/2080		00/00/0000
मिथु	21/04/2060	वृष	22/04/2067	मेष	21/04/2077	मीन	21/04/2081		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

वृष - वृष		वृष - मेष		वृष - मीन		वृष - कुंभ		वृष - मक	
15/02/2024		18/03/2027		23/07/2028		27/06/2030		04/04/2031	
18/03/2027		23/07/2028		27/06/2030		04/04/2031		11/01/2032	
वृष	19/09/2024	मेष	28/04/2027	मीन	15/10/2028	कुंभ	10/07/2030	मक	18/04/2031
मेष	23/12/2024	मीन	27/06/2027	कुंभ	18/11/2028	मक	24/07/2030	धनु	22/05/2031
मीन	08/05/2025	कुंभ	20/07/2027	मक	22/12/2028	धनु	27/08/2030	मेष	15/06/2031
कुंभ	01/07/2025	मक	13/08/2027	धनु	17/03/2029	मेष	20/09/2030	वृष	08/08/2031
मक	25/08/2025	धनु	12/10/2027	मेष	16/05/2029	वृष	13/11/2030	मिथु	07/09/2031
धनु	07/01/2026	मेष	22/11/2027	वृष	28/09/2029	मिथु	13/12/2030	वृष	01/11/2031
मेष	12/04/2026	वृष	25/02/2028	मिथु	14/12/2029	वृष	06/02/2031	मेष	25/11/2031
वृष	16/11/2026	मिथु	19/04/2028	वृष	28/04/2030	मेष	01/03/2031	मीन	28/12/2031
मिथु	18/03/2027	वृष	23/07/2028	मेष	27/06/2030	मीन	04/04/2031	कुंभ	11/01/2032

वृष - धनु		वृष - मेष		मिथु - मिथु		मिथु - वृष		मिथु - मेष	
11/01/2032		15/12/2033		22/04/2035		12/04/2036		06/01/2038	
15/12/2033		22/04/2035		12/04/2036		06/01/2038		10/10/2038	
धनु	05/04/2032	मेष	26/01/2034	मिथु	31/05/2035	वृष	13/08/2036	मेष	30/01/2038
मेष	03/06/2032	वृष	01/05/2034	वृष	07/08/2035	मेष	05/10/2036	मीन	04/03/2038
वृष	17/10/2032	मिथु	23/06/2034	मेष	06/09/2035	मीन	20/12/2036	कुंभ	17/03/2038
मिथु	01/01/2033	वृष	26/09/2034	मीन	19/10/2035	कुंभ	20/01/2037	मक	31/03/2038
वृष	17/05/2033	मेष	07/11/2034	कुंभ	06/11/2035	मक	19/02/2037	धनु	03/05/2038
मेष	15/07/2033	मीन	05/01/2035	मक	23/11/2035	धनु	07/05/2037	मेष	26/05/2038
मीन	08/10/2033	कुंभ	29/01/2035	धनु	05/01/2036	मेष	29/06/2037	वृष	19/07/2038
कुंभ	11/11/2033	मक	22/02/2035	मेष	04/02/2036	वृष	29/10/2037	मिथु	18/08/2038
मक	15/12/2033	धनु	22/04/2035	वृष	12/04/2036	मिथु	06/01/2038	वृष	10/10/2038

मिथु - मीन		मिथु - कुंभ		मिथु - मक		मिथु - धनु		मिथु - मेष	
10/10/2038		10/11/2039		17/04/2040		22/09/2040		23/10/2041	
10/11/2039		17/04/2040		22/09/2040		23/10/2041		28/07/2042	
मीन	27/11/2038	कुंभ	18/11/2039	मक	24/04/2040	धनु	09/11/2040	मेष	16/11/2041
कुंभ	16/12/2038	मक	26/11/2039	धनु	14/05/2040	मेष	12/12/2040	वृष	08/01/2042
मक	04/01/2039	धनु	15/12/2039	मेष	27/05/2040	वृष	27/02/2041	मिथु	07/02/2042
धनु	21/02/2039	मेष	28/12/2039	वृष	26/06/2040	मिथु	11/04/2041	वृष	02/04/2042
मेष	26/03/2039	वृष	28/01/2040	मिथु	14/07/2040	वृष	26/06/2041	मेष	25/04/2042
वृष	11/06/2039	मिथु	14/02/2040	वृष	13/08/2040	मेष	29/07/2041	मीन	28/05/2042
मिथु	24/07/2039	वृष	15/03/2040	मेष	27/08/2040	मीन	15/09/2041	कुंभ	11/06/2042
वृष	08/10/2039	मेष	29/03/2040	मीन	15/09/2040	कुंभ	04/10/2041	मक	24/06/2042
मेष	10/11/2039	मीन	17/04/2040	कुंभ	22/09/2040	मक	23/10/2041	धनु	28/07/2042

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मिथु - वृष		वृष - वृष		वृष - मेष		वृष - मीन		वृष - कुंभ	
28/07/2042		21/04/2044		23/05/2047		27/09/2048		01/09/2050	
21/04/2044		23/05/2047		27/09/2048		01/09/2050		09/06/2051	
वृष	27/11/2042	वृष	24/11/2044	मेष	03/07/2047	मीन	20/12/2048	कुंभ	14/09/2050
मिथु	03/02/2043	मेष	27/02/2045	मीन	01/09/2047	कुंभ	23/01/2049	मक	28/09/2050
वृष	06/06/2043	मीन	13/07/2045	कुंभ	24/09/2047	मक	26/02/2049	धनु	01/11/2050
मेष	29/07/2043	कुंभ	05/09/2045	मक	18/10/2047	धनु	22/05/2049	मेष	25/11/2050
मीन	13/10/2043	मक	30/10/2045	धनु	17/12/2047	मेष	21/07/2049	वृष	18/01/2051
कुंभ	13/11/2043	धनु	14/03/2046	मेष	27/01/2048	वृष	03/12/2049	मिथु	17/02/2051
मक	13/12/2043	मेष	17/06/2046	वृष	01/05/2048	मिथु	18/02/2050	वृष	13/04/2051
धनु	28/02/2044	वृष	21/01/2047	मिथु	24/06/2048	वृष	03/07/2050	मेष	06/05/2051
मेष	21/04/2044	मिथु	23/05/2047	वृष	27/09/2048	मेष	01/09/2050	मीन	09/06/2051

वृष - मक		वृष - धनु		वृष - मेष		वृष - वृष		वृष - मिथु	
09/06/2051		17/03/2052		19/02/2054		27/06/2055		28/07/2058	
17/03/2052		19/02/2054		27/06/2055		28/07/2058		21/04/2060	
मक	23/06/2051	धनु	10/06/2052	मेष	02/04/2054	वृष	30/01/2056	मिथु	04/10/2058
धनु	27/07/2051	मेष	08/08/2052	वृष	06/07/2054	मिथु	31/05/2056	वृष	03/02/2059
मेष	20/08/2051	वृष	22/12/2052	मिथु	28/08/2054	वृष	03/01/2057	मेष	29/03/2059
वृष	13/10/2051	मिथु	08/03/2053	वृष	01/12/2054	मेष	09/04/2057	मीन	13/06/2059
मिथु	12/11/2051	वृष	22/07/2053	मेष	12/01/2055	मीन	22/08/2057	कुंभ	14/07/2059
वृष	06/01/2052	मेष	19/09/2053	मीन	12/03/2055	कुंभ	16/10/2057	मक	13/08/2059
मेष	30/01/2052	मीन	13/12/2053	कुंभ	05/04/2055	मक	09/12/2057	धनु	29/10/2059
मीन	03/03/2052	कुंभ	16/01/2054	मक	29/04/2055	धनु	24/04/2058	मेष	21/12/2059
कुंभ	17/03/2052	मक	19/02/2054	धनु	27/06/2055	मेष	28/07/2058	वृष	21/04/2060

मेष - मेष		मेष - मीन		मेष - कुंभ		मेष - मक		मेष - धनु	
21/04/2060		23/11/2060		27/09/2061		28/01/2062		31/05/2062	
23/11/2060		27/09/2061		28/01/2062		31/05/2062		04/04/2063	
मेष	09/05/2060	मीन	30/12/2060	कुंभ	03/10/2061	मक	03/02/2062	धनु	07/07/2062
मीन	04/06/2060	कुंभ	14/01/2061	मक	09/10/2061	धनु	18/02/2062	मेष	02/08/2062
कुंभ	15/06/2060	मक	29/01/2061	धनु	24/10/2061	मेष	28/02/2062	वृष	01/10/2062
मक	25/06/2060	धनु	07/03/2061	मेष	03/11/2061	वृष	24/03/2062	मिथु	03/11/2062
धनु	21/07/2060	मेष	02/04/2061	वृष	27/11/2061	मिथु	06/04/2062	वृष	02/01/2063
मेष	08/08/2060	वृष	31/05/2061	मिथु	10/12/2061	वृष	30/04/2062	मेष	28/01/2063
वृष	19/09/2060	मिथु	04/07/2061	वृष	03/01/2062	मेष	11/05/2062	मीन	06/03/2063
मिथु	12/10/2060	वृष	01/09/2061	मेष	13/01/2062	मीन	25/05/2062	कुंभ	21/03/2063
वृष	23/11/2060	मेष	27/09/2061	मीन	28/01/2062	कुंभ	31/05/2062	मक	04/04/2063

चर दशा

भोग्य दशा काल : तुला 3 वर्ष 0 मास 0 दिन

तुला 3 वर्ष	
25/02/2000	
24/02/2003	
वृश्चि	26/05/2000
धनु	25/08/2000
मक	24/11/2000
कुंभ	24/02/2001
मीन	26/05/2001
मेष	25/08/2001
वृष	25/11/2001
मिथु	24/02/2002
कर्क	26/05/2002
सिंह	26/08/2002
कन्या	25/11/2002
तुला	24/02/2003

वृश्चिक 2 वर्ष	
24/02/2003	
24/02/2005	
तुला	26/04/2003
कन्या	26/06/2003
सिंह	26/08/2003
कर्क	26/10/2003
मिथु	26/12/2003
वृष	25/02/2004
मेष	25/04/2004
मीन	25/06/2004
कुंभ	25/08/2004
मक	25/10/2004
धनु	25/12/2004
वृश्चि	24/02/2005

धनु 4 वर्ष	
24/02/2005	
24/02/2009	
वृश्चि	26/06/2005
तुला	25/10/2005
कन्या	24/02/2006
सिंह	26/06/2006
कर्क	26/10/2006
मिथु	24/02/2007
वृष	26/06/2007
मेष	26/10/2007
मीन	25/02/2008
कुंभ	25/06/2008
मक	25/10/2008
धनु	24/02/2009

मकर 9 वर्ष	
24/02/2009	
24/02/2018	
धनु	25/11/2009
वृश्चि	26/08/2010
तुला	27/05/2011
कन्या	25/02/2012
सिंह	24/11/2012
कर्क	25/08/2013
मिथु	26/05/2014
वृष	24/02/2015
मेष	25/11/2015
मीन	25/08/2016
कुंभ	26/05/2017
मक	24/02/2018

कुम्भ 10 वर्ष	
24/02/2018	
25/02/2028	
मीन	25/12/2018
मेष	26/10/2019
वृष	25/08/2020
मिथु	26/06/2021
कर्क	26/04/2022
सिंह	24/02/2023
कन्या	26/12/2023
तुला	25/10/2024
वृश्चि	25/08/2025
धनु	26/06/2026
मक	26/04/2027
कुंभ	25/02/2028

मीन 11 वर्ष	
25/02/2028	
24/02/2039	
मेष	24/01/2029
वृष	25/12/2029
मिथु	25/11/2030
कर्क	26/10/2031
सिंह	25/09/2032
कन्या	25/08/2033
तुला	26/07/2034
वृश्चि	26/06/2035
धनु	26/05/2036
मक	26/04/2037
कुंभ	26/03/2038
मीन	24/02/2039

मेष 11 वर्ष	
24/02/2039	
24/02/2050	
वृष	25/01/2040
मिथु	25/12/2040
कर्क	25/11/2041
सिंह	26/10/2042
कन्या	25/09/2043
तुला	25/08/2044
वृश्चि	26/07/2045
धनु	26/06/2046
मक	27/05/2047
कुंभ	25/04/2048
मीन	26/03/2049
मेष	24/02/2050

वृष 8 वर्ष	
24/02/2050	
24/02/2058	
मेष	26/10/2050
मीन	26/06/2051
कुंभ	25/02/2052
मक	25/10/2052
धनु	26/06/2053
वृश्चि	24/02/2054
तुला	26/10/2054
कन्या	26/06/2055
सिंह	25/02/2056
कर्क	25/10/2056
मिथु	26/06/2057
वृष	24/02/2058

मिथुन 8 वर्ष	
24/02/2058	
24/02/2066	
वृष	26/10/2058
मेष	26/06/2059
मीन	25/02/2060
कुंभ	25/10/2060
मक	26/06/2061
धनु	24/02/2062
वृश्चि	26/10/2062
तुला	26/06/2063
कन्या	25/02/2064
सिंह	25/10/2064
कर्क	26/06/2065
मिथु	24/02/2066

कर्क 9 वर्ष	
24/02/2066	
24/02/2075	
मिथु	25/11/2066
वृष	26/08/2067
मेष	26/05/2068
मीन	24/02/2069
कुंभ	25/11/2069
मक	26/08/2070
धनु	27/05/2071
वृश्चि	25/02/2072
तुला	24/11/2072
कन्या	25/08/2073
सिंह	26/05/2074
कर्क	24/02/2075

सिंह 6 वर्ष	
24/02/2075	
24/02/2081	
कन्या	26/08/2075
तुला	25/02/2076
वृश्चि	25/08/2076
धनु	24/02/2077
मक	25/08/2077
कुंभ	24/02/2078
मीन	26/08/2078
मेष	24/02/2079
वृष	26/08/2079
मिथु	25/02/2080
कर्क	25/08/2080
सिंह	24/02/2081

कन्या 7 वर्ष	
24/02/2081	
25/02/2088	
तुला	25/09/2081
वृश्चि	26/04/2082
धनु	25/11/2082
मक	26/06/2083
कुंभ	25/01/2084
मीन	25/08/2084
मेष	26/03/2085
वृष	25/10/2085
मिथु	26/05/2086
कर्क	25/12/2086
सिंह	26/07/2087
कन्या	25/02/2088

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

कुंभ - धनु		कुंभ - मक		कुंभ - कुंभ		मीन - मेष		मीन - वृष	
25/08/2025		26/06/2026		26/04/2027		25/02/2028		24/01/2029	
26/06/2026		26/04/2027		25/02/2028		24/01/2029		25/12/2029	
वृश्चि	20/09/2025	धनु	21/07/2026	मीन	21/05/2027	वृष	23/03/2028	मेष	21/02/2029
तुला	15/10/2025	वृश्चि	15/08/2026	मेष	16/06/2027	मिथु	20/04/2028	मीन	21/03/2029
कन्या	09/11/2025	तुला	10/09/2026	वृष	11/07/2027	कर्क	18/05/2028	कुंभ	18/04/2029
सिंह	05/12/2025	कन्या	05/10/2026	मिथु	06/08/2027	सिंह	15/06/2028	मक	16/05/2029
कर्क	30/12/2025	सिंह	31/10/2026	कर्क	31/08/2027	कन्या	13/07/2028	धनु	13/06/2029
मिथु	25/01/2026	कर्क	25/11/2026	सिंह	25/09/2027	तुला	10/08/2028	वृश्चि	11/07/2029
वृष	19/02/2026	मिथु	20/12/2026	कन्या	21/10/2027	वृश्चि	07/09/2028	तुला	08/08/2029
मेष	16/03/2026	वृष	15/01/2027	तुला	15/11/2027	धनु	05/10/2028	कन्या	05/09/2029
मीन	11/04/2026	मेष	09/02/2027	वृश्चि	10/12/2027	मक	02/11/2028	सिंह	02/10/2029
कुंभ	06/05/2026	मीन	06/03/2027	धनु	05/01/2028	कुंभ	30/11/2028	कर्क	30/10/2029
मक	31/05/2026	कुंभ	01/04/2027	मक	30/01/2028	मीन	27/12/2028	मिथु	27/11/2029
धनु	26/06/2026	मक	26/04/2027	कुंभ	25/02/2028	मेष	24/01/2029	वृष	25/12/2029

मीन - मिथु		मीन - कर्क		मीन - सिंह		मीन - कन्या		मीन - तुला	
25/12/2029		25/11/2030		26/10/2031		25/09/2032		25/08/2033	
25/11/2030		26/10/2031		25/09/2032		25/08/2033		26/07/2034	
वृष	22/01/2030	मिथु	23/12/2030	कन्या	23/11/2031	तुला	22/10/2032	वृश्चि	22/09/2033
मेष	19/02/2030	वृष	20/01/2031	तुला	21/12/2031	वृश्चि	19/11/2032	धनु	20/10/2033
मीन	19/03/2030	मेष	17/02/2031	वृश्चि	17/01/2032	धनु	17/12/2032	मक	17/11/2033
कुंभ	16/04/2030	मीन	17/03/2031	धनु	14/02/2032	मक	14/01/2033	कुंभ	15/12/2033
मक	14/05/2030	कुंभ	13/04/2031	मक	13/03/2032	कुंभ	11/02/2033	मीन	12/01/2034
धनु	11/06/2030	मक	11/05/2031	कुंभ	10/04/2032	मीन	11/03/2033	मेष	09/02/2034
वृश्चि	08/07/2030	धनु	08/06/2031	मीन	08/05/2032	मेष	08/04/2033	वृष	09/03/2034
तुला	05/08/2030	वृश्चि	06/07/2031	मेष	05/06/2032	वृष	06/05/2033	मिथु	06/04/2034
कन्या	02/09/2030	तुला	03/08/2031	वृष	03/07/2032	मिथु	03/06/2033	कर्क	03/05/2034
सिंह	30/09/2030	कन्या	31/08/2031	मिथु	31/07/2032	कर्क	01/07/2033	सिंह	31/05/2034
कर्क	28/10/2030	सिंह	28/09/2031	कर्क	28/08/2032	सिंह	28/07/2033	कन्या	28/06/2034
मिथु	25/11/2030	कर्क	26/10/2031	सिंह	25/09/2032	कन्या	25/08/2033	तुला	26/07/2034

मीन - वृश्चि		मीन - धनु		मीन - मक		मीन - कुंभ		मीन - मीन	
26/07/2034		26/06/2035		26/05/2036		26/04/2037		26/03/2038	
26/06/2035		26/05/2036		26/04/2037		26/03/2038		24/02/2039	
तुला	23/08/2034	वृश्चि	24/07/2035	धनु	23/06/2036	मीन	24/05/2037	मेष	23/04/2038
कन्या	20/09/2034	तुला	21/08/2035	वृश्चि	21/07/2036	मेष	20/06/2037	वृष	21/05/2038
सिंह	18/10/2034	कन्या	18/09/2035	तुला	18/08/2036	वृष	18/07/2037	मिथु	18/06/2038
कर्क	15/11/2034	सिंह	16/10/2035	कन्या	14/09/2036	मिथु	15/08/2037	कर्क	16/07/2038
मिथु	13/12/2034	कर्क	13/11/2035	सिंह	12/10/2036	कर्क	12/09/2037	सिंह	13/08/2038
वृष	10/01/2035	मिथु	10/12/2035	कर्क	09/11/2036	सिंह	10/10/2037	कन्या	10/09/2038
मेष	06/02/2035	वृष	07/01/2036	मिथु	07/12/2036	कन्या	07/11/2037	तुला	08/10/2038
मीन	06/03/2035	मेष	04/02/2036	वृष	04/01/2037	तुला	05/12/2037	वृश्चि	05/11/2038
कुंभ	03/04/2035	मीन	03/03/2036	मेष	01/02/2037	वृश्चि	02/01/2038	धनु	03/12/2038
मक	01/05/2035	कुंभ	31/03/2036	मीन	01/03/2037	धनु	30/01/2038	मक	30/12/2038
धनु	29/05/2035	मक	28/04/2036	कुंभ	29/03/2037	मक	27/02/2038	कुंभ	27/01/2039
वृश्चि	26/06/2035	धनु	26/05/2036	मक	26/04/2037	कुंभ	26/03/2038	मीन	24/02/2039

चर दशा - प्रत्यन्तर

मेष - वृष		मेष - मिथु		मेष - कर्क		मेष - सिंह		मेष - कन्या	
24/02/2039		25/01/2040		25/12/2040		25/11/2041		26/10/2042	
25/01/2040		25/12/2040		25/11/2041		26/10/2042		25/09/2043	
मेष	24/03/2039	वृष	22/02/2040	मिथु	22/01/2041	कन्या	23/12/2041	तुला	22/11/2042
मीन	21/04/2039	मेष	21/03/2040	वृष	19/02/2041	तुला	19/01/2042	वृश्चि	20/12/2042
कुंभ	19/05/2039	मीन	18/04/2040	मेष	19/03/2041	वृश्चि	16/02/2042	धनु	17/01/2043
मक	16/06/2039	कुंभ	16/05/2040	मीन	15/04/2041	धनु	16/03/2042	मक	14/02/2043
धनु	14/07/2039	मक	13/06/2040	कुंभ	13/05/2041	मक	13/04/2042	कुंभ	14/03/2043
वृश्चि	11/08/2039	धनु	10/07/2040	मक	10/06/2041	कुंभ	11/05/2042	मीन	11/04/2043
तुला	08/09/2039	वृश्चि	07/08/2040	धनु	08/07/2041	मीन	08/06/2042	मेष	09/05/2043
कन्या	05/10/2039	तुला	04/09/2040	वृश्चि	05/08/2041	मेष	06/07/2042	वृष	06/06/2043
सिंह	02/11/2039	कन्या	02/10/2040	तुला	02/09/2041	वृष	03/08/2042	मिथु	04/07/2043
कर्क	30/11/2039	सिंह	30/10/2040	कन्या	30/09/2041	मिथु	31/08/2042	कर्क	01/08/2043
मिथु	28/12/2039	कर्क	27/11/2040	सिंह	28/10/2041	कर्क	28/09/2042	सिंह	28/08/2043
वृष	25/01/2040	मिथु	25/12/2040	कर्क	25/11/2041	सिंह	26/10/2042	कन्या	25/09/2043

मेष - तुला		मेष - वृश्चि		मेष - धनु		मेष - मक		मेष - कुंभ	
25/09/2043		25/08/2044		26/07/2045		26/06/2046		27/05/2047	
25/08/2044		26/07/2045		26/06/2046		27/05/2047		25/04/2048	
वृश्चि	23/10/2043	तुला	22/09/2044	वृश्चि	23/08/2045	धनु	24/07/2046	मीन	23/06/2047
धनु	20/11/2043	कन्या	20/10/2044	तुला	20/09/2045	वृश्चि	21/08/2046	मेष	21/07/2047
मक	18/12/2043	सिंह	17/11/2044	कन्या	18/10/2045	तुला	17/09/2046	वृष	18/08/2047
कुंभ	15/01/2044	कर्क	15/12/2044	सिंह	15/11/2045	कन्या	15/10/2046	मिथु	15/09/2047
मीन	12/02/2044	मिथु	12/01/2045	कर्क	12/12/2045	सिंह	12/11/2046	कर्क	13/10/2047
मेष	11/03/2044	वृष	09/02/2045	मिथु	09/01/2046	कर्क	10/12/2046	सिंह	10/11/2047
वृष	08/04/2044	मेष	08/03/2045	वृष	06/02/2046	मिथु	07/01/2047	कन्या	08/12/2047
मिथु	06/05/2044	मीन	05/04/2045	मेष	06/03/2046	वृष	04/02/2047	तुला	05/01/2048
कर्क	02/06/2044	कुंभ	03/05/2045	मीन	03/04/2046	मेष	04/03/2047	वृश्चि	02/02/2048
सिंह	30/06/2044	मक	31/05/2045	कुंभ	01/05/2046	मीन	01/04/2047	धनु	01/03/2048
कन्या	28/07/2044	धनु	28/06/2045	मक	29/05/2046	कुंभ	29/04/2047	मक	28/03/2048
तुला	25/08/2044	वृश्चि	26/07/2045	धनु	26/06/2046	मक	27/05/2047	कुंभ	25/04/2048

मेष - मीन		मेष - मेष		वृष - मेष		वृष - मीन		वृष - कुंभ	
25/04/2048		26/03/2049		24/02/2050		26/10/2050		26/06/2051	
26/03/2049		24/02/2050		26/10/2050		26/06/2051		25/02/2052	
मेष	23/05/2048	वृष	23/04/2049	वृष	16/03/2050	मेष	15/11/2050	मीन	16/07/2051
वृष	20/06/2048	मिथु	21/05/2049	मिथु	06/04/2050	वृष	05/12/2050	मेष	06/08/2051
मिथु	18/07/2048	कर्क	18/06/2049	कर्क	26/04/2050	मिथु	25/12/2050	वृष	26/08/2051
कर्क	15/08/2048	सिंह	16/07/2049	सिंह	16/05/2050	कर्क	15/01/2051	मिथु	15/09/2051
सिंह	12/09/2048	कन्या	13/08/2049	कन्या	05/06/2050	सिंह	04/02/2051	कर्क	05/10/2051
कन्या	10/10/2048	तुला	10/09/2049	तुला	26/06/2050	कन्या	24/02/2051	सिंह	26/10/2051
तुला	07/11/2048	वृश्चि	07/10/2049	वृश्चि	16/07/2050	तुला	17/03/2051	कन्या	15/11/2051
वृश्चि	05/12/2048	धनु	04/11/2049	धनु	05/08/2050	वृश्चि	06/04/2051	तुला	05/12/2051
धनु	01/01/2049	मक	02/12/2049	मक	26/08/2050	धनु	26/04/2051	वृश्चि	26/12/2051
मक	29/01/2049	कुंभ	30/12/2049	कुंभ	15/09/2050	मक	16/05/2051	धनु	15/01/2052
कुंभ	26/02/2049	मीन	27/01/2050	मीन	05/10/2050	कुंभ	06/06/2051	मक	04/02/2052
मीन	26/03/2049	मेष	24/02/2050	मेष	26/10/2050	मीन	26/06/2051	कुंभ	25/02/2052

योग कारक

किसी भी जन्मकुंडली में ग्रह, अपने स्वामित्व तथा स्थिति के अनुसार, सकारात्मक या नकारात्मक फल देते हैं। ये ग्रह विभिन्न दशा काल में भिन्न-भिन्न प्रकार से आचरण करते हैं, जो दशा स्वामी की स्थिति तथा उससे ग्रह के संबंध पर आधारित है। सुविधा के लिए हमने ग्रह के शुभ तत्वों की संगणना प्रतिशत में की है। 50 से अधिक अंक प्राप्त करने वाले ग्रहों को लाभकारक तथा उससे नीचे हानिकारक समझना चाहिए। इस सूचना को आधार बनाकर आप अपनी जन्मकुंडली में दशा के प्रभावों का अध्ययन स्वयं ही कर सकते हैं। इसी तरह इन आंकड़ों द्वारा गोचर के प्रभाव का भी अध्ययन किया जा सकता है।

योग कारक एवं मारक

लग्न के लिए	:	योग कारक	-	शुक्र, शनि, चंद्र
		मारक	-	सूर्य, मंगल, गुरु
जन्मकुंडली के लिए	:	योग कारक	-	चंद्र, शुक्र, राहु
		मारक	-	गुरु, मंगल, शनि

जन्मकुंडली में ग्रह बल

सूर्य	48%	सन्तति सुख, धनार्जन
चन्द्र	73%	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति
मंगल	38%	शत्रु व रोग मुक्ति, दम्पति, धन
बुध	55%	सन्तति सुख, भाग्योदय, कम खर्च
गुरु	36%	दम्पति, पराक्रम, शत्रु व रोग मुक्ति
शुक्र	68%	सुख, दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य
शनि	44%	दम्पति, सुख, सन्तति सुख
राहु	60%	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
केतु	58%	सुख, दम्पति

दशा काल में ग्रह बल

दशा	समाप्ति	सूर्य	चन्द्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राहु	17/01/2007	30	55	41	46	50	65	67	92	35
गुरु	17/01/2023	55	67	50	33	80	54	72	61	61
शनि	16/01/2042	30	42	25	58	68	79	84	73	49
बुध	17/01/2059	86	59	37	90	36	65	40	48	47
केतु	16/01/2066	30	56	50	46	49	96	40	36	91
शुक्र	16/01/2086	30	56	37	58	49	96	65	61	91
सूर्य	17/01/2092	86	84	50	77	49	40	28	36	35
चन्द्र	17/01/2102	71	99	37	75	36	65	40	50	47
मंगल	17/01/2109	55	67	81	33	49	52	40	52	60

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	7
भाग्यांक	2
मित्र अंक	2, 3, 6, 7
शत्रु अंक	4, 5, 8
शुभ वर्ष	25,34,43,52,61
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	मकर, मिथुन
मित्र लग्न	मकर, मिथुन, सिंह
अनुकूल देवता	लक्ष्मी
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	पन्ना
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पन्ना	बुध	89%	सन्तति सुख, भाग्योदय, कम खर्च
मोती	चंद्र	81%	स्वास्थ्य, व्यावसायिक उन्नति
नीलम	शनि	81%	दम्पति, सुख, सन्तति सुख
हीरा	शुक्र	75%	सुख, दुर्घटना से बचाव, स्वास्थ्य
गोमेद	राहु	73%	व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
लहसुनिया	केतु	62%	सुख, दम्पति
माणिक्य	सूर्य	58%	सन्तति सुख, धनार्जन
पुखराज	गुरु	28%	दाम्पत्य कष्ट, पराक्रम हानि, शत्रु व रोग
मूंगा	मंगल	16%	शत्रु व रोग, दाम्पत्य कष्ट, धन हानि

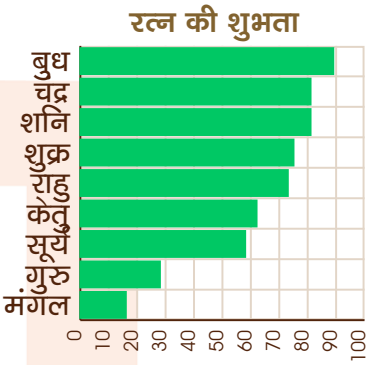

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
राहु	17/01/2007	41%	69%	0%	89%	28%	81%	88%	86%	50%
गुरु	17/01/2023	64%	88%	28%	77%	52%	62%	81%	73%	62%
शनि	16/01/2042	41%	69%	0%	95%	28%	81%	94%	80%	50%
बुध	17/01/2059	64%	69%	16%	100%	28%	81%	81%	73%	62%
केतु	16/01/2066	41%	69%	28%	89%	28%	81%	69%	61%	75%
शुक्र	16/01/2086	41%	69%	16%	95%	28%	88%	88%	80%	69%
सूर्य	17/01/2092	70%	88%	28%	89%	41%	62%	69%	61%	50%
चंद्र	17/01/2102	64%	94%	16%	95%	28%	75%	81%	61%	50%
मंगल	17/01/2109	64%	88%	41%	77%	41%	75%	81%	61%	69%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए पन्ना, मोती, नीलम व हीरा रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

पन्ना आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

हीरा आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

मोती व नीलम रत्न आपके कारक रत्न हैं। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए गोमेद, लहसुनिया एवं माणिक्य रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

पुखराज रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परिक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

मूंगा पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। इस रत्न का आप सर्वदा त्याग ही करें, क्योंकि किसी भी दशा या गोचर में इससे शुभ फल प्राप्त होने की आशा कम ही है। इस रत्न को धारण करने से सामाजिक, आर्थिक व स्वास्थ्य पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो

सकते हैं।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध पंचम भाव में स्थित है। आपको बुध रत्न पन्ना धारण करना चाहिए। पन्ना रत्न आपको प्रसन्नचित्त, कुशाग्रबुद्धि और बुद्धिमान व्यक्ति बनेंगे। रत्न की शुभता से वाद विवाद में कुशल, तर्ककुशल और मधुरभाषी बनेंगे। यह रत्न आपको सदाचारी, धैर्यशील, चरित्रवान और संतोषी बनाएगा। रत्न धारण करने के बाद आप अपनी बुद्धि से धनार्जन करेंगे। यह रत्न आपको अपनी व्यवसायिक बुद्धि और विद्या के कारण एक सुखद जीवन व्यतीत करने में सहयोग करेगा। रत्न प्रभाव आपको लोभ भावना से बचायेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में बुध नवमेश व द्वादशेश है। बुध ग्रह आपके लिए शुभ है। यहां बुध लग्नेश शुक्र का मित्र भी है इसलिए ओर अधिक शुभ हो गया है। इसकी शुभता प्राप्त करने के लिए आप बुध रत्न पन्ना धारण करें। पन्ना रत्न आपके लिए भाग्योदय रत्न सिद्ध हो सकता है। इस रत्न को धारण कर आप दांपत्य जीवन के सुखों में वृद्धि कर सकता है। बुध रत्न पन्ना आपको धर्म, पुण्य, भाग्य, गुरु, देवता, तीर्थ यात्रा, दान इत्यादि विषयों से संलग्न कर सकता है। यह रत्न आपको बौद्धिक कार्यों में भाग्य का सहयोग दे सकता है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का ९ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे - मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न 3 रत्ती का कम से कम, अन्यथा 6 रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते है।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्रमा प्रथम भाव में स्थित है। इसलिए आपको चंद्र रत्न मोती धारण करना चाहिए। चंद्र रत्न मोती धारण करने से आपके अपनी माता से संबंध मजबूत होंगे। मोती रत्न आपको मानसिक शांति देगा। इसके अलावा मोती रत्न आपको व्यवसायिक विवेकशीलता देकर आपके धन प्रवाह को अनुकूल बनाये रखेगा। सप्तम भाव में स्थित तुला राशि पर चन्द्र की दृष्टि होने के कारण आपका जीवनसाथी गुणवान, कला प्रेमी और कलाप्रेमी होगा। साथ ही यह मोती रत्न आपके वैवाहिक जीवन को सुखमय बनाये रखने में सहयोग करेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में चंद्र दशम भाव के स्वामी है। चंद्र आपके लिए शुभ ग्रह है। चंद्र का मोती रत्न धारण करने से आपको कर्म क्षेत्र में अपनी योग्यता दिखाने के अवसर देगा। रत्न शुभता से आपके स्वास्थ्य में अनुकूलता आ सकती है। आजीविका क्षेत्र से जुड़ी मानसिक चिंताओं का समाधान भी यह रत्न कर सकता है। मोती रत्न आपको राजनीति में अग्रणी रखेगा। मोती रत्न व्यवसायिक सफलता, सूझ-बूझ की योग्यता, मनोविश्लेषक, कलात्मक कार्यो से आय प्राप्ति के योग बना सकता है। रत्न शुभता से आपकी धार्मिक प्रवृति का विकास होकर आपको समाजसेवी संगठन या न्यासों के संचालण कार्य से सम्मान दिला सकता है।

मोती रत्न चांदी की अंगूठी में जड़वाकर, कनिष्ठिका अंगूली में, सोमवार को प्रातः काल में धारण करना शुभ है। प्रातः काल की सभी क्रियाओं को करने के बाद इस रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर शुद्ध कर लें। तत्पश्चात इसकी धूप, दीप, फूल से पूजा करने के बाद इसे धारण करना चाहिए। रत्न धारण करने के पश्चात चंद्र मंत्र ऊँ सौं सौमाय नमः का एक माला जाप रुद्राक्ष माला पर करना चाहिए। तदुपरांत चंद्र वस्तुओं जैसे- चावल, चीनी, चांदी, श्वेत वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। मोती रत्न कम से कम ४ रत्ती से १० रत्ती का धारण करना शुभफलकारी होता है।

मोती रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न धारण करने से बचना चाहिए। मोती रत्न अंगूठी रूप के अलावा लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। विशेष आवश्यकता होने पर आप मोती रत्न के उपरत्न जैसे - सफेद मूल स्टोन, सफेद हकीक एवं २ मुखी रुद्राक्ष आदि भी धारण कर सकते है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि सप्तम भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। नीलम रत्न आपके ग्रहस्थ जीवन को सुखमय बनाये रखने का प्रयास करेगा। विवाह के बाद भाग्योदय करेगा। रत्न शुभता आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाये रखने में सहयोग करेगी। आपको ठेकेदारी, कोयला, लोहा, खदानों आदि से जुडे कामों से लाभ मिलेगा। रत्न की शुभता से आपको किसी विदेशी काम या विदेशी माल में एजेन्ट का काम करने से भी लाभ प्राप्त हो सकता है। यह रत्न आपके लिए शुभदायक रहेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में शनि चतुर्थेश एवं पंचमेश है। शनि का रत्न नीलम आपके लिए विशेष रूप से शुभ रत्न है। आप इसे धारण कर शनि की शुभता प्राप्त कर सकते है। नीलम रत्न आपको पौराणिक विषयों से शिक्षा प्राप्ति के अवसर दे सकता है। यह रत्न आपके संतान स्वास्थ्य को प्रबल कर अनुकूल बनाए रखेगा। नीलम रत्न शुभता से आपके अपनी संतान से संबंध मजबूत हो सकते है। ज्ञान प्राप्ति के लिए यह रत्न आपको सर्वोत्तम फल प्रदान कर सकता है। रत्न प्रभाव से कुटुंब में वृद्धि, भूमि-भवन के मामलों में शुभ परिणाम प्राप्त हो सकते है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन

करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

हीरा

आपकी कुंडली में शुक्र चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको शुक्र रत्न हीरा धारण करना चाहिए। रत्न आपको परोपकारी, व्यवहार कुशल, पराक्रमी और प्रसन्नचित्त रहने का स्वभाव देगा। हीरा रत्न प्रभाव से आप दूसरों का हित चाहने वाले, धार्मिक कार्यों में रुचि लेने वाले व्यक्ति बनेंगे। शुक्र रत्न हीरा आपको बुद्धि एवं विद्या दोनो से धनी करेगा। आप मातृ भक्त और मात सेवक बनेंगे। सभी प्रकार के भौतिक सुख साधनों से आप संपन्न रहेंगे। हीरे की शक्तियां अच्छा घर, वाहन, आभूषण, वस्त्र आदि सब प्राप्त करने में सहयोग करेंगी।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में शुक्र लग्नेश एवं अष्टमेश है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए शुभ रहेगा। स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए भी आप हीरा रत्न धारण कर सकते है। शुक्र रत्न हीरा आपके शरीर, आयु, मस्तिष्क, आपका स्वभाव और संपूर्ण व्यक्तित्व को प्रभावशाली बनाये रखने में सहयोगी हो सकता है। हीरा अष्टमेश का भी रत्न होने के कारण आपको मानसिक चिंताओं से बचाएगा, दुर्भाग्य का नाश, ससुराल से मधुर संबंध, अस्पताल आदि विषयों में राहत दे सकता है। अपने स्वास्थ्य और आयुवृद्धि के लिए आप हीरा रत्न धारण कर सकते है।

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु दशम भाव में स्थित है। अतः आप राहु रत्न गोमेद धारण करें। गोमेद रत्न आपको बलवान और निडर बनाएगा। गोमेद की शुभता से आप बुद्धिमान, परोपकारी, सफल, सम्मानित, कीर्तिमान और श्रेष्ठ बनेंगे। रत्न शुभता से आप कार्यक्षेत्र में अपने शत्रुओं को परास्त करने में सफल होंगे। रत्न शुभता आपको व्यापारिक निपुणता और यात्राओं से लाभ देगी। गोमेद रत्न की अनुकूलता आपको अदालती कामों में विजय देगी। इसके अलावा रत्न प्रभाव से आपके कामों में नियमितता आयेगी।

राहु कर्क राशि में स्थित है व इसका स्वामी चन्द्र प्रथम भाव में स्थित है। अतः गोमेद धारण करने से आप शत्रुओं के बल को नष्ट कर उन पर विजय प्राप्त करेंगे। यह रत्न आपको अत्यन्त साहसी और विपुल पराक्रमी बनाएगा तथा रत्न शुभता आपको अपने कुल में मुख्य प्रतापी बनाएगी। आप भूमि का संचय करेंगे। स्वास्थ्य सुख को यह रत्न बेहतर करेगा। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए आपके द्वारा गलत तरीकों का प्रयोग हो सकता है। यह रत्न आपको दृढ़-निश्चयी एवं अधिक बोलने वाला बनाएगा। रत्न शुभता आपकी चातुर्य शक्ति को बढ़ा रही है। इसे धारण करने पर आपका दांपत्य जीवन सुखद होगा।

गोमेद रत्न अष्टधातु से निर्मित अंगूठी को शनिवार के दिन सूर्यास्त काल में सभी प्रकार से स्वयं शुद्ध होकर रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से स्नान करायें। इसके बाद रत्न का धूप, दीप और फूल से पूजन कर मध्यमा अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात राहु मंत्र ऊँ रां राहवे नमः का १०८ बार जाप करें और फिर इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- तिल, तेल, कंबल, नीले वस्त्र आदि का दान करें। गोमेद रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए।

गोमेद रत्न धारण करने के बाद इस रत्न के साथ माणिक्य, मोती एवं मूंगा रत्न धारण करने से बचना चाहिए। अंगूठी रूप में इस रत्न को धारण न कर पाने की स्थिति में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी पहना जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में रत्न के स्थान पर इसके उपरत्न गोमेद या ८ मुखी रुद्राक्ष को भी धारण करना श्रेष्ठकर रहता है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु चतुर्थ भाव में स्थित है। आपको केतु रत्न लहसुनिया या इसके उपरत्न धारण करने चाहिए। लहसुनिया रत्न आपको धन-धान्य से समृद्ध करेगा। आप अपने दायित्वों का निर्वाह कुशलता के साथ करेंगे। आपका उत्साह भाव देखते ही बनेगा। माता सुख में कुछ कमी हो सकती है। रत्न प्रभाव से आप चंचल स्वभाव के हो सकते है। देश विदेश से धनार्जन योगा। पैतृक धन में वृद्धि होगी। आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। घर भूमि भवन के विषयों से सुख की प्राप्ति होगी। लहसुनिया रत्न धारण से केतु ग्रह की शुभता बढ़ती है और अशुभता कम होती है।

केतु मकर राशि में स्थित है व इसका स्वामी शनि सप्तम भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने से आपके वात रोगों में कमी होगी। यह रत्न आपके दाम्पत्य

जीवन को सुखमय बनाएगा। इस रत्न की शुभता से आपके अपने जीवनसाथी से स्नेह और सौहार्द के संबंध प्रगाढ़ होंगे। आपके स्वभाव में मधुरता आएगी। आप बंधुप्रिय, मधुर भाषी और स्वतंत्र व्यवसाय कार्य में सफल होंगे। इस रत्न से आपका अपने साझेदार और साथी पर विश्वास भाव मजबूत होगा। विदेश स्थानों से धन लाभ प्राप्त करना आपके लिए सहज होगा। एवं यह रत्न आपको विदेश में सम्मान दिलाएगा। आपको विदेश भ्रमण के अवसर प्राप्त होंगे।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ऊँ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार है- सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे ल ॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य पंचम भाव में स्थित है। आपको सूर्य माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न आप सदाचार मार्ग का पालन करते है। आप अपने क्रोध पर नियन्त्रण रखने में सफल होंगे। यह रत्न आपको हाजिरजवाब बनायेगा। इसकी शुभता से आपकी लेखन क्षमता का विस्तार होगा। आपकी परामर्श शक्ति का विकास होगा। सूर्य रत्न माणिक्य व्यापार और व्यवसाय को बेहतर करेगा। संतान सुख बढ़ेगा। जीवन के सभी क्षेत्रों में अनुकूल तरक्की होगी। संतान मेधावी और कुल का नाम करती है। माणिक्य रत्न आपके लिए शुभदायक रहेगा।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में सूर्य एकादश भाव के स्वामी है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप सूर्य को बल प्रदान कर सकते है। माणिक्य रत्न धारण करने से आपके शारीरिक बल का विकास होगा। यह माणिक्य रत्न आय क्षेत्रों में आपको प्रभावशाली बना सकता है। रत्न शुभता से आपका आत्मविश्वास उच्च रहेगा। इसके साथ ही यह रत्न आपकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने में भी शुभ रत्न सिद्ध हो सकता है। सूर्य रत्न माणिक्य आपको उच्च पद और सरकारी क्षेत्रों से आय प्राप्ति के साधन उपलब्ध करा सकता है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु सप्तम भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर आपको सरकारी कामों, कचहरी के कामों, मंत्रणा देने का काम, सलाहकार का काम, चित्रकला इत्यादि के कामों में कार्य करने पर परेशानियां दे सकता है. यह रत्न आपको विपरीत लिंग से विमुख कर सकता है। ग्रहस्थ जीवन विषयों में आपकी रुचि कम हो सकती है। आप अपने जीवनसाथी के प्रति अनिष्ठावान हो सकते है। परन्तु फिर भी दांपत्य जीवन को अनुकूल समय न दे पाने के कारण आपके वैवाहिक जीवन में सुख की कमी हो सकती है। पुखराज रत्न आपको धार्मिक क्रियाकलापों में अधिक संलग्न रख सकता है। व्यवसायिक क्षेत्रों में आप अपनी पूरी योग्यता से कार्य नहीं कर पाएगें।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में गुरु तृतीयेश एवं षष्ठेश है। गुरु ग्रह की शुभता में कमी के कारण गुरु रत्न पुखराज की अनुकूलता आपके लिए नहीं बन रही है। अतः इस रत्न को धारण करने पर आपमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। कार्यो को करने से पूर्व ही आपके मन में नकारात्मक भाव आ सकते है। तीसरे भाव के स्वामी का रत्न होने के कारण यह रत्न आपमें साहस और पुरुषार्थ की कमी कर सकता है। योग्यता और कुशलता से धन अर्जित करने में इस रत्न की प्रतिकूलता आपके लिए बनी हुई है। गुरु रत्न पुखराज धारण आपकी उच्च शिक्षा और नौकरी दोनों क्षेत्रों में बेहतर परिणाम प्राप्त करने में परेशानियां दे सकता है। बौद्धिक क्षमता का सहयोग आपको समय पर नहीं मिल पाएगा।

मूंगा

आपकी कुंडली में मंगल छठे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपको प्रसिद्धि की प्रतिकूलता, विद्वानों से शत्रुता, तकनीकी विषयों में अरुचि हो सकती है। अत्यधिक साहस, जोखिम लेने का स्वभाव आपको शारीरिक कष्ट दे सकता है। विरोधियों से कष्ट आपके लिए बने रहेंगे। यह रत्न आपकी नेतृत्व शक्ति को बाधित कर सकता है। प्रतियोगिताओं में असफलता की स्थिति बन सकती है। मूंगा रत्न आपको अधीनस्थों के द्वारा पीड़ित कर सकता है। माता के सुख में कमी के योग बन सकते है। मूंगा रत्न आपको रक्त प्रवाह से संबंधित रोग दे सकता है। शक्ति का दुरुपयोग आपके द्वारा हो सकता है।

आपकी तुला लग्न की कुंडली में मंगल द्वितीय भाव एवं सप्तम भाव के स्वामी है। मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आपको कुटुंब सुख और धन संचय में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। रत्न प्रभाव से आपको परिश्रम और बुद्धि का सहयोग पूर्ण रूप से नहीं

मिल पाएगा। यह रत्न आपको सभा में भाषण देने में संकोच भाव दे सकता है। रत्न प्रभाव से आपका वैवाहिक जीवन कष्टमय हो सकता है। मूंगा रत्न धारण से आपका जीवन साथी अत्यधिक क्रोध करने वाला हो सकता है। रत्न प्रभाव आपके जीवन साथी में अत्यधिक जोश, ऊर्जा और उत्तेजना दे सकता है। इस रत्न को धारण करने के बाद व्यापारिक साझेदार से अनबन हो सकती है। ग्रहस्थ जीवन में तनाव, क्लेश और अंशान्ति की स्थिति बन सकती है।

दशानुसार रत्न विचार

शनि
(17/01/2023 - 16/01/2042)

शनि की दशा में आपका पन्ना, नीलम, हीरा व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

माणिक्य व पुखराज रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

बुध
(16/01/2042 - 17/01/2059)

बुध की दशा में आपका पन्ना, हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

गोमेद, मोती, माणिक्य व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(17/01/2059 - 16/01/2066)

केतु की दशा में आपका पन्ना, हीरा व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती, नीलम व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

माणिक्य, मूंगा व पुखराज रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(16/01/2066 - 16/01/2086)

शुक्र की दशा में आपका पन्ना, हीरा, नीलम व गोमेद रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

मोती व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

माणिक्य व पुखराज रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य
(16/01/2086 - 17/01/2092)

सूर्य की दशा में आपका पन्ना व मोती रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य, नीलम, हीरा, गोमेद व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज व मूंगा रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र
(17/01/2092 - 17/01/2102)

चन्द्र की दशा में आपका पन्ना, मोती, नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य, गोमेद व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

पुखराज रत्न नेष्ट हैं और मूंगा रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल
(17/01/2102 - 17/01/2109)

मंगल की दशा में आपका मोती, नीलम, पन्ना व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने

हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मूंगा व पुखराज रत्न नेष्ट हैं नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के ह्रदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली तुला लग्न की है। तुला लग्न का स्वामी शुक्र होने के कारण आपके व्यक्तित्व में शुक्र का प्रभाव दिखाई देता हैं। आपका स्वभाव सौम्यता लिये होता है। आप व्यवहार पसंद हैं। वायु तत्व होने के कारण आप अक्सर योजनाएं बनाते हुए मिल जाते हैं परन्तु उन पर क्रियान्वयन नहीं कर पाते। आपको भोग विलास की वस्तुओं का उपभोग करना और खरीदना ज्यादा पसंद हो सकता है। नई टेक्नोलॉजी का स्वागत करते है। नये चिन्तन व परीक्षण करने वाले (क्रियटिव) होते हैं और संगीत, गायन, नृत्य, एक्टिंग आदि चीजे पसंद करते हैं।

आप अपनी साज-सज्जा और कपड़ों पर विशेष रूप से ध्यान रखते हैं। आपको वात संबंधी पेरशानी अधिक रहती है। आप बहुत जल्दी ही हर माहौल में समझौता कर लेते हैं।

हमेशा आपका अलग ही रूप देखने को मिलता है। आप मे हाजिर जवाब क्षमता अद्भूत है। आप एक जगह टिक कर नहीं बैठ सकते। आदर्शवादी और साहित्यप्रिय होने के कारण आपकी लेखन क्षमता भी अच्छी होती है।

कुंडली के 12 भावों में से 3 भाव विशेष रूप से अशुभ भाव होने के कारण अनिष्ट करने का सामर्थ्य रखते हैं। 6, 8 व 12 वें भाव को त्रिक भावों के नाम से जाना जाता है। तथा त्रिक भावों को शुभ भाव नहीं कहा जाता है। इन भावों का संबन्ध जिन भी ग्रहों व भावेशों से बनता है उनकी शुभता में कमी आती है। कुंडली के आठवें घर से मृत्यु, दुर्घटना, क्लेश, विघ्न, अकाल मत्यु और परेशानियों का विचार किया जाता है। कुंडली का बारहवां भाव व्यय भाव, हानि भाव, मोक्ष भाव, बंधन भाव तथा शयन भाव के नाम से जाना जाता हैं। त्रिक भावों में यह सबसे अंतिम भाव हैं। उपरोक्त विषयों के अलावा इस भाव से कोर्ट कचहरी, अस्पताल, कारावास आदि का विश्लेषण भी किया जाता हैं। इस भाव में किसी भावेश का बैठना या इस भावेश का किसी ग्रह या भावेश से सम्बन्ध अशुभता समझा जाता हैं।

इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

आपके तुला लग्न के लिए गुरु षष्टेश व तृतीयेश हैं। षष्टेश व तृतीयेश गुरु आपके धन में अल्पता, ऋणग्रस्तता, संतानविरोधी, न्यायालयों में अधिक व्यय, जीवन साथी से अनबन तथा जीवन में समय समय पर धोखो की स्थिति उत्पन्न कर सकता हैं।

शुक्र अष्टमेश व लग्नेश है आप चतुराई से धन-संग्रह, कुटुम्बियों से परेशानियां, स्वास्थ्य में न्यूनता दे सकता हैं। शुक्र अष्टमेश है, इसलिए आपके वैवाहिक सुखों में कमी का कारण बन सकता हैं। जीवन साथी के प्रति निष्ठावान रहने से गृहस्थ जीवन के कष्टों में कमी कर सकते है।

बुध द्वादशेश और नवमेश हैं। नवमेश व द्वादशेश बुध आपके लिए व्यय, हानियों और दंड की स्थिति बना सकते हैं। इसके अतिरिक्त यह आपके विवेक, वाक्शक्ति, भाग्य, धर्म, यश में कमी भी करेंगे। आपमें तुरन्त निर्णय की क्षमता, न्यायालयों पर व्यय, राज्य व भाग्य के क्षेत्र में हानि दे सकता है।

मंगल की स्थिति षष्ठ भाव में है। मंगल का रोग भाव में होने से आपके जीवन साथी से सुखों में न्यूनता, मित्रों से धोखा, संतान सुख में न्यूनता, स्वजनों से झगड़ा, रक्त-विकार, धन-नाश का कारण बन सकता हैं।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 3, 4, 5, 6 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण

कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------

द्वितीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
साढेसाती द्वितीय ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044
साढेसाती तृतीय ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	----------

तृतीय चक्रः

अष्टम स्थानस्थ ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	30/08/2068-04/11/2070	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	----------
साढेसाती तृतीय ढैया	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	15/01/2079-12/04/2081	03/08/2081-07/01/2082	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
अष्टम स्थानस्थ ढैया	सम	दुर्घटना से बचाव
साढेसाती प्रथम ढैया	अशुभ	कम खर्च
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	स्वास्थ्य
साढेसाती तृतीय ढैया	अशुभ	धन
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	सुख

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति षष्ठ भाव में है। षष्ठ भाव शत्रु रोग, ऋण आदि का प्रतिनिधि भाव है अतः इस भाव में मंगल के प्रभाव से आप एक पराक्रमी पुरुष होंगे तथा शत्रु वर्ग को पराजित करने में समर्थ रहेंगे साथ ही शरीर में रोगाभाव रहेगा तथा सामान्यतया आप स्वस्थ ही रहेंगे। आप पराक्रमी एवं कठोर कार्यों को करने में रुचिशील रहेंगे। अतः आप पुलिस सेना या अन्य पराक्रमी विभागों में कार्यरत भी हो सकते हैं। जीवन में आपको ऋण अल्प मात्रा में ही लेना पड़ेगा तथा यदि लेना भी पड़ा तो आप इसे वापस देने में समर्थ रहेंगे जिससे मान सम्मान एवं प्रतिष्ठा बनी रहेगी। साथ ही आप जीवन में इच्छित धन ऐश्वर्य एवं लाभ भी अर्जित करेंगे। आपके प्रभावी व्यक्तित्व से अन्य जन आपसे प्रभावित रहेंगे।

षष्ठ भाव से नवम भाव पर मंगल की चतुर्थ दृष्टि के प्रभाव से आप धर्म या धार्मिक कार्यों पर अल्प मात्रा में ही रुचि रखेंगे साथ ही भाग्य की अपेक्षा आप कर्म पर अधिक विश्वास करेंगे। अतः आपके सांसारिक कार्यों की सिद्धि भाग्य बल की अपेक्षा परिश्रम पूर्वक कार्य करने से ही पूर्ण होगी। द्वादश भाव पर सप्तम दृष्टि के प्रभाव से आपका व्यय अधिक होगा। साथ ही यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु दाम्पत्य सुख का आप सामान्य रूप से उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। लग्न पर मंगल की दृष्टि के प्रभाव से आप समय समय पर गर्मी या रक्त विकार संबंधी परेशानी की अनुभूति करेंगे लेकिन इसका कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं होगा। आप अपने कार्यों को उत्साह पराक्रम एवं परिश्रम से सम्पन्न करके उनमें इच्छित सफलताएं अर्जित करेंगे।

इस प्रकार षष्ठ भावस्थ मंगल की स्थिति आपके लिए सामान्यतया अच्छी रहेगी जिसके प्रभाव से आप धनऐश्वर्य से युक्त रहेंगे तथा अपने परिवार का आधुनिक परिवेश में

लालन पालन करने में समर्थ होंगे जिससे पारिवारिक सुख शान्ति बनी रहेगी तथा पारिवारिक जनों से आप पूर्ण सहयोग सुख एवं सम्मान प्राप्त होगा। अतः आप प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में घातक नामक कालसर्प योग विद्यमान है। लेकिन यह केवल आंशिक रूप में विद्यमान है। फलस्वरूप जातक जन्म से ही परिवार से पृथक रहता है। नाना-नानी, दादा-दादी का स्नेह आंशिक रूप में मिलता है। जातक को माता-पिता का विरह सहना पड़ता है। जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी-कभी दुःखमय हो जाता है। जातक की सन्तान कभी-कभी अस्वस्थ हो जाती है और जातक को थोड़ा बहुत चिन्ता परेशानी घेर लेती है। घर में सुख शान्ति का थोड़ा बहुत अभाव रहता है। नौकरी-व्यवसाय में व्यवधान उपस्थित होता है पर कालान्तर में वह स्वतः समाप्त हो जाता है। कभी जातक को पदच्युत होने का भय भी होता है और व्यापार व्यवसाय में परिश्रम करने के बाद भी विशेष रूप से जमता नहीं या आंशिक नुकसान उठाना पड़ता है। भागीदारी में मनमुटाव की स्थिति पैदा हो जाती है एवं जातक को आंशिक रूप में क्लेश भोगना पड़ता है।

इस योग के कारण जातक के अनेक शत्रु होते हैं। वे सब षड्यन्त्र रचते रहते हैं पर वे लोग अपने षड्यन्त्र में सफल नहीं हो पाते। मित्रगण समय-समय पर धोखा दे जाते हैं। जिससे जातक को थोड़ा बहुत नुकसान उठाना पड़ता है और सरकारी पदाधिकारी से अनबन रहती है तथा राज्यपक्ष से भी क्षति प्राप्त होती है। जातक की स्थिति कभी राजा तो कभी रंक जैसा जीवन व्यतीत होता है।

इस योग के प्रभाव से जातक के शरीर में रोग व्याधि समय-समय पर घेर लेती है। कभी चोट लगने का भय भी होता है। जातक को सुख शान्ति के लिए संघर्ष करना पड़ता है। लेकिन सब कुछ होने के बाद भी जातक के जीवन में एक अच्छा समय आता है एवं उसमें प्रसिद्धि भी मिलती है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. ऊँ नमः शिवाय' का प्रतिदिन 108 बार जप करें। कुल जप संख्या- 21000।
3. ताम्बे के लोटे में नाग के जोड़े बहते पानी में एक बार प्रवाहित करें।
4. नवनाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
5. राहु के महादशा, अन्तर्दशा आने पर राहु मन्त्र के जाप कम से कम प्रतिदिन 108 बार करें। जप संख्या अट्ठारह हजार (18000) है।
6. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
7. श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।
8. सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।

9. राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें।
10. प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर - ऊँ हर हर महादेव कहते हुए अभिषेक करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।
11. रसोईघर में बैठकर भोजन करें।
12. शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।
13. गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल, आदि समय-समय पर दान करें।
14. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
15. हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- पंचम् भाव का स्वामी नीचस्थ है और उस पर शनि का प्रभाव है।
- लग्नेश शनि व राहु दोनों से प्रभावित है।

आपकी कुडली में शुक्र और शनि के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में शुक्र पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी महिला पूर्वज द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गरीब या जरूरतमंद स्त्रियों, कन्याओं को तथा पत्नी को दान दें। 11 वर्ष से छोटी 9 कन्याओं को मंदिर में खीर खिलायें।

आपकी कुंडली में शनि पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा दलित पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ भगवान रुद्र की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ायें व पूजा करें। शम्मी की समिधा से हवन करें। बकरी व शनि प्रीतकारी वस्तुओं का दान करें। गरीब या जरूरतमंदों की सहायता के रूप में दान दें तथा कौए को खाने का पहला ग्रास खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

एस्ट्रोग्राफ - 2026

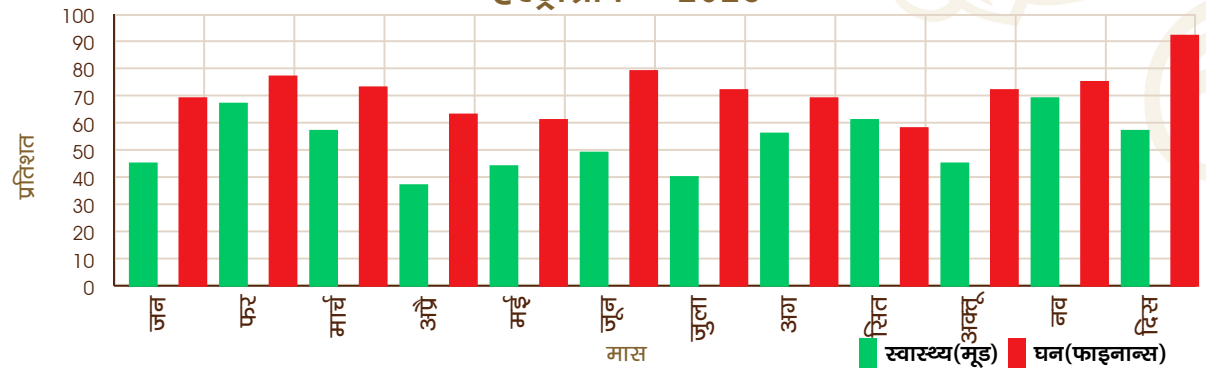

एस्ट्रोग्राफ - 2027

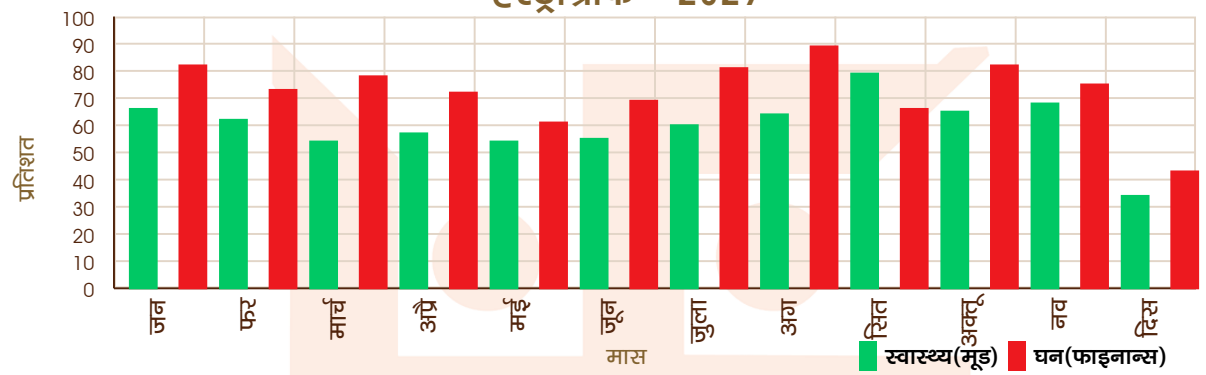

एस्ट्रोग्राफ - 2028

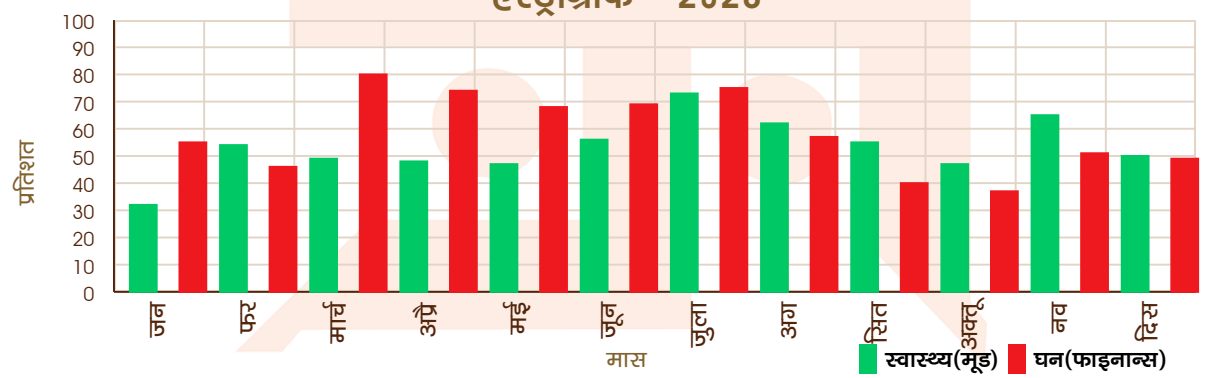

एस्ट्रोग्राफ - 2029

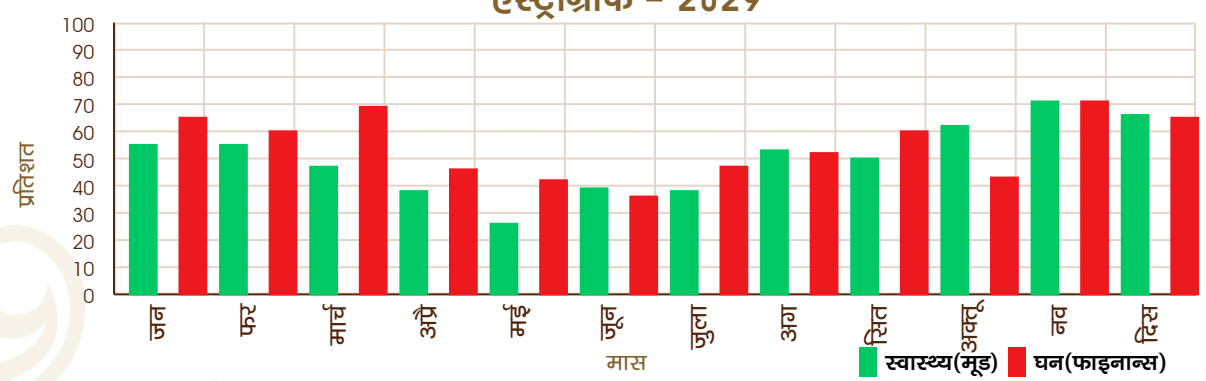

एस्ट्रोग्राफ - 2030

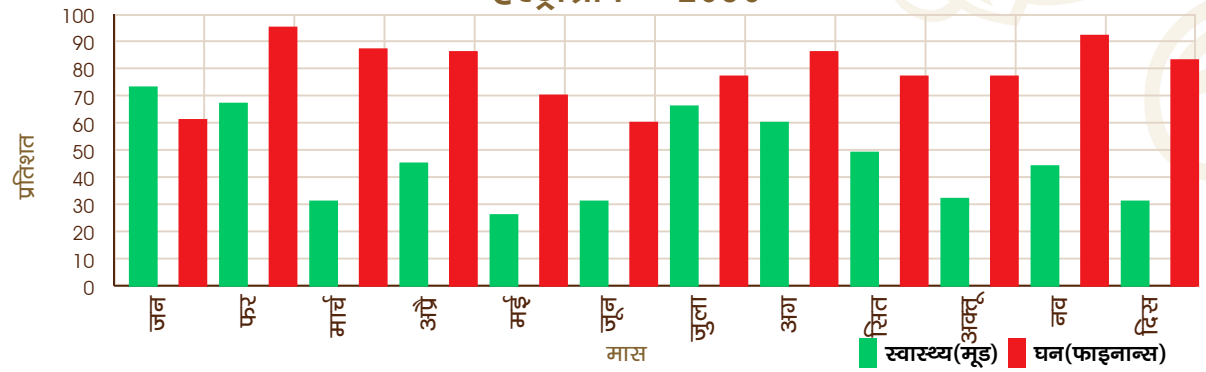

एस्ट्रोग्राफ - 2031

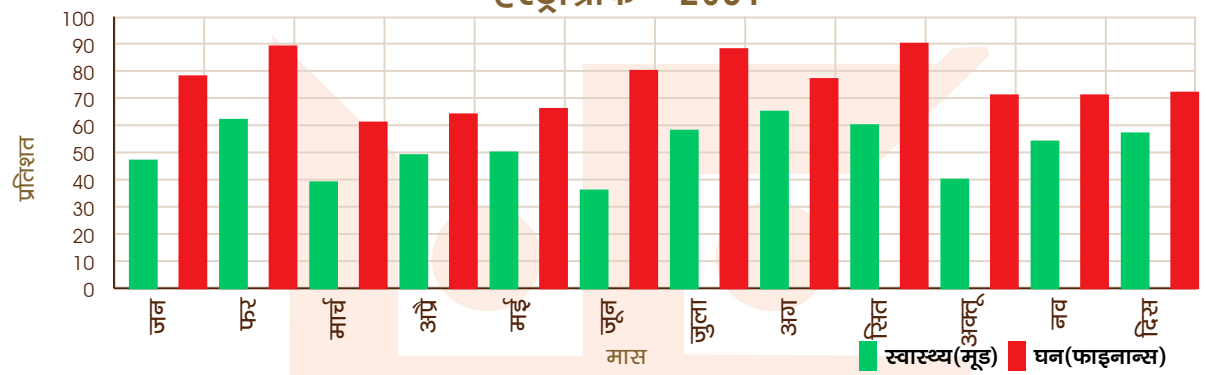

एस्ट्रोग्राफ - 2032

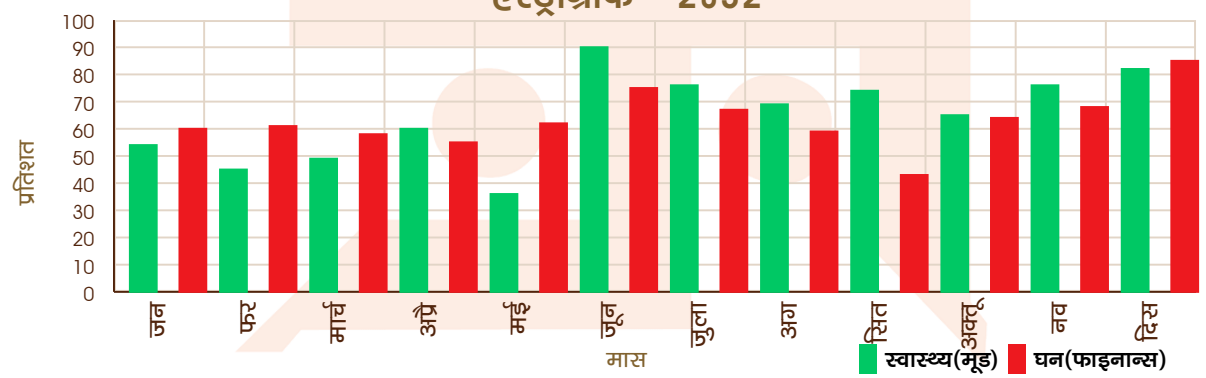

एस्ट्रोग्राफ - 2033

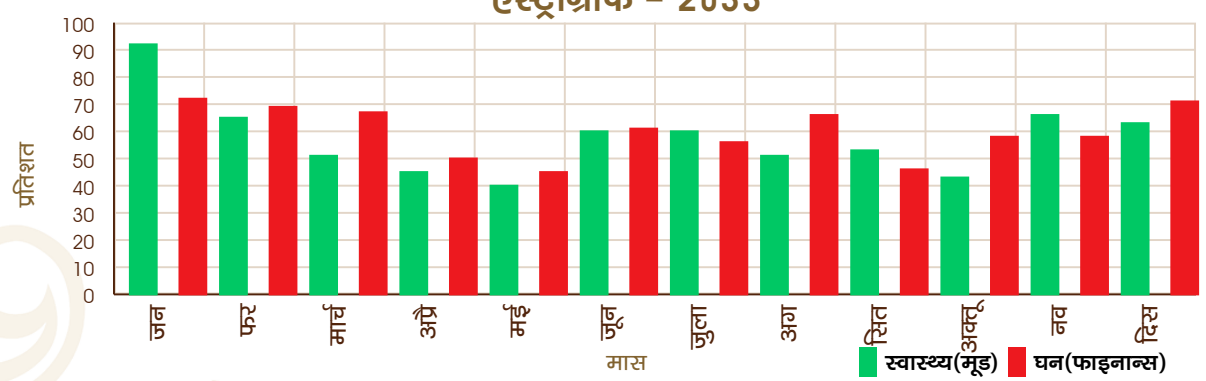

एस्ट्रोग्राफ - 2034

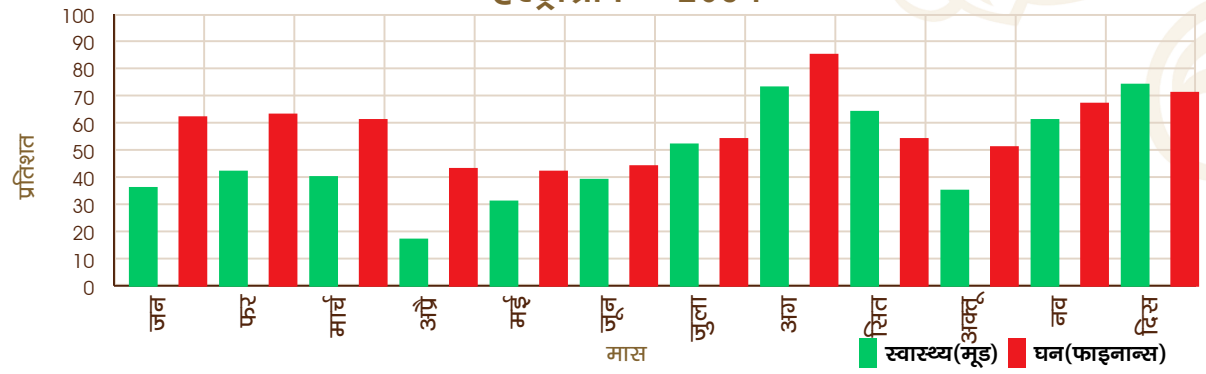

एस्ट्रोग्राफ - 2035

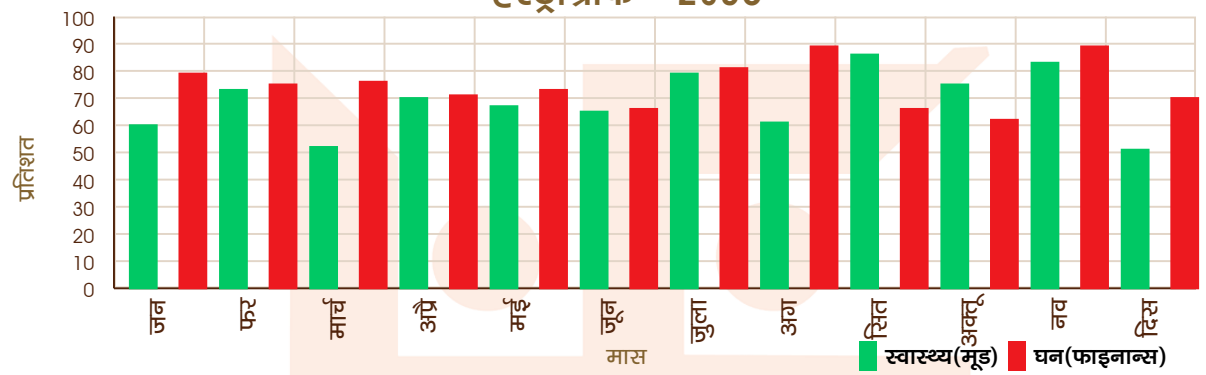

एस्ट्रोग्राफ - 2036

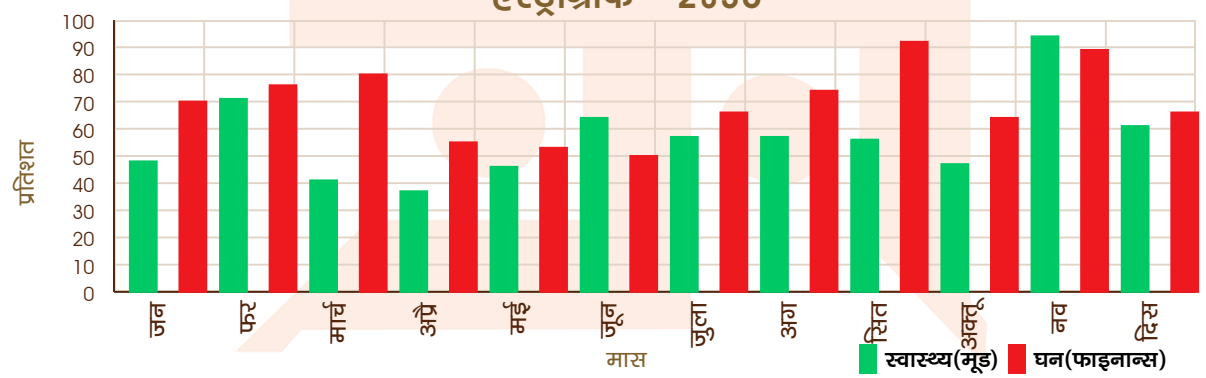

एस्ट्रोग्राफ - 2037

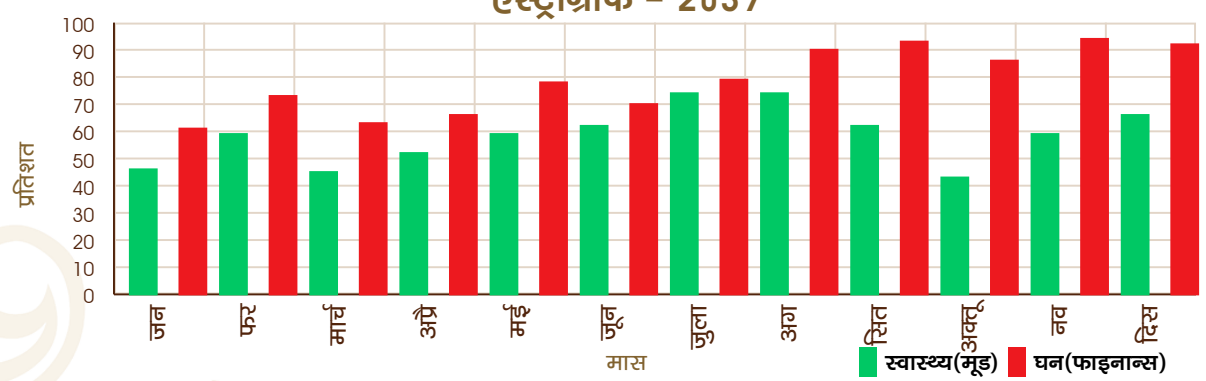

एस्ट्रोग्राफ - 2038

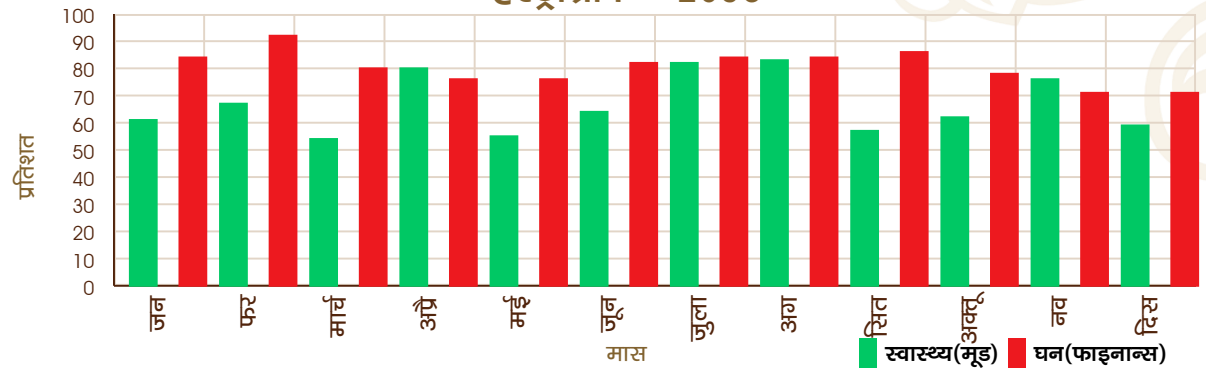

एस्ट्रोग्राफ - 2039

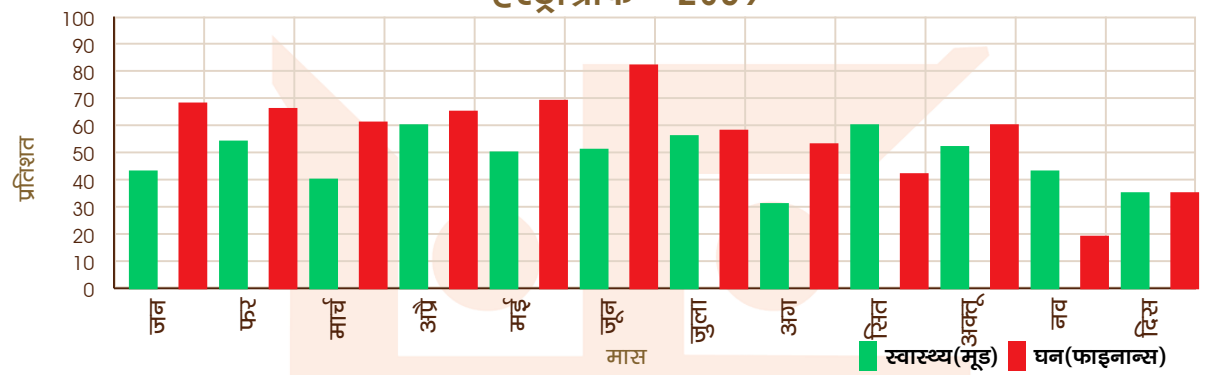

एस्ट्रोग्राफ - 2040

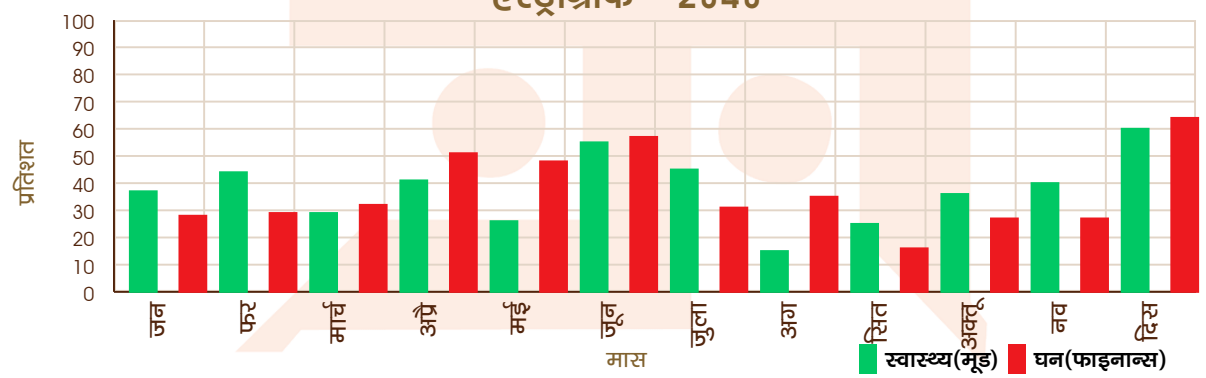

एस्ट्रोग्राफ - 2041

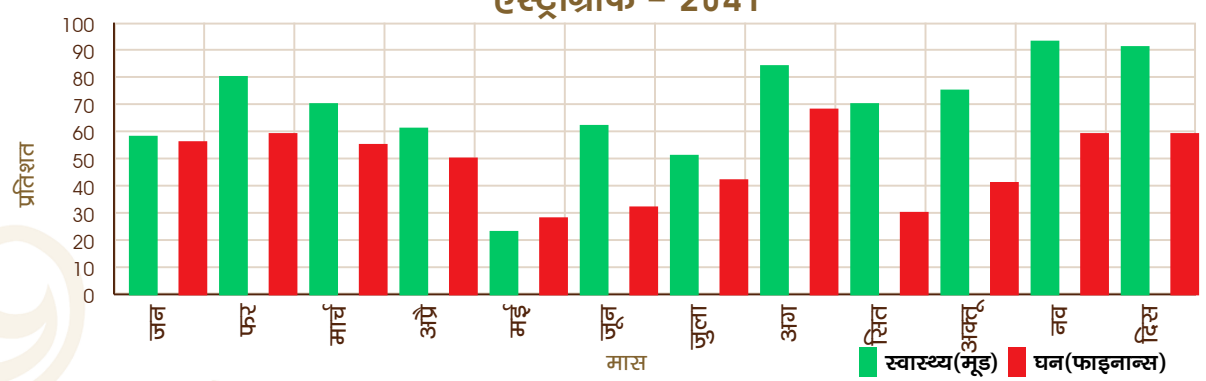

एस्ट्रोग्राफ - 2042

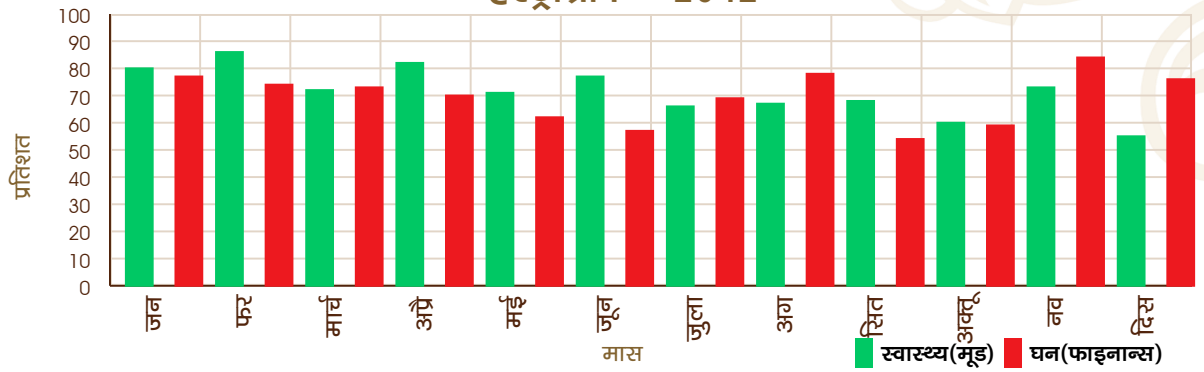

एस्ट्रोग्राफ - 2043

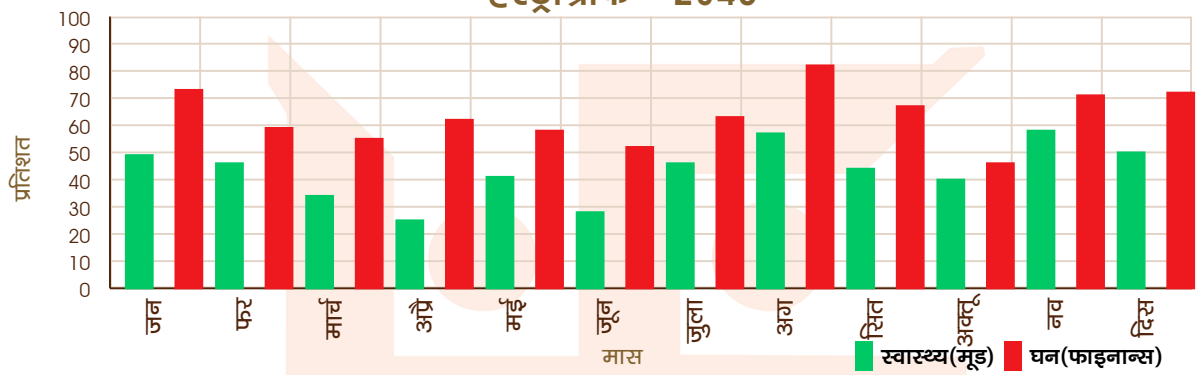

एस्ट्रोग्राफ - 2044

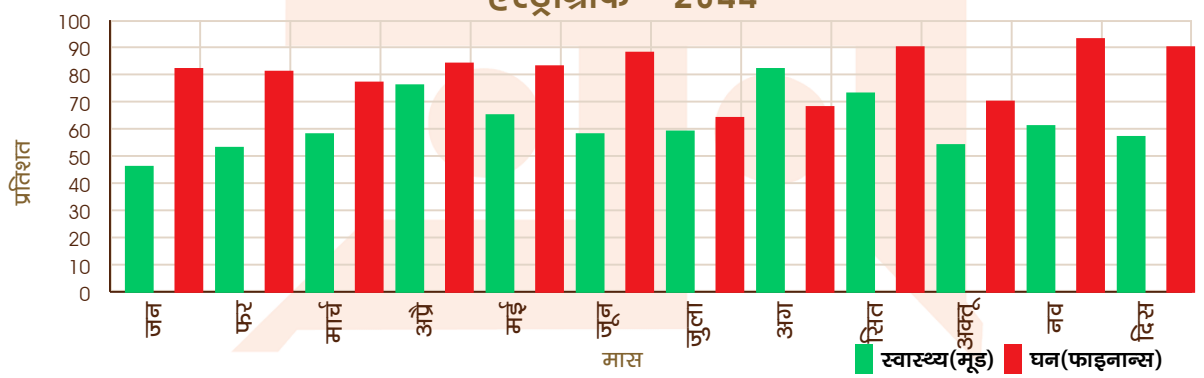

एस्ट्रोग्राफ - 2045